www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, बुधवार, 5 जून , 2024 | वर्ष-17 | अंक -60 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व पीडीपी का सूपड़ा साफ 02

■ देश की जनता का जनादेश भाजपा के ... 03
■ जनता ने तीसरी बार बड़ी विजय देकर इतिहास ...

■ इजरायल का दावा, हमास की कैद में 4 और... 07
■ पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से ...

दो दशक बाद दोबारा चुनाव जीतने ... 10

भाजपा गिरी धड़ाम...हाय राम!

■ इंडिया गठबंधन का दमदार प्रदर्शन, 400 का खेल फेल ■ किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं, गठबंधन सरकर तय

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। 2024 के लोकसभा चुनाव में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। इन चुनावों में इंडिया गठबंधन ने दमदार प्रदर्शन किया है। इस बार गठबंधन की सरकार बनना लगभग तय है। भाजपा का 400 सीटें जीतने का खेल फेल हो गया है। भाजपा की सीटें गिरकर 239 सीटों पर आ गई है। कांग्रेस ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 100 का आंकड़ा पार कर लिया है।

हालांकि लोकसभा चुनाव की मंगलवार को हुई मतगणना में राजग को 290 से अधिक सीटें आ रही हैं, जबकि इंडिया समूह 230 से अधिक सीट पर जीत दर्ज कर रहा है। मतगणना के परिणामों और रूझानों में भाजपा 239 सीटों के साथ सबसे बड़ी और कांग्रेस 100 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।

वर्ष 2014 के चुनाव के बाद देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार की राजनीति वापस लौट रही है जिसमें राजग के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यू और शिव सेना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उत्तर प्रदेश में लगा तगड़ा झटका

भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश , राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे अपने पुराने गढों में तगड़ा झटका लगा है जबकि पार्टी ओड़िशा में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए लोकसभा की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करने के साथ साथ राज्य विधानसभा में भी जीत के साथ पहली बार अपनी सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गयी है। पार्टी ने केरल में पहली बार एक सीट के साथ अपना खाता खोला है और नवगठित तेलंगाना में वह सत्तारूढ कांग्रेस को कांटे की टक्कर देते हुए बराबर की सीट जीतती नजर आ रही है।

इंडिया समूह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को अप्रत्याशित झटका देते हुए उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। राज्य में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिछले चुनाव में राज्य की 80 में से 62 सीट जीतने वाली

लोकसभा चुनाव : दलीय स्थिति

राजग (292/543)

भाजपा	239
जनता दल यूनाइटेड	12
शिवसेना (शिंदे)	07
एलजेपी(रामविलास)	05
आजसू	01
तेलुगू देशम पाटी	15

इंडिया (232/543)

कांग्रेस	100
समाजवादी पार्टी	37
तृणमूल कांग्रेस	29
आम आदमी पार्टी	03
द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम	22

जीते

राहुल गाधी	कांग्रेस	रायबरेली, वायनाड
नरेंद्र मोदी	भाजपा	वाराणसी
असदुद्दीन औवेसी	एआईएमआईएम	हैदराबाद
जीतन राम मांझी	हम	गया (एससी)
शशि थरूर	कांग्रेस	तिरुवनंतपुरम
शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा	टीएमसी	आसनसोल
ज्योतिरादित्य सिंधिया	भाजपा	गुना
शिवराज सिंह चौहान	भाजपा	विदिशा

हारे

नकुल नाथ	कांग्रेस	छिंदवाड़ा
विक्रमादित्य सिंह	कांग्रेस	मंडी
वैभव गहलोत	कांग्रेस	जालौर
राजीव चन्द्रशेखर	भाजपा	तिरुवनंतपुरम
प्रज्वल रेवन्ना	जेडीएस	हासन
परनीत कौर	भाजपा	पटियाला
गीता कोड़ा	भाजपा	सिंघभूम

खड़गे-राहुल ने की प्रेस कांफ्रेंस

मोदी-शाह से मुक्ति पाने का जनादेश : राहुल

कांग्रेस नेता बोले, यह संविधान को बचाने की लड़ाई थी

हिंदुस्तान के सबसे गरीब लोगों ने देश के संविधान को बचाया है और हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। हम उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है: **राहुल गांधी**

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। श्री गांधी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। यह बात वह तब ही समझ गए थे, जब सरकार ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट सील किए, मुख्यमंत्री को जेल में डाला तब मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट हो गई थी कि अब हिंदुस्तान की जनता संविधान की रक्षा के लिए मिलकर लड़ेगी और मेरा यह पुख्ता भरोसा आज सही साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और जहां भी गठबंधन लड़ा ,वहां सबने मिलकर चुनाव लड़ा और देश को एक नया विजन दिया है। श्री गांधी ने कहा, यह चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन का आया है और इसमें संविधान को बचाने का हमारा अभियान सफल रहा। देश ने इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साफ कह दिया है कि देश अब उन्हें नहीं चाहता है।

कांग्रेस नेता ने कहा, देश को बचाने का काम हिंदुस्तान के गरीब लोगों ने किया है, आदिवासियों ने किया, मजदूरों ने किया है।

राजग की लगातार तीसरी बार जीत ऐतिहासिक : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। श्री मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। श्री मोदी ने आज रात करीब सवा आठ बजे भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय पहुंचे जहां उनका बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने किया। भाजपा अध्यक्ष ने श्री मोदी का माल्यार्पण करके स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने देश की जनता के प्रति आभार जताया

निवेशकों ने एक दिन में 30 लाख करोड़ गंवाए

■ बाजार में चार साल की सबसे बड़ी गिरावट
■ सेंसेक्स 5.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। आम तौर पर शुभ माना जाने वाला मंगलवार चार जून को शेयर बाजार के निवेशकों के लिए अशुभ साबित हुआ। इस दिन शेयर बाजार में चार साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इससे निवेशकों ने एक ही सत्र में करीब 30 लाख करोड़ रुपए गंवा दिए। लोकसभा चुनावों की मतगणना के अंतिम चरण में प्रवेश करते ही मंगलवार को सेंसेक्स 4,389 अंक या 5.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,079 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 1,379 अंक या 5.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,884 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 4,051 अंक या 7.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 46,928 पर बंद हुआ। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल), हीरो मोटोकॉर्प, ब्रिटानिया, नेस्ले और डिविस लैब्स को निफ्टी पर सबसे ज्यादा लाभ हुआ, जबकि ओएनजीसी, कोल इंडिया और एसबीआई को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। एफएमसीजी के शेयरों को छोड़कर, रियल्टी, दूरसंचार, धातु, तेल और गैस, बिजली और पीएसयू बैंक के शेयर 10 प्रतिशत से अधिक नीचे थे।

कुनबा बढ़ाने की जुगत में इंडिया गठबंधन

नीतीश को उपप्रधानमंत्री का प्रस्ताव दिया

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव नतीजों को बाद भाजपा और इंडिया गठबंधन दोनों की ओर सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। सबकी नजरें जदयू प्रमुख नीतीश कुमार और तेलगू देशम के मुखिया चंद्रबाबू नायडू पर है। ये दोनों नेता जिधर जाएंगे उसी की केंद्र में सरकार बनेगी। भाजपा भी बहुमत से दूर रह गई है तो इंडिया गठबंधन भी बहुमत के जादुई आंकड़े को हासिल करने में नाकामयाब रहा है। भाजपा के सामने अपने गठबंधन को बचाने की चुनौती है तो इंडिया गठबंधन कुनबा बढ़ाने की जुगत में है। सूत्रों की माने तो इंडिया गठबंधन ने नीतीश कुमार को साथ लाने के लिए उपप्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव दे दिया है। वहीं चंद्रबाबू नायडू को साधने के लिए आंध्रप्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की बात कही जा रही है। हालांकि इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि दोनों नेताओ को अपने पाले में लाने के लिए इंडिया गठबंधन ने अपना सबसे बडा दाव चल दिया है। बतादें कि नीतीश की महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की रही है। इसीलिए जब 2014 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार चुना गया तो उन्होंने खुद को एनडीए से अलग कर लिया था। वहीं इंडिया गठबंधन के शिल्पकार भी नीतीश कुमार ही रहे हैं। जबकि चंद्रबाबू नायडू की आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग काफी पुरानी रही है। 2014 में एनडीए की सरकार में रहकर भी उन्होंने यह मांग प्रमुखता से उठाई थी। हालांकि अभी टीडीपी की ओर इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन अपनी प्रस्तावित संवाददाता सम्मेलन को स्थगित जरूर कर सस्पेंस गहरा दिया है।

■ नायडू को आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य दर्जे का देने का प्रस्ताव दिया

ओडिशा में 24 साल का पटनायक राज खत्म

भुवनेश्वर, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के साथ ओडिशा और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी हुए। ओडिशा में 24 साल से सत्ता में काबिज नवीन पटनायक के हाथ से सत्ता खिसक गई है। भाजपा को 147 में से 78 तो बीजेडी को 51 सीटें मिल रही हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश में एनडीए (भाजपा, टीडीपी और जन सेना पार्टी) की सत्ता में वापसी हुई है। टीडीपी 175 में से 134 सीटें जीत रही है। मौजूदा मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सिर्फ 12 सीटों पर सिमट गई। आंध्र में 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के जगन मोहन रेड्डी 175 में से 151 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज की थी। राज्य में भाजपा ने चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और एक्टर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ गठबंधन किया है। वहीं, ओडिशा में नवीन पटनायक 24 साल (मार्च 2000) से मुख्यमंत्री हैं। ओडिशा में भाजपा ने किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा।

आंध्र में एनडीए की सरकार बन रही

सुखोई लड़ाकू विमान सिरसा गांव में दुर्घटनाग्रस्त

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। वायु सेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को नासिक के सिरसा गांव क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया हालाकि विमान के दोनों पायटल सुरक्षित हैं। हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने एचएएल के नासिक स्थित केन्द्र से प्रशिक्षण उडान भरी थी और इसे एचएएल के पायलट उडा रहे थे। उन्होंने कहा कि विमान में गड़बड़ी होते ही दोनों पायलट समय रहते पैराशूट के जरिए बच निकलने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि पायलट ने दुर्घटना का कारण तकनीकी गड़बड़ी बताया है । उन्होंने कहा कि दुर्घटना के वास्तविक कारण का पता जांच के बाद ही चलेगा।

विमान के दोनों पायलट सुरक्षित

उप्र की दलित राजनीति में बड़ा बदलाव

बसपा डूबी, चंद्रशेखर नए नेता के रूप में उभरे

लखनऊ, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) डूब गई है। इस चुनाव में एक नया दलित नेता उभर कर सामने आया है। बसपा, उत्तर प्रदेश में एक भी सीट जीतने में विफल रही है। वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के चंद्रशेखर ने किसी राजनीतिक पार्टी या नेता के समर्थन के बिना नगीना सीट पर जीत दर्ज कर ली है। चंद्रशेखर ने नगीना (आरक्षित) सीट पर डेढ़ लाख से ज़्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। यह जीत दलित वोटों में स्पष्ट बदलाव का संकेत है। जबकि इस सीट पर बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार सुरेंद्र पाल सिंह को केवल 13272 वोट मिले।

नगीना सीट पर एएसपी नेता ने की जीत दर्ज

चंद्रशेखर ने अकेले लड़ी लड़ाई

चंद्रशेखर ने अकेले ही ये लड़ाई लड़ी। उन्हें अपनी जीत का पूरा भरोसा था। दो दिन पहले उन्होंने कहा था, सभी पार्टियां मेरे खिलाफ खड़ी हैं। लेकिन जनता मेरे साथ है। मुझे उनके समर्थन का पूरा भरोसा है। चंद्रशेखर ने कहा था, मुझे किसी स्टार प्रचारक की ज़रूरत नहीं है। मेरे स्टार (सितारे) ही मेरे वोटर हैं। वे जानते हैं कि मैं हमेशा उनके लिए मौजूद रहूंगा। यही बात अंत में मायने रखती है। भीम आर्मी के एक समर्थक ने बताया, चंद्रशेखर ने हमेशा हर उस दलित घर का दौरा किया, जहां किसी सदस्य को निशाना बनाया गया था। चाहे वह हाथरस हो, कानपुर देहात हो, लखीमपुर हो या कोई अन्य जगह हो। उन्होंने आगे कहा कि उनकी टीम पश्चिमी यूपी के विभिन्न शहरों में दलित बच्चों के लिए स्कूल चलाती है। वह पीड़ित परिवारों को कानूनी मदद भी देते हैं। पूर्व सीएम मायावती ने कभी भी पीड़ित परिवारों तक पहुंचने की जहमत नहीं उठाई। हमारे समुदाय के लोग, खासकर युवा, धीरे-धीरे भीम आर्मी की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिसे आजाद समाज पार्टी के नाम से भी जाना जाता है।

देश

उवाच

मुझे लगता है कि यह अपरिहार्य को स्वीकार करने का समय है। उत्तरी कश्मीर में जीत के लिए इंजीनियर रशीद को बधाई। मुझे विश्वास नहीं है कि उनकी जीत से उनकी जेल से रिहाई में तेजी आएगी और न ही उत्तरी कश्मीर के लोगों को वह प्रतिनिधित्व मिलेगा जिसका उन्हें अधिकार है, लेकिन मतदाताओं का यह फैसला है और लोकतंत्र में यही सब मायने रखता है।

-उमर अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	40.0	31.0
मुंबई	35.0	30.0
कोलकाता	33.0	28.0
चेन्नई	26.0	250.0

उत्तर प्रदेश में राहुल-अखिलेश की जोड़ी ने पल्टी बाजी

2019 के मुकाबले भाजपा को लगा बड़ा झटका, लोकसभा चुनाव के नतीजों में दिलचस्प नजर आया मुकाबला

लखनऊ, 4 जून (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मुकाबला दिलचस्प नजर आया। भाजपा और सपा-कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही। 2019 के मुकाबले भाजपा को बड़ा झटका लगा। वहीं, सपा वोट प्रतिशत के लिहाज से अपना सर्वश्रेठ प्रदर्शन करती दिखाई दी। सीटों के हिलाज से भी अखिलेश यादव की पार्टी को बड़ा फायदा हुआ। सपा के चुनावी इतिहास का यह सबसे बेहतर प्रदर्शन रहा। लोकसभा सीटों के लिहाज से सपा ऐसा प्रदर्शन मुलायम सिंह यादव के समय भी नहीं कर पाई थी। उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस को गठबंधन से फायदा हुआ। दोनों दलों ने एक दूसरे को वोट ट्रांसफर भी किए। इन नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में विपक्ष में नया आत्मविश्वास आएग। इसके साथ ही राज्य सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ विपक्ष और आक्रामक होगा।

■ लोस सीटों के लिहाज से ऐसा प्रदर्शन मुलायम सिंह यादव के समय भी नहीं कर पाई थी सपा

बसपा का वोट शेयर घटना रहा सपा-कांग्रेस की सीटें बढ़ने की वजह

सपा और कांग्रेस के आगे बढ़ने की एक बड़ी वजह उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी बसपा का वोट शेयर घटना रहा। कभी इस पार्टी के लिए कहा जाता था कि बसपा का करीब 20 फीसदी वोटर ऐसा है जो पूरी तरह उसके साथ रहता है। इस चुनाव यह वोट शेयर घटकर नौ फीसदी के करीब रह गया। दलित वोटों का बसपा से दुराव और सपा-कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाना भी इसकी एक वजह रही। वहीं, मुस्लिम वोटों का एकमुश्त सपा-कांग्रेस गठबंधन को वोट देने से भी इस गठबंधन को फायदा हुआ।

2004 में पार्टी ने की थी 35 सीटों पर जीत दर्ज

वोट शेयर के लिहाज से देखेंगे तो यह सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2004 में पार्टी ने 35 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब उसका वोट शेयर 26.74 फीसदी रहा था। वोट शेयर के लिहाज से पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था जब उसे 28.7 फीसदी वोट मिले थे। उस चुनाव में पार्टी 20 सीटें जीतने में सफल रही थी। इस बार समाजवादी पार्टी को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं, सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी को भी 10 फीसदी से ज्यादा वोट मिल सकता है। इस लिहाज से यह गठबंधन 43 फीसदी से ज्यादा वोट पाता दिख रहा है। अक्तूबर 1992 में समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। पार्टी ने अपना पहला लोकसभा चुनाव साल 1996 में लड़ा। उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय पार्टी को इस चुनाव में ही 16 सीटें मिलीं। 1996 में सपा को राज्य में 20.84न मत मिले थे। अगले लोकसभा चुनाव 1998 में कराए गए। इस चुनाव में सपा ने अपना जनाधार बढ़ाया और सीटों की संख्या बढ़कर 20 हो गई। वहीं पार्टी के खाते में 28.7 प्रतिशत मत गए। 1999 के लोकसभा चुनाव में सपा का जनाधार घट गया, लेकिन सीटों की संख्या बढ़ गई। इस चुनाव में पार्टी के खाते में 24.06 प्रतिशत मत गए तो इसके 26 सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे। 2004 में सपा ने अपना प्रदर्शन और सुधारा। इस चुनाव में सपा को 35 सीटें आईं। वहीं पार्टी को 26.74 प्रतिशत वोट मिले। अगले लोकसभा चुनाव 2009 में हुए। इस चुनाव में सपा का जनाधार घट गया और सीटों की संख्या भी कम हो गई। इस चुनाव में पार्टी के खाते में 23.26 प्रतिशत मत गए तो इसके 23 सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे। 2014 में सपा को केवल पांच सीटें मिलीं। पार्टी का वोट शेयर 22.18 प्रतिशत रह गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा ने बसपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में सपा के खाते में 17.96 प्रतिशत मत गए तो इसके केवल पांच सांसद जीतकर लोकसभा पहुंचे। सपा के लिए मत प्रतिशत सबसे कम इसी चुनाव में रहा।

बाराबंकी में कांग्रेस ने बाजी मारी, तनुज पुनिया जीते

बाराबंकी। बाराबंकी सुरक्षित लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी तनुज पुनिया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजरानी रावत दो लाख से अधिक मतों से हरा दिया। कांग्रेस के तनुज पुनिया को सात लाख 11हजार 849 मत मिले जबकि भाजपा की राजरानी रावत को चार लाख 99 हजार 938 वोट मिले हैं। मतगणना में करीब 32 चक्र संपन्न हुए। पहले ही चक्र की मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी ने जगह बना ली थी इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। कांग्रेस को जिले की सभी पांच विधानसभा सीटों में भाजपा से ज्यादा वोट मिले हैं। बाराबंकी में 19 लाख 18 हजार 791 मतदाताओं में से 12 लाख 85 हजार 389 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तनुज पुनिया 2019 के चुनाव में तीसरे नंबर पर थे।

देश के सबसे युवा सांसद बने पुष्पेंद्र सरोज

कौशाम्बी लोकसभा सीट से दिग्गज भाजपा नेता विनोद सोनकर को पराजित करने वाले पुष्पेंद्र सरोज देश के सबसे कम उम्र के सांसद निर्वाचित हुए हैं। इसी साल एक मार्च को उन्होंने 25 वर्ष की आयु पूरी की है। जीत के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए पुष्पेंद्र सरोज ने कहा कि कौशाम्बी की जनता ने नौजवान को सांसद बनाया है। यहां की समस्याओं को मैं संसद में उठाऊंगा। जनपद की जनता ने सबसे कम उम्र के युवा को चुनाव जिताकर एक इतिहास कायम किया है। भाजपा प्रत्याशी को जनता ने मुंहतोड़ जवाब दे दिया है। राजाभैया के सवाल पर कहा कि हमें सबका समर्थन और आशीर्वाद मिला है। हम सबके पास आशीर्वाद लेने के लिए गए थे और सबने आशीर्वाद दिया है। बता दें कि सपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सरोज की स्कूली शिक्षा देहरादून के प्रतिष्ठित बोर्डिंग कॉलेज से हुई है। इंटरमीडिएट के बाद उन्होंने लंदन से बीकाम की डिग्री हासिल की है। पुष्पेंद्र संभवत: देश के सबसे युवा लोकसभा प्रत्याशी होंगे। इसी साल एक मार्च को ही उनकी उम्र 25 साल पूरी हुई है। आजादी के बाद पहली बार बस्ती सीट पर सपा ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के राम प्रसाद चौधरी ने एकतरफा जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी ने पहले ही राउंड से राम प्रसाद चौधरी ने बढ़त बना रखी थी। राम प्रसाद चौधरी ने भाजपा के प्रत्याशी को 100958 वोटों से हराया है। इंडिया गठबंधन को 524756, भाजपा को 423798 और बीएसपी को 120964 वोट मिले।

लखीमपुर में जीत के जश्न में बेकाबू हुए सपा समर्थक

लखीमपुर में खीरी और धौरहरा सीट पर सपा प्रत्याशियों के जीतने को घोषणा होने के बाद मंडी गेट पर हजारों समर्थकों की भीड़ जुट गई। इस दौरान हालात बेकाबू हो गए। धौरहरा सीट से सपा के आनंद भदौरिया के जीत की अधिकारिक घोषणा की गई तो समर्थकों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया। समर्थक अपने प्रत्याशी से मिलने के लिए मतगणना स्थल पहुंचे। समर्थकों की अधिक भीड़ देख सुरक्षाकर्मियों ने रोकने की कोशिश की, जिससे समर्थक भड़क गए। गुस्साए समर्थकों ने सुरक्षाकर्मियों पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकनी शुरू कर दीं। पुलिस कर्मियों के अलावा एसएसबी जवानों ने किसी तरह समर्थकों को खदेड़ कर मंडी का मेन गेट बंद कर दिया। हालांकि काफी देर तक समर्थक मंडी गेट के बाहर हंगामा काटते रहे।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस व पीडीपी का सूपड़ा साफ

■ भाजपा व नेकां के हाथ लगी दो-दों सीटें
■ लद्दाखियों ने स्वतंत्र उम्मीदवार पर फिर विश्वास जताया

जम्मू, 4 जून (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर में इस बार कांग्रेस के साथ-साथ पीडीपी का भी सूपड़ा साफ हो गया है। पिछले चुनावों में पहली बार नेशनल कांफ्रेंस का एक भी उम्मीदवार लोकसभा तक नहीं पहुंच पाया था लेकिन इस बार उसने कश्मीर की दो सीटों पर कब्जा कर लिया तो भाजपा भी जम्मू व उधमपुर की सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाब हुई है। हालांकि लद्दाख में उसे झटका जरूर लगा है जहां आजाद उम्मीदवार की किस्मत लद्दाखियों ने जगा दी है। जम्मू लोकसभा क्षेत्र में जहां भाजपा के जुगल किशोर शर्मा ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रमण भल्ला को हरा दिया वहीं उधमपुर से भाजपा के जितेंद्र सिंह ने हाल ही में पाला बदल कर कांग्रेस में शामिल होने वाले चौधरी लाल सिंह को हरा दिया। रमण भल्ला दूसरी बार तथा लाल सिंह ने तीसरी बार इस संसदीय क्षेत्र से किस्मत आजमाने की कोशिश की थी। भाजपा के दोनों प्रत्याशियों ने जीत की हैट ट्रिक जरूर बनाई है। जानकारी के लिए जम्मू लोकसभा क्षेत्र से 8 बार कांग्रेस ने जीत हासिल की थी तो पिछले दो चुनावों में भाजपा ने इसे छीन लिया था। इसी प्रकार मोदी लहर ने पिछले दो चुनावों उधमपुर सीट पर अपना असर दिखाया था जिसका परिणाम था कि कांग्रेस की गढ़ समझे जाने वाली इस सीट पर भाजपा ने छठी बार जीत हासिल की है। रोचक तथ्य इन दोनों सीटों के प्रति यह था कि इन पर कांग्रेस का नेकां व पीडीपी के साथ गठजोड़ था फिर भी उसे हार का मुंह देखना पड़ा। सबसे अधिक चौंकाने वाली जीत कश्मीर की बारामुल्ला सीट पर देखने को मिली जहां से स्वतंत्र उम्मीदवार जेल में बंद इंजीनियर राशिद ने हासिल की जिन्होंने 4.46 लाख वोट हासिल कर अपने तगड़े प्रतिद्वंद्वी पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को दो लाखों वोटों से हरा दिया। हालांकि उनकी जीत पर उन्हें बधाई देते हुए उमर अब्दुल्ला ने यह तंज जरूर कसा है कि बारामुल्ला के वोटर उन्हें जेल से रिहा नहीं करवा सकते इसलिए संसद में उनका प्रतिनिधित्व कोई नहीं कर पाएगा। पीडीपी को कश्मीर की तीनों सीटों पर हार का मुहं देखना पड़ा है। खुद पीडीपी अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती राजौरी-अनंतनाग सीट से नेशनल कांफ्रेंस के मियां अल्ताफ से 2 लाख 80 हजार वोटों से हार गईं तो श्रीनगर की सीट पर उनकी पार्टी के उम्मीदवार वहीदुर रहमान पारा को नेकां के आगा सईद रूहुल्लाह मेहदी ने 1.72 लाख वोटों से हरा दिया। मेहदी ने 3.31 लाख मत हासिल किए। रिकार्ड के बकौल, अनंतनाग को पीडीपी अपनी बपौती समझने लगी थी क्योंकि यह पूर्व मुख्यमंत्री का गृह जिला था तथा पीडीपी दो बार इस पर कब्जा जमा चुकी थी। जबकि बारामुल्ला नेकां का ही गढ़ माना जाता रहा है जिस पर उसने 8 बार जीत हासिल तो की पर पिछला चुनाव पीडीपी से हार गई थी। श्रीनगर को भी नेकां का गढ़ माना जाता रहा है जहां से नेकां ने 10 बार जीत हासिल की थी और डा. फारूक अब्दुल्ला चार बार इस सीट से लोकसभा पहुंचे हैं। हालांकि वे पिछला चुनाव जरूर मोदी लहर के कारण हार गए थे। इस बार लद्दाख में मोदी का जादू नहीं चल पाया और न ही कांग्रेस-नेकां का गठबंधन। लद्दाख में स्वतंत्र उम्मीदवार मुहम्मद हनीफा 28 हजार मतों से विजयी हुए हैं जिन्होंने कांग्रेस व नेकां के संयुक्त उम्मीदवार तेजरिंग नामग्याल को 28 हजार मतों से हराया है। भाजपा के ताशी ग्यालसन 31 हजार वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे हैं। रिकार्ड के मुताबिक लद्दाख की जनता ने इससे पहले 4 बार आजाद उम्मीदवारों को लोस भेजा था।

जनता ने देश में अधिनायकवाद के खिलाफ व्यक्त किया है मत : पटवारी

■ जनता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डिक्टेटरशिप को पसंद नहीं करती है
■ आम चुनाव में जो वातावरण बनाया जा रहा था उस छल की हार हुई

भोपाल। लोकसभा चुनाव नतीजों के परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि देश की जनता नेने अधिनायकवाद के खिलाफ अपना मत व्यक्त किया है और सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इसे समझना चाहिए। पटवारी ने यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि इसके साथ ही वे पार्टी के मध्यप्रदेश के प्रदर्शन के संबंध में अपनी जिम्मेदारी भी स्वीकार करते हैं। पटवारी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत के चुनाव परिणाम सामने हैं और दो दिन पहले तक जो एग्जिट पोल दिखाकर भ्रम का जो वातावरण बनाया जा रहा था, उस छल की हार हुई है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अधिनायकवाद और डिक्टेटरशिप को पसंद नहीं करती है। पटवारी ने कहा कि वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आम व्यक्ति पर असर करने वाले मुद्दे चुनाव के दौरान उठाए, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, किसान समस्या और गरीबों पर यातनाओं को प्रमुखता से सामने रखा। जिन पांच न्याय की राहुल गांधी ने बात की थी, जनता ने उस बात को सराहा एवं परिणाम उसके आसपास दिये हैं। पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश के संदर्भ में हम सभी ने एकजुटता के साथ चुनाव लड़ा और अच्छे परिणाम के लिए प्रयास किये, परंतु विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की घटनाएं इस राज्य में घटित हुई हैं, तो वे यह कह सकते हैं कि सरकार के धन और बल के प्रयास सफल हुये, परंतु पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते में राज्य में आये परिणाम को वे सिर झुकाकर स्वीकार करते हैं और इन परिणामों की जिम्मेदारी लेते हैं। पटवारी ने कहा कि पार्टी आत्ममंथन के साथ बदलावों के लिए तैयार है। इसमें नई सोच, विचार और व्यवहार का समावेश करेंगे। राज्य की जनता बेहद जागरूक हैं और इंदौर में जिस तरीके से नोटा के रूप में जनता ने भाजपा के मुंह पर जो करारा तमाचा मारा है, वह भाजपा हमेशा याद रखेगी। कांग्रेस पार्टी एक मजबूत विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका लगातार निभाएगी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार के. के. मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और पार्टी प्रवक्ता भी मौजूद थे।

सार संक्षेप

जनता दल-यू मोदी के समर्थन पर कायम : केसी त्यागी

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के महासचिव केसी त्यागी ने कहा है कि उनकी पार्टी राजग का हिस्सा बनी रहेगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करेगी। जनता दल-यू के मुख्य प्रवक्ता त्यागी ने मंगलवार को यहां कहा कि पार्टी राजग में बनेगी रहेगी और अपना रास्ता नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं के साथ बातचीत नहीं करेगी।

खम्मम लोस सीट से कांग्रेस के रघुराम रेड्डी जीते

खम्मम/तेलंगाना। तेलंगाना की खम्मम लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार रामसहायम रघुराम रेड्डी ने जीत हासिल की है। रेड्डी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार नामा नागेश्वर राव से 4,67,847 वोट ज्यादा प्राप्त किए। परिणाम की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है। रेड्डी ने मतगणना के पहले दौर से ही बढ़त बनाए रखी और अंततः भारी बहुमत से जीत हासिल की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार तंद्रा विनोद राव तीसरे स्थान पर रहे।

मतदाताओं का फैसला शिरोधार्य : कमलनाथ

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी एवं अपने पुत्र नकुलनाथ की पराजय के बाद कहा कि वे मतदाताओं का फैसला शिरोधार्य करते हैं। कमलनाथ ने कहा कि छिंदवाड़ा उनका परिवार है। उन्होंने पूरा जीवन छिंदवाड़ा की सेवा में लगाया है और अंतिम सांस तक छिंदवाड़ा की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने उन पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने जी जान से मेहनत की।

गया से जीते जीतनराम मांझी

तीसरे स्थान पर नोटा का कब्जा

हालांकि, गया लोकसभा सीट पर परिणाम आने के बाद लोग तब चौंक गए। जब तीसरे स्थान पर नोटा रहा। मतदाताओं ने नोटा पर 17177 मत मिले। वहीं, गया लोकसभा सीट पर एनडीए प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के जीतने के बाद कार्यकर्ता जश्न में डूब गए।

गया, 4 जून (एजेंसियां)। गया लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी हिंदुस्तानी एवं मोर्चा के संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने जीत हासिल कर ली है। 26 राउंड में हुई मतों की गिनती के बाद पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत से 102263 मतों से बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर पोस्ट बैलेट की गिनती में भी पूर्व सीएम राजद प्रत्याशी से आगे चल रहे हैं। मतदान कर्मियों के द्वारा पोस्टल बैलट का एक बार फिर से मिलान किया जा रहा है। ताकि गिनती में कोई चुक न रह जाए और यह मात्र एक कोरम भर रह गया है। क्योंकि गया में लगभग 3000 पोस्टल बैलेट का ही प्रयोग किया गया था। इस मतगणना की सबसे खास बात यह रही कि पहले राउंड से ही पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने अपने प्रतिद्वंदी राजद प्रत्याशी सह बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत से बढ़त बनाए रखी। जैसे ही नौवें राउंड में बोधगया विधानसभा की गिनती हुई और एनडीए प्रत्याशी को 22 हजार की बढ़त मिलने के बाद राजद प्रत्याशी कुमार सर्वजीत मतगणना केंद्र से बाहर निकल गए। गया लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी तीन बार अपना भाग्य आजमा चुके हैं। लेकिन तीनों बार उनको हार का सामना करना पड़ा। पहली बार एनडीए गठबंधन से गया लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और एक लाख से अधिक वोट से जीत हासिल की।

राहुल को देश का नेतृत्व करना चाहिए : संजय राऊत

मुंबई, 4 जून (एजेंसियां)। शिव सेना (उद्धव ठाकरे) के नेता संजय राऊत ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस तरह से लोकसभा चुनाव के दौरान संघर्ष किया है सबकी इच्छा है कि उन्हें देश का नेतृत्व करना चाहिए। लोकसभा चुनाव की मतगणना के रूझानों में इंडिया समूह को जोरदार सफलता मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए राऊत ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस पूरे देश में आगे जा रही है। कांग्रेस ने अगर सौ का आंकड़ा पार कर लिया तो समझ लो इंडिया ब्लॉक जीत गया। कांग्रेस उससे भी आगे जा रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के जो नतीजे आ रहे हैं तो कांग्रेस 150 तक भी जा सकती है और कांग्रेस की 150 सीट आ जाती हैं तो देश का पूरा चित्र ही बदल जाएगा। राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने से संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनती है तो प्रधानमंत्री उनका होगा। ये देश की इच्छा है कि जिस तरह से राहुल गांधी ने संघर्ष किया है तो उन्हें देश का नेतृत्व करना चाहिए।

तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक : केटीआर

बीआरएस के खराब प्रदर्शन पर जताई निराशा

हैदराबाद, 4 जून (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने मंगलवार को तेलंगाना में लोकसभा चुनाव के नतीजों को बहुत निराशाजनक करार दिया, जिसमें पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा। राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया आज का चुनावी झटका निश्चित रूप से बहुत निराशाजनक है। के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली बीआरएस ने नवंबर 2023 में तेलंगाना विधानसभा चुनावों में सझत्ता खो दी थी।

पार्टी के लिए, लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन दोहरी मार है क्योंकि यह राज्य की 17 संसदीय सीटों में से किसी पर भी आगे नहीं चल रही है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में, बीआरएस ने 17 में से नौ सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने चार और कांग्रेस ने तीन सीटें जीती थीं और असदुद्दीन ओवैसी अपने हैदराबाद निर्वाचन क्षेत्र से विजयी होने वाले एकमात्र एआईएमआईएम उम्मीदवार थे। राव ने कहा कि हम मेहनत करना जारी रखेंगे और फीनिक्स की तरह राख से फिर से उठेंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि एक क्षेत्रीय पार्टी होने के बावजूद बीआरएस ने लगातार दो बार विधानसभा चुनाव (2014 के विधानसभा चुनावों में 63 सीटें और 2018 में 88 सीटें) अच्छे बहुमत के साथ जीते। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बीआरएस राज्य में मुख्य विपक्षी दल है, जिसके पास एक तिहाई सीटें (2023 के चुनावों में 119 विधानसभा क्षेत्रों में से 39 सीटें) हैं। उन्होंने कहा टीआरएस की स्थापना के बाद से पिछले 24 वर्षों में, हमने यह सब देखा है। शानदार उपलब्धियां सफलताएं और कई असफलताएं भी।सबसे बड़ी महिमा तेलंगाना राज्य का गठन, हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि रहेगी।

उम्मीद *जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस से बंधी उम्मीद*

अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा को दे सकती है चुनौती

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 4 जून (देशबन्धु)। प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणाम की ओर बढ़ते रुझानों ने यह साफ कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है जिसने अब उम्मीद जताई है कि प्रदेश में अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा को चुनौती दे सकती है जो प्रदेश में दो सीटें जीत चुकी थी पर कांग्रेस के लिए मुसीबत इसलिए बढ़ गई है क्योंकि लगातार तीसरे लोकसभा चुनावों में प्रदेश की जनता ने उसे नकार दिया है।

यही नहीं वर्ष 2014 में प्रदेश की तीन लोकसभा सीटों पर कब्जा जमाने वाली पीडीपी का सूपड़ा साफ हो गया था और उसे सबसे बड़ा झटका अपनी अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती के दो लाख वोटों से पीछे होने का था। यह सच है कि जम्मू संभाग में मोदी लहर के बीच कांग्रेस फिर खाता नहीं खोल पाई। संसदीय चुनाव में पार्टी को नेकां व पीडीपी का समर्थन भी काम नहीं आया। वर्ष 2014 और 2019 के संसदीय चुनावों में कांग्रेस कोई सीट नहीं जीत सकी थी। कांग्रेस ने इंडिया ब्लाक के तहत जम्मू और ऊधमपुर सीटों पर नेकां व पीडीपी के साथ गठबंधन किया था, लेकिन गठजोड़ काम नहीं आया। दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार भाजपा उम्मीदवारों से लाखों मतों के अंतर से हार गए। कांग्रेस की उदासीनता, विश्वास की कमी, जमीनी सतह पर कार्यकर्ताओं की कमी, कमजोर नेतृत्व और प्रचार ऐसे कई कारण थे, जो पार्टी को ले डूबे। 2014 में पीडीपी और भाजपा को तीन-तीन सीटें मिली थीं, लेकिन इस बार नेकां व भाजपा को दो-दो सीटें हासिल हुई हैं। हैरानगी की बात बारामुल्ला संसदीय क्षेत्र से जेल में बंद इंजीनियर अब्दुल रशीद शेख द्वारा 2 लाख 60 हजार से अधिक मत हासिल कर पूर्व मुख्यमंत्री और नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को शिकस्त देने की थी।

हालांकि उमर अब्दुल्ला ने अपनी सीट को बचाने की खातिर इस बार नेकां का गढ़ माने जाने वाली श्रीनगर सीट को छोड़ दिया था और उमर अब्दुल्ला का यह दांव उन पर ही भारी पड़ गया। ऐसी ही दुर्दशा पीडीपी अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती की भी हुई है जो अभी तक अनंतनाग के संसदीय क्षेत्र को अपनी बपौती समझती थीं लेकिन इस संसदीय क्षेत्र के पुनिर्धारण ने उनके सभी गणित को उल्ट दिया। नतीजतन वे नेकां के मियां अल्ताफ अहमद से 1.97 लाख मतों से हार स्वीकार करने के सिवाय कुछ नहीं कर सकती थी जो 4.07 लाख वोट हासिल कर अपनी जीत पक्की कर चुके थे। राजनीतिक पंडितों के अनुसार, प्रदेश के दो बड़े राजनीतिक दलों के पूर्व मुख्यमंत्रियों व अध्यक्षों नेकां के उमर अब्दुल्ला तथा पीडीपी के महबूबा मुफ्ती की हार के साथ ही कश्मीर की जनता ने वंशवाद की बेल को भी जड़ से उखाड़ दिया है। यही कारण है कि अब यह कहा रहा है कि इस संसदीय चुनाव का परिणाम प्रदेश में कांग्रेस और पीडीपी का निराशाजनक प्रदर्शन विधानसभा चुनाव में चुनौती बनेगा।

■ कांग्रेस और पीडीपी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव बने चुनौती

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी...
एक नौजवान बोला : चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया ?
लड़की बोली : अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है।

देश की जनता का जनादेश भाजपा के खिलाफ : संजय सिंह

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के जनादेश को भाजपा की नफरत और तानाशाही की राजनीति के खिलाफ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस्तीफे की मांग की है। आप के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश की जनता का जनादेश भाजपा के खिलाफ है। भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा है। लिहाजा नरेंद्र मोदी को नैतिकता के आधार पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। चुनाव परिणाम से संदेश साफ है कि जनता ने महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी होकर भाजपा वापस जाओ का नारा दिया है। लोग समझ गए थे कि संविधान व आरक्षण को खत्म करने और अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए मोदी को 400 सीटें चाहिए। वहीं, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सबसे विपरित परिस्थितियों में चुनाव लड़ा। इसके बाद भी पंजाब में हमारे सांसदों की संख्या बढ़ रही है और दिल्ली में हमने भाजपा को कड़ी टक्कर दी है।

जनता ने बाबा साहब के संविधान और आरक्षण को बचाने के लिए वोट किया

भाजपा को बहुमत नहीं मिल रहा है नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दें नरेंद्र मोदी : संजय सिंह

लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय और राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने संयुक्त प्रेसवार्ता की। संजय सिंह ने देश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र महापर्व में हिस्सा लिया। ये चुनाव कई प्रकार के संदेश दे रहे हैं। इस चुनाव में जनता द्वारा सबसे बड़ा संदेश दिया गया है कि 10 साल के बीजेपी शासन से लोग दुखी और परेशान हैं। जनता इस सरकार को हटाना चाहती है। लोग महंगाई, बेरोजगारी और तानाशाही से दुखी हैं। जिस तरह से इस चुनाव में धन-बल, ईडी सीबीआई, इनकम टैक्स, पुलिस बल का इस्तेमाल किया गया, सारे विपक्ष को पकड़कर जेल मे डाला गया। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल में डाला गया। पूरे चुनाव को प्रभावित करने की एक गहरी साजिश रची गई। इसके बावजूद भारत के लोकतंत्र की ये खूबसूरती है कि देश की महान जनता ने 'बीजेपी वापस जाओ' का नारा है। जनता ने बाबा साहब के संविधान, दलितों, पिछड़ों, शोषितों और आदिवासियों को मिले आरक्षण को बचाने के लिए वोट किया।

चुनाव परिणाम भारत में नफरत व तानाशाही की राजनीति के खिलाफ है : आप

संजय सिंह ने कहा कि इन चुनावी नतीजों में बीजेपी को बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा है। पिछली बार की तुलना में बीजेपी की लगभग 60 सीटें कम हो रही हैं। अब अगर प्रधानमंत्री मोदी में जरा सी भी नैतिकता है तो उनको इस्तीफा दे देना चाहिए।

नीतीश व चंद्रबाबू नायडू देश की जनता की आवाज सुनेंगे : गोपाल राय

गोपाल राय ने सभी पार्टियों से कहा कि जो इस देश के संविधान और लोकतंत्र में भरोसा रखते हैं, मैं उन तमाम पार्टी के लोगों से भी अपील करता हूं कि अपनी अंतरआत्मा की आवाज को सुनिए और जनता के जनादेश को स्वीकार करते हुए इस तानाशाही को हटाकर संविधान को बचाने के लिए एक लोकतांत्रिक सरकार बनाने के लिए आगे बढ़िए। मुझे भरोसा है कि जनता ने जो जनादेश दिया है, उसे देश की सभी पार्टियां सुनेंगी। क्योंकि बीजेपी के पास बहुमत नहीं है। बल्कि बीजेपी के अलावा जो पार्टियां हैं, उनके पास बहुमत है। आज देश में एनडीए गठबंधन की दो मुख्य पार्टियां हैं। इसमें पहली आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी है। चंद्रबाबू नायडू वो नेता हैं जिन्होंने 2019 में पूरे देश में घूमकर मोदी जी के खिलाफ लोगों को इकट्ठा किया। एनडीए में दूसरे नेता नीतीश कुमार हैं, जिन्होंने इस बार देशभर में घूमकर नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभियान चलाया। इन दोनों नेताओं से देश के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि सही समय पर सही फैसला लेंगे और इस तानाशाही को खत्म करने के लिए देश की जनता की आवाज सुनेंगे। और देश में इस तानाशाही को खत्म करके एक लोकतांत्रिक सरकार बनाएंगे। लोगों की बेरोजगारी और महंगाई की समस्या का समाधान करेंगे। पूरे देश को उम्मीद है कि जल्द ही उसकी ये अकांक्षा पूरी होगी।

जनता ने तीसरी बार बड़ी विजय देकर इतिहास रचा : वीरेन्द्र

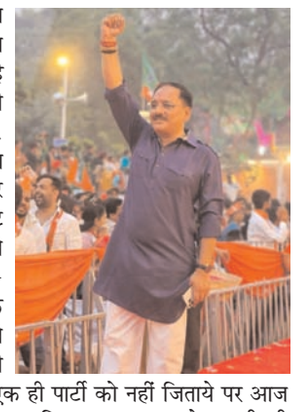

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की तीसरी बार लगातार प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एन.डी.ए. सरकार बनने जा रही है और देश खासकर दिल्ली ने मोदी सरकार की विकास नीतियों पर अपना वोट दिया है। दिल्ली की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा को 7-0 से विजयी बना कर एक अभूतपूर्व इतिहास रहा है। 1952 से आज तक दिल्ली ने कभी भी लगातार तीन लोकसभा चुनाव में एक ही पार्टी को नहीं जिताये पर आज दिल्ली ने भाजपा को मोदी सरकार पर विश्वास प्रकट करते हुए तीसरी बार भाजपा को जिताया है। दिल्ली की जनता ने इस चुनाव में अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार को पूरी तरह नकार दिया है। लाख कोशिशों एवं भ्रम के मायाजाल को फैलाने के बावजूद आम आदमी पार्टी को ना सिर्फ दिल्ली वालों ने बल्कि पंजाब की जनता ने भी केजरीवाल पार्टी को पूरी तरह ठुकरा दिया है।

दिल्ली सरकार के तीनों प्रमुख मंत्री अपनी विधानसभा तक नही बचा पाए : कपूर

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है दिल्ली वालों ने ना सिर्फ भाजपा को जिताया है बल्कि आम आदमी पार्टी के सभी प्रमुख मंत्रियों एवं चेहरों आतिशी, सौरभ भारद्वाज एवं कैलाश गहलोत को उनके विधानसभा क्षेत्रों में हरा कर अरविंद केजरीवाल सरकार का इस्तीफा मांगा है।

सार संक्षेप

भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज को दी जीत की बधाई

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ संजीवनी के अध्यक्ष डॉ. संजीव अरोड़ा गंगापुत्र ने नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज की प्रचंड जीत पर मंगलवार के दिन हनुमान जी की प्रतिमा भेंटकर उन्हें जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जिस तरह से बांसुरी की माताजी सुषमा स्वराज ने भारतीय जनता पार्टी एवं केंद्र सरकार में विभिन्न पदों पर रहते हुए जरूरतमंदों की मदद की, बांसुरी जी भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि बांसुरी स्वराज एक मिलनसार एवं हमेशा सबकी सहायता करने को तत्पर रहती हैं। भाजपा पदाधिकारी के तौर पर उन्होंने अभी तक अपना पूरा समय भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया है। इस अवसर पर इंद्रप्रस्थ संजीवनी के अन्य अधिकारी कमल हांडा, प्रतिमा सिंह, राहुल कंवल, आर के गुप्ता, नरेंद्र वत्स, कल्पना मिश्रा आदि मौजूद थे।

आम जन के लिए पांच दिन बंद रहेगा राष्ट्रपति भवन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन बुधवार पांच जून से नौ जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक नए मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी के मद्देनजर इस अवधि में राष्ट्रपति भवन (सर्किट-1) में आम लोगों की आवाजाही बंद रहेगी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 900वें बैंकिंग आउटलेट का किया उद्घाटन नई दिल्ली। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बैंक के 900वें आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। यह मील का पत्थर व्यापक विस्तार का हिस्सा है, जिसमें आज बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में 7 नए आउटलेट खोले गए हैं। इसके साथ ही, अब बैंक झारखंड में 81 बैंकिंग आउटलेट्स और पूरे देश में कुल 903 आउटलेट्स का संचालन करता है। ये ब्रांच खुंटी, रांची, झारखंड में है। रांची के ग्राहक बैंक के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इनमें बचत खाता, चालू खाता, फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट और विभिन्न ऋण उत्पाद जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, क्रेडिट, बीमा, और निवेश उत्पाद शामिल हैं। बैंक की विस्तृत अवसंरचना, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क समग्र ग्राहक सेवा प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा कि आज हमारे लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि हमने झारखंड के खुंटी, रांची में बैंक के 900वें बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन किया। झारखंड हमारे लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है, और बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में हमारे 7 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन इन क्षेत्रों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश को स्वीकार करती है कांग्रेस : देवेन्द्र यादव

मबजूती और एकजुटता के साथ मेहनत करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का किया धन्यवाद

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में सभी सातों सीटों पर भीष्णा गर्मी के बावजूद कठिन परिश्रम और एकजुटता से काम करने के लिए मैं कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे जो भी रहे परंतु यह बहुत अहम है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूरे चुनाव में इंडिया गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर सभी सीटों पर मजबूती के साथ लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि चुनाव में एक की जीत और दूसरे की हार होती है, कांग्रेस पार्टी दिल्ली में मिले जनादेश को स्वीकार करती है। देवेन्द्र यादव ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में वोट करने पर दिल्ली की जनता का भी आभार व्यक्त किया, जो पार्टी के साथ मजबूती के साथ खड़ी है। यादव ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं का आह्वान किया कि तानाशाही और प्रशासनिक हठधर्मिता के खिलाफ हमें लम्बी लड़ाई लड़नी है और कांग्रेस पार्टी यह संघर्ष तब तक जारी रखेगी, जब तक हम अंतिम व्यक्ति तक को न्याय नही दिला देते। उन्होंने कहा कि हमने लोकतांत्रिक आदर्शों के साथ पारम्परिक और गतिशील विचारधारा के साथ चुनाव लड़ा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले चुनावों के मुकाबले इस चुनाव में जनता ने कांग्रेस उम्मीदवारों को कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मिले मतदान से साफ संदेश मिला है कि कांग्रेस दिल्ली में वापसी करेगी।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकर्ता ने मतदाता तक पहुंचकर कांग्रेस की विचारधारा को उन तक पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि हम संगठन को और अधिक मजबूत करेंगे और आने वाले समय में दिल्ली में मजबूती के साथ वापसी करेंगे।

■ लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के जोरदार प्रदर्शन पर राजधानी दिल्ली में ढोल की थाप पर जीत का जश्न मनाते कांग्रेस समर्थक। फोटो इम्तियाज खान

दिल्ली में भाजपा की हैट्रिक पर मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली की सातों लोकसभा सीट पर भाजपा की हैट्रिक लगाने के बाद दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद टंडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए अग्रिम बधाई भी दी है। इस मौके पर डॉ. वेद टंडन ने कहा कि लगातार तीसरी बार दिल्ली में सातों लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में आने से कार्यकर्ता अत्यधिक उत्साहित हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी इस बार जीत की हैट्रिक लगाकर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं भाजपा के एक सच्चे कार्यकर्ता के लिए इससे बढ़कर और क्या हो सकता है। बता दें कि मंगलवार को दिल्ली बीजेपी के लिए सब कुछ मंगलमय रहा। दिल्ली में

बीजेपी अपना गढ़ बचाने में सफल रही है। एक समय था जब दिल्ली को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। लेकिन पिछले दो लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन कर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को कड़ी शिकस्त दी है। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में बीजेपी ने एक तरफा जीत दर्ज की थी। इस बार दिल्ली में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कर हैट्रिक लगा पाने में सफल साबित हुई।

दिल्ली की सातों लोकसभा सीट पर भाजपा ने लगाई हैट्रिक

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल करके अपना गढ़ बचाने में सफल हो गई। मंगलवार सुबह दिल्ली की सात अलग-अलग मतदान केंद्रों पर वोटों की गिनती शुरू हुई तो दक्षिणी दिल्ली और चांदनी चौक लोकसभा सीट पर शुरुआत में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

दक्षिणी दिल्ली से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी सहीराम, तो वहीं चांदनी चौक से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल ने बीजेपी प्रत्याशी से बढ़त हासिल की। कुछ पल के लिए उन दोनों दलों के प्रत्याशियों में खुशी की लहर दौर उठी, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही बीजेपी प्रत्याशियों के पाले में जब वोट गिरने लगे तब उनकी जीत का सिलसिला शुरू हो गया।

दिल्ली के सभी सातों लोकसभा सीट पर बीजेपी लगातार बढ़त बनाए रखी और चुनाव नतीजे आने तक सब अच्छी खासी मार्जिन से चुनाव जीत पाए। उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट से

गढ़ बचाने में रही सफल

लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे मनोज तिवारी के खिलाफ कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को चुनाव मैदान में उतारा था, लेकिन कन्हैया कुमार का करिश्मा नहीं चल पाया वह भारी मतों के अंतर से चुनाव हार गए।

एग्जिट पोल को भी झुठलाया

दिल्ली में 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने सभी सातों सीट पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, चुनाव नतीजे से पहले आए एग्जिट पोल में बताया जा रहा था कि इस बार बीजेपी को एक से दो सीटों का नुकसान हो सकता है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, वर्ष 2024 के तीसरी बार बीजेपी दिल्ली की सातों सीट जीतने में

आप का जेल का जवाब वोट से अभियान फेल

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के लोकसभा चुनाव में मिलकर बीजेपी को मात देने की रणनीति बनाई थी। चार सीटों पर आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे थे तो वहीं कांग्रेस ने तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। लेकिन दोनों ही राजनीतिक दलों के प्रत्याशी और पार्टी कोई करिश्मा नहीं कर सकी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को खास तौर पर चुनाव प्रचार के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने 21 दिनों में धुरंधर चुनाव प्रचार भी किया था। वह जहां भी चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे, वे दिल्ली की जनता से उन्हें जेल भेजना के कारणों को बताया और कहा कि अगर वह चाहते हैं कि केजरीवाल जेल से बाहर आए तो वह इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट दें।

चुनाव *भाजपा-इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के बीच हुआ जोरदार मुकाबला*

राजधानी में 148 प्रत्याशियों की जमानत हुई जब्त

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपा और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में भाजपा न सिर्फ भारी पड़ी बल्कि राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप किया। भाजपा और प्रतिद्वंदी आईएनडीआईए प्रत्याशियों के अलावा अन्य दलों के एक भी उम्मीदवार और निर्दलीय अपनी जमानत नहीं बचा पाए। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के सातों उम्मीदवारों सहित 148 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो

खास बात यह कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन होने के बावजूद इस बार भी दिल्ली में किसी तीसरे दल का खाता नहीं खुल पाया। दिल्ली में पिछले 35 वर्षों में किसी तीसरे दल को एक भी सीट नहीं मिली। इस दौरान पिछले दस वर्षों में दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए हुए तीन चुनावों का परिणाम एकतरफा ही रहा है। बाकी चुनावों में भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी ही चुनाव जीत पाए थे। दिल्ली में आखिरी बार वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में तीसरे दल के रूप में जनता दल ने एक सीट पर जीत

फिर नहीं खुला किसी तीसरे दल का खाता

दर्ज की थी। तब बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से जनता दल के प्रत्याशी तारीफ सिंह चुनाव जीते थे। इसके बाद अब तक नौ चुनाव हो चुके हैं लेकिन दिल्ली में किसी तीसरे दल को सीट नहीं मिली। इस लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए 162 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। भाजपा और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के अलावा बीएसपी ने भी सातों सीटों पर अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे थे। लेकिन हाथी की चाल बेहद कमजोर रही। इस वजह से बीएसपी के दो उम्मीदवारों को छोड़कर बीएसपी के अन्य उम्मीदवार दस हजार मत भी नहीं पा सके। सिर्फ दो उम्मीदवार ही दस हजार से थोड़ा अधिक मत पा सके।

दिल्ली की आप सरकार से इस्तीफा देखकर नई दिल्ली से बीएसपी प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े पूर्व मंत्री राजकुमार आनंद को भी छह हजार से कम वोट मिले। इस वजह से उनकी भी जमानत जब्त हो गई। भाजपा, कांग्रेस, आप और बीएसपी के अलावा 141 अन्य उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में थे।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

कार्य का नाम तथा स्थान	(1) दिल्ली मंडल पर ट्रेन संचालन के लिए एफओआईएस, सीएमएस, ई-टीएसआर और टीएमएस आदि सर्किट के लिए सुरक्षा व्यवस्था का प्रावधान। (अनुमान क्रमांक 559-सिग-एम ऑफ 23-24)। (2) बड़ौदा हाउस नई दिल्ली में एनेक्सी-1, एनेक्सी-2 और जीएम बिल्डिंग के नवीनीकरण के तहत दूरसंचार सुविधाओं का प्रावधान। (अनुमान संख्या 83/23-24/डब्ल्यूई एवं 85/22-23/डब्ल्यूई)।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	₹1,05,91,778.81/- मात्र
धरोहर राशि (₹)	₹2,03,000/- मात्र
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता-C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र जमा अपलोड करने का समय दिनांक 27.06.2024 15:00 बजे तक
वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखे नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055

निविदा संख्या : 558-सिगनल-16-टेली-ओपनटेंडर-1001 दिनाँक : 03.06.2024 1653/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम जगनपुर अफजलपुर में उपजिलाधिकारी सदर पत्रांक-264/एस0टी0-एस0डी0एम0-2024, दिनांक 28.03.2024 में जारी स्व0 श्री राम सिंह पुत्र स्व0 श्री बलवन्ता नि0 अटटा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 03.03.2015, को हो चुकी है मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम व पता	मृतक के पारिवारिक सदस्यो के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
जगनपुर अफजलपुर	672, 673 व 692	स्व0 श्री राम सिंह पुत्र स्व0 श्री बलवन्ता नि0 अटटा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती अनारो	पत्नी	93 वर्ष	विधवा
			श्री चन्द्र	पुत्र	64 वर्ष	
			श्री सुरेश	पुत्र	57 वर्ष	
			श्री करन सिंह	पुत्र	52 वर्ष	
			श्री रतन सिंह	पुत्र	40 वर्ष	
			श्री विजय सिंह	पुत्र	45 वर्ष	
			श्री मेघराज	पुत्र	43 वर्ष	
			श्रीमती चन्द्रवती	पुत्री	56 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सुनीता	पुत्री	43 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती सुमित्रा	पुत्री	48 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।
तहसीलदार, यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

यह समझौता ज्ञापन हमारे छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक ज्ञान और व्यवहारिक कौशल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डुकैट इंडिया के साथ साझेदारी हमारे छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी।

डॉ. सुधीर कुमार, समूह निदेशक, हरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी

अपार्टमेंट में घुसकर गाली गलौज व तोड़फोड़ करने पर चार पर मुकदमा दर्ज

नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। अपार्टमेंट में घुसकर युवक को गाली देने और उसकी बाइक को क्षतिग्रस्त करने के मामले में तीन नामजद समेत कुल चार आरोपियों पर सेक्टर-126 थाने में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज हुआ है। पीड़ित युवक ने खुद को फ्लैट के अंदर बंद करके इस दौरान सुरक्षित किया। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सोनभद्र निवासी इशान पटेल ने शिकायत में बताया कि वर्तमान में वह सेक्टर-126 स्थित आईटीएस इंकलेव अपार्टमेंट में रहते हैं। बीते एक जून को इशान जब अपने फ्लैट पर थे तभी रात दस बजे के करीब चार युवक अपार्टमेंट की पार्किंग में पहुंच गए और वहां पर तैनात सिक्योरिटी गार्ड से केटीएम बाइक वाले के बारे में पूछने लगे। युवकों की बातचीत से गार्ड को अहसास हो गया कि वह झगड़ा करने आए हैं। उसने तुरंत इशान को कॉल कर दी। डर के कारण इशान ने फ्लैट अंदर से बंद कर लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी। जब अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया गया तो सामने आया कि शिकायतकर्ता के पूर्व के परिचित राहुल चौधरी, गौतम यादव और सुजल चौधरी एक अन्य व्यक्ति के साथ मारपीट करने आए थे। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि एक साल पहले खेलने के दौरान उसका इन युवकों से विवाद हो गया था तभी उनकी ओर से बाद में देख लेने की धमकी दी गई थी। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

सार संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला घायल

नोएडा। हरिदर्शन चौकी के पास तेज रफ्तार कार के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क पार कर रही महिला को टक्कर मारकर घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल के गेट पर छोड़कर आरोपी चालक फरार हो गया। सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में ओल्ड कोंडली निवासी गीता ने बताया कि बीते दिनों सुबह साढ़े नौ बजे जब वह कंपनी में नौकरी करने के लिए जा रही थीं तभी सड़क पार करते समय हरिदर्शन चौकी के पास पीछे से आए अज्ञात कार के चालक ने उसे टक्कर मार दी। चिकित्सकों के मुताबिक हादसे में गीता के पैर की हड्डी टूट गई है। पुलिस अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

पीजी के कमरे से लैपटॉप और मोबाइल फोन चोरी

नोएडा। सेक्टर-44 स्थित छलेरा गांव के विपेंद्र सिंह कुशवाह ने सेक्टर-39 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शिव मंदिर के निकट मन्नत पीजी में रहते हैं। एक मई की सुबह करीब साढ़े पांच बजे पीजी के रूम से अज्ञात लोगों ने कंपनी लैपटाप और मोबाइल चुरा लिया। जिस समय चोरी हुई पीजी के लोग सो रहे थे। पुलिस पीजी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। वहीं उत्तराखंड निवासी अजय कुमार ने सेक्टर-63 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ए ब्लॉक स्थित उनके किराये के कमरे से चोर उसका और उसके दोस्त रोहित का लैपटॉप चोरी कर फरार हो गए। वहीं सेक्टर-22 निवासी तपेश त्यागी के घर से चोर लैपटॉप चोरी कर ले गए। जिस समय घटना हुई घर का दरवाजा खुला हुआ था और घर के सभी लोग छत पर थे।

अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी

नोएडा। अलग-अलग स्थानों से चोर बाइक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ितों ने इसकी शिकायत संबंधित थाने की पुलिस से की है। सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में बिहार निवासी नीतीश कुमार ने बताया कि उसकी बाइक को उनका सुपरवाइजर जयपाल सिंह मांग कर ले गया था। रात साढ़े नौ बजे वह एक मीट की दुकान के पास मोटरसाइकिल खड़ा कर पत्नी को बस पर बिठाने चला गया। जब जयपाल लौट कर आया तो बाइक गायब थी। वहीं प्रहलाद कॉलोनी निवासी शिवराज दान ने सेक्टर-49 पुलिस को बताया कि जब वह सब्जी खरीदने गए थे तभी कोई उनकी बाइक को चोरी कर ले गया।

खेत पर काम कर रहे दो लोगों को डंडों से पीटकर किया घायल

दनकौर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जुनेदपुर गांव निवासी दो लोगों को खेत पर काम करते वक्त चार लोगों ने लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया। गंभीर अवस्था में दोनों का सरकारी अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में आरोपियों को नामजद करते हुए पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में मंगलवार को शिकायत की है। जगवीर और लक्की का कहना है कि दोनों सोमवार को रात के वक्त अपने खेत में पानी कर रहे थे। उसी दौरान पड़ोस के झालड़ा गांव निवासी चार लोगों ने वहां पहुंचकर उनके साथ गाली-गलौच देनी शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने दोनों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया।

गौतमबुद्ध नगर से भाजपा की हैट्रिक

- **प्रदेश में सबसे ज्यादा 5.59 लाख वोटों के अंतर से जीते प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा**
- **डॉक्टर महेश शर्मा को मिले 8.57 लाख वोट मिले**

नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा ने गौतमबुद्ध नगर से हैट्रिक जड़ी है। लगातार तीसरी बार डॉक्टर शर्मा ने 5 लाख 59 हजार 472 वोटो अंतर से जीत दर्ज की। प्रदेश में ये अब तक सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है। डॉक्टर महेश शर्मा को इस बार 8 लाख 57 हजार 829 वोट मिले। वहीं सपा कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर को 2 लाख 98 हजार 357 वोट मिले। तीसरे स्थान पर बसपा प्रत्याशी राजेंद्र सिंह सोलंकी को 2 लाख 51 हजार 615 वोट मिले।

लगातार तीन बार जीत कर हैट्रिक जमाने वाले डॉक्टर महेश को 2009 लोकसभा चुनाव में पहले बार करीब 15 हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था। उस समय बसपा प्रत्याशी सुरेंद्र नागर ने उन्हें हराया था। इसके बाद 2014 में भाजपा ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को 2,80,212 मतों के भारी अंतर से हराया था। 2019 में जीत का अंतर और बढ़ा। इस चुनाव में महेश शर्मा ने बसपा उम्मीदवार को 3,36,922 मतों से मात दी। इस चुनाव में बसपा और सपा में गठबंधन था।

इस बार सपा-कांग्रेस गठबधंन में नोएडा में सपा से अपना प्रत्याशी उतारा था। लेकिन डॉक्टर महेश शर्मा के आगे मतदाताओं ने सभी 14 प्रत्याशियों को सिरे से नकार दिया। गौतमबुद्ध नगर में कुल 24 राउंड की काउंटिंग की गई। पहले ही राउंड से भाजपा ने बढ़त बनाई ये बढ़त अंतिम राउंड तक रही। डॉक्टर महेश शर्मा को कुल 8 लाख 55 हजार 413 वोट मिले। ये वोट तब मिले जब नोएडा में 2019 की अपेक्षा वोटिंग प्रतिशत काफी कम रहा। 2019 में कुल 60.49 प्रतिशत मत पड़ा था। जबकि 2024 में 52.46 प्रतिशत वोटिंग हुई।

2014 के लोकसभा चुनाव में कुल 19,86109 मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। 2014 में यहां 60 फीसद मतदान ही हुआ था। इसमें भारतीय जनता पार्टी के डॉ. महेश शर्मा ने 599,702 (50 फीसदी) मत प्राप्त कर विजय पताका लहराई थी। वहीं समाजवादी पार्टी के नरेंद्र भाटी को कुल 319,490 मत प्राप्त हुए थे। बहुजन समाज पार्टी के सतीश कुमार 198,237 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे थे। 2019 में भाजपा के डॉक्टर महेश शर्मा को 830,812 वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर बसपा के सतवीर नागर को 493890 और कांग्रेस से अरविंद कुमार सिंह को 42077 वोट मिले थे। 2019 में 60.19 फीसद वोट पड़ा था।

12 प्रत्याशियों की जमानत जप्त

गौतमबुद्ध नगर में इस बार 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। यहां 26 लाख से ज्यादा मतदाता थे। जिसमें से 52.46 प्रतिशत मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया। प्रमुख पार्टी के अलावा 12 प्रत्याशी अपनी जमानत तक नहीं बचा सके। इसमें से पांच प्रत्याशी ऐसे रहे जिन्होंने हजार का आंकड़ा तक पार नहीं किया। वहीं सात प्रत्याशी 5 हजार के आंकड़े तक को नहीं छू सके।

नोटा का आंकड़ा नहीं छू सके प्रत्याशी

गौतमबुद्ध नगर में इस बार 10 हजार से ज्यादा लोगों ने नोटा को चुना। यानी यहां प्रत्याशियों का विरोध भी काफी रहा। फिलहाल गौतमबुद्ध नगर में 12 प्रत्याशी नोटा के आंकड़े तक को नहीं छू सके।

बुलंदशहर लोस सीट पर तीसरी बार जीते भाजपा के डॉ. भोला सिंह

बुलन्दशहर, 4 जून (देशबन्धु)। बुलंदशहर लोकसभा सीट पर 2 लाख 75 हजार 134 मतों से भाजपा के डॉ. भोला सिंह ने गठबंधन के कॉंग्रेस प्रत्याशी शिवराम को हराया। बुलंदशहर लोक सभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी डॉक्टर भोला सिंह को मिले 5 लाख 97 हज़ार 310 मत मिले। इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी शिवराम वाल्मीकि को मिले 361337 मत मिले। तो वही 275134 मतों से बीजेपी ने गठबंधन के प्रत्याशी को दी मात। डॉक्टर भोला सिंह भाजपा से तीसरी बार बने भाजपा के बुलंदशहर सांसद। डॉ. भोला सिंह पहली बार वर्ष 2014 में भाजपा से बुलंदशहर लोकसभा चुनाव जीते। दूसरी बार वर्ष 2019 में भाजपा से जीते डॉ. भोला सिंह और अब 2024 में तीसरी बार फिर से भाजपा ने भरोसा जताया डॉ. भोला सिंह पर और 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने भरोसा किया और डॉ. भोला सिंह ने इंडिया गठबंधन कांग्रेस के प्रत्याशी शिवराम वाल्मीकि को हरा कर 2 लाख 75 हजार 134 वोटो से जीत दर्ज कराई। डॉ. भोला सिंह ने पार्टी और पार्टी कार्यकर्ता व क्षेत्र की जनता का आभार जताया और कार्यकर्ताओं का आभार जताते हो कहा कि कार्यकर्ताओं की रात दिन की मेहनत है जो आज इतने भारी वोटो से वह जीते है। जीतने

के बाद भाजपाइयों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई। उत्तर प्रदेश की बुलंदशहर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी भोला सिंह ने जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के शिवराम वाल्मीकि को 2 लाख 75 हजार 134 वोटों से हराया। मंगलवार को सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच काउंटिंग शुरू हुई थी। 32 राउंड की काउंटिंग के बाद उन्हें विजयी घोषित किया गया। भोला सिंह को 5 लाख 97 हजार 310 वोट मिले, जबकि शिवराम वाल्मीकि को 361337 वोट मिले। बुलंदशहर लोकसभा सीट का चुनावी इतिहास काफी पुराना है। इस सीट पर कभी कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था। एक समय बुलंदशहर लोकसभा सीट को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, पर पिछले कुछ चुनावों से देखा जाए तो यहां भाजपा काफी मजबूत हो गई है। वहीं, 32 राउंड की काउंटिंग के बाद भोला सिंह ने बड़ी जीत दर्ज की।

गाजियाबाद लोस सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार

- **भाजपा के अतुल गर्ग 336337 मतों से जीते**
- **कांग्रेस प्रत्याशी दूसरे व बसपा तीसरे नम्बर पर रही**

गाजियाबाद, 4 जून (देशबन्धु)। देश की अतिमहत्वपूर्ण सीटों में से एक गजियाबाद लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अतुल गर्ग ने इस सीट पर जीत हासिल की और कांग्रेस सपा गठबंधन की प्रत्याशी डोली शर्मा को 3 लाख 36 हजार 337 मतों से पराजित किया। उन्हें कुल 8 लाख 53 हजार 36 मत प्राप्त हुए। कॉंग्रेस प्रत्याशी डोली शर्मा को 5 लाख,16हजार 699 मत मिले और वह दूसरे नम्बर पर रही। जबकि 79 हजार 387 मत प्राप्त कर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी नंदकिशोर पुंडीर तीसरे नंबर पर रहे। जिलाधिकारी इंदर विक्रम सिंह ने उन्हें जीत का सर्टिफिकेट सौंपा।

गाजियाबाद लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की यह लगातार चौथी जीत है 2019 और 14 के चुनाव में

यहां से जनरल बीके सिंह ने जीत हासिल की थी और दोनों ही बार वह राज्य मंत्री बनाए गए थे लेकिन इस लोकसभा चुनाव में पार्टी हाई कमान में उनका टिकट काटकर उत्तर प्रदेश में राज्य मंत्री रहे वनगर विधायक अतुल गर्ग को भाजपा का प्रत्याशी बनाया और और उन्होंने आज सफलता हासिल की। इससे पहले 2009 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने इस सीट पर विजय श्री हासिल की थी जब के 2005 के चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी सुरेंद्र प्रकाश गोयल ने भाजपा प्रत्याशी रमेश चंद तमोर को पराजित किया था रमेश चंद्र तोमर इससे पहले लगातार चार बार सांसद चुने गए थे।

इससे पहले गोविंदपुरम स्थित कृषि उत्पादन मंडी परिसर में मतगणना मंगलवार को सुबह आठ बजे कड़े सुरक्षाबन्दोबस्त के बीच शुरू हुई। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम लोक सभा 12-गाजियाबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह विधानसभा वार पांचों विधानसभाओं के माननीय प्रेक्षकों एवं भाजपा, गठबंधन प्रत्याशी एजेंटों सहित अन्य प्रत्याशियों और उनके एंजेटों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोले गए और निर्धारित समय पर सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग, कांग्रेस सपा गठबंधन प्रत्याशी डोली शर्मा, बसपा प्रत्याशी नंद किशोर पुंडीर समेत सभी प्रत्याशी अपने एजेंटों के साथ समय पर मतगणना स्थल पर पहुंच गए थे।

दिल्ली से सटी गाजियाबाद लोक सभा क्षेत्र सेट देश की हॉट सीटों में से एक है। जिसमें कुल 14 प्रत्याशी मैदान में थे। प्रमुख प्रत्याशियों में भारतीय जनता पार्टी के अतुल गर्ग, कांग्रेस व सपा गठबंधन की डोली शर्मा व बहुजन समाज पार्टी के नंद किशोर पुंडीर प्रमुख प्रत्याशी थे। जिनके भाग्य का फैसला आज होना है। 26 अप्रैल को हुए मतदान में गाजियाबाद में करीब 14 लाख 68हजार 710 मत पड़े थे।

कौन हैं अतुल गर्ग

अतुल गर्ग संघ परिवार की पसंद कहे जाते हैं। वह 2017 और 2022 में गाजियाबाद सीट से विधान सभा चुनाव जीत चुके हैं। 2017 में उन्हें स्वास्थ्य राज्यमंत्री बनाया गया था। 2022 में वह दूसरी बार विधायक बने लेकिन उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। कविनगर निवासी 62 वर्षीय अतुल गर्ग के कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थान हैं। उनके पिता स्वर्गीय दिनेश चंद्र गर्ग गाजियाबाद के पहले महापौर बने थे।

रालोद ने जीत पर मनाई खुशी

गाजियाबाद। बागपत लोकसभा की जनता द्वारा डॉ. राजकुमार सागवान को और बिजनौर लोकसभा से चंदन चौहान को प्रचंड जीत मिलने पर गाजियाबाद के राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा किया और ढोल बजाकर खुशी का इजहार किया एवं इस खुशी में गाजियाबाद लोकसभा के गठबंधन में भाजपा के प्रत्याशी अतुल गर्ग की लाखों की जीत भी शामिल है।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ इंद्रजीत सिंह टीटू के कार्यालय कवि नगर पर हुआ। इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी तेजपाल सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ इंद्रजीत सिंह टीटू, प्रदेश महासचिव रविंदर चौहान, क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भूल्लन, प्रदेश संयोजक व्यापार मंडल संजीव अरोड़ा, पूर्व पार्षद प्रत्याशी भाजपा वीरेंद्र, वाल्मीकि सुभाष प्रधान जी, बालेश्वर जी, रणवीर सिंह, रामस्वरूप यादव आदि उपस्थित रहे।

शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर 33.92 लाख ऐंठे

- **खातों की जांच में जुटी साइबर क्राइम थाने की टीम**
- **टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ने के बाद ऐप डाउनलोड कराकर की ठगी**

नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के साथ 33.92 लाख रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने में की है। केस दर्ज कर पुलिस उन खातों की जांच कर रही है जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है। सेक्टर-45 स्थित आम्रपाली सफायर सोसाइटी निवासी राकेश कुमार सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पास 6 मई को वाट्सएप पर एक मैसेज आया। इसमें बताया गया कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग कर प्रतिमाह लाखों रुपए का मुनाफा कमा सकता है। संबंधित नंबर पर जब राकेश कुमार ने बात की तो जालसाजों द्वारा उन्हें एक लिंक मुहैया कराया गया। लिंक पर क्लिक करते ही एफएसएफएल ऐप मिला। इसके बाद शिकायतकर्ता को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया और कुछ टास्क दिए गए, जिसको उन्होंने पूरा कर दिया। प्रारंभिक चरण में जालसाजों ने कुछ मुनाफा दिया। ठगों की ओर से मुनाफे सहित रकम शिकायतकर्ता के खाते में ट्रांसफर भी की गई। फिर जालसाजों ने शिकायतकर्ता से कहा कि अगर उसे कम समय में ज्यादा पैसा कमाना है तो ऑनलाइन ट्रेडिंग करना होगा। पीड़ित ने बताया कि जालसाजों के झांसे में आकर उन्होंने कई नामी कंपनियों के शेयर में निवेश किया। शेयर बाजार को लेकर उनको जालसाज ऑनलाइन लैक्चर भी देते थे। वे कंपनी के बारे में और शेयर बाजार से जुड़ी सारी जानकारी देते थे। उन्होंने जिन कंपनियों में निवेश किया था, जालसाजों ने उनके दस्तावेज भी उपलब्ध कराए। पीड़ित ने बताया कि संबंधित कंपनियों को लेकर मीडिया में भी काफी अच्छी रिपोर्ट थी। इसकी वजह से वह लगातार जालसाजों के बताए अनुसार रुपए का निवेश करते गए।

गंवा दी जिंदगी भर की कमाई

शिकायतकर्ता ने कुल 9 बार में अपने पीएनबी के खाते से और दोस्त के एचडीएफसी बैंक खाते से 33,92,161 रुपए ट्रांसफर कर दिए। जालसाजों द्वारा दिए गए ऐप में लगातार उनके निवेश किए गए रुपए बढ़ते दिख रहे थे। वह जब अपने मुनाफे की रकम को वापस लेने लगे तो जालसाजों ने उनके ट्रेडिंग अकाउंट को बंद कर दिया। उन्होंने वापस से अकाउंट को खोलने के लिए कहा तो जालसाजों ने उनसे और रुपए निवेश करने के लिए कहा। राकेश ने ठगी की जो रकम गंवाई है वह उनके जिंदगी भर की कमाई थी। साइबर क्राइम थाने के प्रभारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

शैक्षणिक सहयोग के लिए एचआईएमटी ने किया समझौता

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। शैक्षणिक सहयोग और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (एचआईएमटी), ग्रेटर नोएडा ने डुकाट इंडिया, नोएडा के साथ एक समझौता किया। एमओयू पर एचआईएमटी के निदेशक डॉ. पंकज कुमार और डुकैट इंडिया के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर रोहित पाहवा ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान समूह निदेशक डॉ. सुधीर कुमार ने शिक्षा और उद्योग के बीच अंतर को पाटने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह समझौता ज्ञापन हमारे छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक ज्ञान और व्यवहारिक कौशल प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डुकैट इंडिया के साथ साझेदारी हमारे छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी। कार्यकारी निदेशक डॉ. विक्रांत चौधरी ने कहा कि इस तरह की साझेदारी एचआईएमटी को अपने छात्रों को वास्तविक समय में उद्योग की नौकरियों से परिचित कराने की अनुमति देगी। पाहवा ने इस भावना को दोहराते हुए कहा कि हम एचआईएमटी के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह साझेदारी न केवल छात्रों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों तक पहुंच प्रदान करेगी बल्कि नवीन अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को भी बढ़ावा देगी।

नेशनल बिजनेश अवॉर्ड से सौरभ सिंघल सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। नेशनल बिजनेश अवार्ड 2024 समारोह पीपीआर मार्केटिंग ग्रुप बैनर तले नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें सौरभ सिंघल, चांसलर सिक्किम ग्लोबल टेक्निकल यूनिवर्सिटी और चेयरमैन इंदिरा गांधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन को नैशनल बिजनेश आवार्ड बेस्ट एजुकेशनिस्ट 2024 से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि टीवी कलाकार हितेन तेजवानी की उपस्थिति में यह समारोह हुआ। हितेन तेजवानी ने सौरभ सिंघल को अवार्ड से सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और उत्कृष्टता के लिए सौरभ सिंघल को सर्वश्रेष्ठ शिक्षा विशेषज्ञ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान ने न केवल उनके प्रयासों को मान्यता दी है, बल्कि उनके संस्थान और उनके शिक्षण के तरीके को भी एक नई पहचान दी है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टर बैलट की मतगणना की गई, उसके बाद ईवीएम की मतगणना की गई। उन्होंने बताया कि नोएडा में 36 राउंड में मतगणना हुई, दादरी में 34 जेवर में 29 राउंड की मतगणना हुई, पूरे लोकसभा में 747 बूथों पर हुए मतदान की कारण मतगणना हुई। नोएडा व दादरी के 21-21 टेबल लगाए गए थे, जेवर विधान सभा के लिए 14 टेबल और खुर्जा व सिकन्द्राबाद में 14-14 टेबल पर मतगणना हुई।

मनीष कुमार, जिलाधिकारी

प्रत्याशियों के चयन में हुई गलती उप्र में भाजपा पर पड़ा भारी

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में 80 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सूपड़ा साफहो गया। पिछले लोकसभा चुनाव में हुई जीत को भी भाजपा बरकरार नहीं रख पाई। मेरठ, मथुरा, बुलंदशहर गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर भाजपा जीत दर्ज कर पाई। जबकि बागपत और बिजनौर सीट पर एनडीए गठबंधन से रालोद प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। जो भाजपा यूपी में लगातार 90 फीसदी सीटें जीतती नजर आ रही थी, आखरि ऐसा क्या हुआ कि इतना बुरा हाल हो गया। एनडीए गठबंधन को सबसे ज्यादा नुकसान यूपी में हुआ, जहां वह सीटें बढ़ाना तो दूर की बात, अपनी सीटें भी नहीं बचा पाई। सपा-कांग्रेस के गठबंधन ने उन्हें कड़ा मुकाबला दिया और एक तरह से हार

■ **पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले लोकसभा चुनाव में हुई जीत को बरकरार नहीं रख पाई भाजपा**

■ **गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर सीट ने भाजपा की बचाई लाज**

की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया। आइए जानते हैं की वो 5 वजह जिससे यूपी में भाजपा का खेल बिगड़ गया।

प्रत्याशियों की चयन ने भाजपा का खेल बिगाड़ा

चुनाव की शुरुआत के साथ लग रहा था की भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन में काफी गलतियां की। स्थानीय लोगों के गुस्से को दरकिनार करते हुए ऐसे लोगों को टिकट दिए गए, जो मतदाताओं को शायद पसंद नहीं आए। इसलिए बहुत सारे मतदाता जो भाजपा को वोट देते आ रहे थे, उन्होंने घर से निकलना ठीक नहीं समझा। गलत प्रत्याशियों का चयन कार्यकर्ताओं को भी पसंद नहीं आया और उन्होंने मनमुताबिक काम नहीं किया। नतीजा भाजपा को मिलने वाले मत प्रतिशत में भारी गिरावट दर्ज की गई। 2019 में जहां भाजपा को तकरीबन 50 फीसदी मत मिले थे। वहीं इस बार 42 फीसदी वोट मिला। यानी कि मत प्रतिशत में लगभग 8 फीसदी की गिरावट आई है।

सपा ने सामाजिक समीकरण देख उतारे प्रत्याशी

सपा पर हमेशा से यह आरोप लगते रहे हैं कि वे सिर्फ एक समुदाय या जाति के लोगों को ही टिकट देने में वरीयता देते हैं। लेकिन इस बार अखिलेश यादव ने काफी सतर्क रहते हुए जातिगत समीकरणों को देखते हुए प्रत्याशी उतारे, यही वजह है कि उनके प्रत्याशी जमीन पर भाजपा को टक्कर देते नजर आए। मेरठ, कैराना, अलीगढ़ जैसी सीटें इसका उदाहरण हैं। जहां अखिलेश ने सूझबूझ से एनडीए के प्रत्याशियों को फंसा दिया।

मायावती के प्रत्याशियों ने बिगाड़ा खेल

मायावती ने ऐसे प्रत्याशी उतारे, जिन्होंने सपा-कांग्रेस गठबंधन के लिए फायदे का काम किया। भाजपा को इससे काफी नुकसान हुआ। इससे दलित वोटों में भी भारी बंटवारा हुआ। खासकर पश्चिमी यूपी में बसपा के प्रत्याशियों ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया। मेरठ, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मुरादाबाद, सहारनपुर, नगीना, चंदौली, खीरी और घोसी लोकसभा सीटों पर इसी वजह से मुकाबला रोचक हो गया था। मेरठ में भाजपा बहुत में कम वोटों से जीत हासिल कर पाई।

बीएसपी के वोटबैंक में मामूली गिरावट हुई है लेकिन वह भाजपा को नहीं गया। दलित मतदाता पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के गठबंधन के पक्ष में लामबंद हो गए। भाजपा का ठीक-ठाक वोटबैंक सपा कांग्रेस को मिल गया। वहीं यादव और मुसलमान वोटर्स भी एकमुश्त गठबंधन के पक्ष में ही रहा। ऐसी स्थिति में उसे 30 सीट का नुकसान हो गया है।

जनता में पीएम मोदी के लिए प्रति गुस्सा नहीं है, बल्कि उदासीनता है। उन्हें राशन का श्रेय मिलता है लेकिन इस बार उनके नाम पर वोट पड़ता नजर नहीं आया है। यहां मोदी की तुलना में योगी ज्यादा लोकप्रिय नजर आए हैं। उन्हें गुंडागर्दी खत्म करने का श्रेय मिलता है।

एक वजह यह भी है कि बहुत वोटर परिवर्तन चाहते हैं। कई लोगों का ऐसा मानना है कि चूंकि अगर तीसरी पंचवर्षीय में भी आ गए तब तो तानाशाही शुरू हो जाएगी। भाजपा नेतृत्व ने 2024 के रण को कुछ ज्यादा ही हल्के में ले लिया।

संविधान बदलने की चर्चा पड़ी भारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही 400 पार का नारा दिया, भाजपा के कुछ नेता दावा करने लगे कि 400 पार इसलिए चाहिए क्योंकि संविधान बदलना है। कांग्रेस और सपा ने इसे आरक्षण से जोड़ दिया। दावा किया कि भाजपा इतनी ज्यादा सीटें इसलिए चाहती है ताकि वह संविधान बदल सके और आरक्षण खत्म कर सके, दलितों और ओबीसी के बीच यह बातें काफी तेजी से फैली और नतीजा वोटों के रूप में सामने आया। कई जगह दलित सपा-कांग्रेस गठबंधन की ओर चले गए।

नौकरी और पेपर लीक

भाजपा सरकार पर लगातार ये आरोप लग रहे हैं कि वे नौकरी नहीं दे पा रहे हैं। पेपर लीक हो जाता है. इसके लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। बहुत सारे युवा वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी उम्र निकल रही है। वे परीक्षा नहीं दे पा रहे हैं। युवाओं में यह एक बड़ा मुद्दा था। इसी वजह से जमीन पर भारी संख्य्या में युवा भाजपा से काफी नाराज दिखे। मतों में भी बात झलक कर आ रही है।

लोकसभा चुनाव में प्रत्याशियों के भाग्य का खुला पिटारा

■ **मतगणना के पहले सभी प्रत्याशी परिणाम को लेकर लगाए हुए थे टकटकी**

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा-13 सीट पर 15 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे, जिसके लिए 26 अप्रैल को दूसरे चरण में मतदान हुआ था, मंगलवार को मतगणना के साथ प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला हो गया। जनता ने अपना विश्वास जता दिया है कि इस लोकसभा सीट पर उनके लिए कौन काम करेगा। मंगवार को सुबह 8 बजे फूलमंडी नोएडा में मतगणना शुरु हुआ, शाम 5 बजे तक सभी परिणाम आ गए। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा अपने निकटतम प्रतिद्वंदी डॉ. महेन्द्र नागर को हराकर तीसरी बार जीत दर्ज की है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने विजयी प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा को प्रमाण-पत्र देकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से दादरी विधायक तेजपाल नागर, एमएलसी श्रीचन्द शर्मा, सिकन्द्राबाद विधायक, जिलाध्यक्ष सहित सभी एजेन्ट मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव के प्रत्याशियों में मिले मत

- डॉक्टर महेश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी, रालोद गठबंधन-857829
- डॉक्टर महेंद्र नागर, समाजवादी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन-298357
- राजेंद्र सिंह सोलंकी, बहुजन समाज पार्टी-251615

राष्ट्रीय पार्टियों से अलग रजिस्टर्ड राजनैतिक दल

- किशोर सिंह, नेशनल पार्टी-1767
- नरेश नौटियाल, भारतीय राष्ट्रीय जन सत्ता-941
- नारावेदश्वर, सुभाषवादी भारतीय समाजवादी पार्टी (सुभाष पार्टी)-617
- भीम प्रकाश जिज्ञासू, वीरो के वीर इंडियन पार्टी-3875
- मनीष कुमार द्विवेदी, अखिल भारतीय परिवार पार्टी-1772
- रण सिंह डुडी, सुपर पावर इंडिया पार्टी-908
- राजीव मिश्रा, जय हिंद नेशनल पार्टी-657
- कुमारी शालू, लोकतांत्रित जन शक्ति पार्टी-1050

निर्दलीय उम्मीदवार

- **पराग कौशिक-946**
- **महकार सिंह-1124**
- **मौ. मुमताज आलम-2821**
- **शिवम आशुतोष-2641**
- **नोटा-10324**

लोकसभा क्षेत्र में जो काम रह गया है उसको पूरा करूंगा : डॉ. महेश शर्मा

ग्रेटर नोएडा। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा ने रिकार्ड मतों से जीत दर्ज किया है। मतगणना समाप्त होने के बाद जिलाधिकारी से प्रमाण-पत्र लेने पहुंचे तो उन्होंने जिले के मतदाता व कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि सभी ने मुझे जो प्यार दिया है उसके लिए आभारी हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के चेहरे पर हमने चुनाव लड़ा, उन्होंने विकास के माध्यम से जो विकसित राष्ट्र के मुद्दे को यहां की जनता ने स्वीकार किया है। यहां की जनता ने जो विश्वास किया है, सभी को धन्यवाद देता हूं। मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं, चाहे विल्डर बायर, किसानों की समस्या है, और जितनी समस्याएं हैं जिसको नहीं कर पाया था उसके इस कार्यकाल में पूरा करुंगा। उन्होंने कहा एनडीए के साथ चुनाव लड़ा है, केन्द्र में एनडीए की ही सरकार बनेगी। डॉ. महेश शर्मा तीसरी बार रिकार्ड 5,59,472 मत से जीत दर्ज कर तीसरी बार गौतम बुद्ध नगर जिले से सांसद बने हैं।

गौतमबुद्धनगर से चुनावी हार को लेकर समीक्षा करेगी कांग्रेस

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। लोकतंत्र के महा उत्सव में एक बार फिर यह साबित हो गया है कि जनता और जनहित सर्वोपरि है। खासकर उत्तर प्रदेश के संदर्भ में यह सिद्ध हो गया कि धन-बल, छल-बल से जनता

को गुमराह नहीं किया जा सकता। कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि इंडिया गठबन्धन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक होकर उत्तर प्रदेश से बीजेपी को हरा दिया है।

गौतमबुद्ध नगर में जरूर निराशा हाथ लगी है मगर इसको लेकर समीक्षा करके भविष्य के चुनावी महासमर के लिए जनपद के कांग्रेसी कार्यकर्ता तैयारी करेंगे।

कड़ी सुरक्षा के बीच लोकसभा चुनाव की हुई मतगणना

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर लोकसभा चुनाव की मतगणना फूलमंडी, नोएडा में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी व पुलिस प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए गए थे ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मतगणना को लेकर दो दिन पहले ट्रैफिक एडवाइजरी जारी किया गया था ताकि किसी को परेशानी न हो। मंगलवार को मतणना का लेकर फूलमंडी के आस-पास बैरिकेटिंग कर दिया गया था, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हुई और दूसरे रास्ते से अपने गंतब्य तक पहुंचे। सुरक्षा को देखते हुए हर प्वाइंट पर लोगों की जांच की जा रही थी, फूलमंडी की तरफ जाने वाले सभी रास्ते बंद कर दिए गए थे। शिव हरी मीणा नोएडा के अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था ने बताया कि लगभग 2700 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी तैनात किए गए थे, तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिसमें पीएसी, पुलिस तैनात थे। जिले के वाहनों पर नजर रखी जा रही थी, जिले के सभी बार्डर सील कर दिए गए थे। सुरक्षा व्यवस्था चाकचौबंद रही।

पोस्टल बैलट से शुरु हुई मतगणना

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि सुबह 8 बजे सबसे पहले पोस्टर बैलट की मतगणना की गई, उसके बाद ईवीएम की मतगणना की गई। उन्होंने बताया कि नोएडा में 36 राउंड में मतगणना हुई, दादरी में 34 जेवर में 29 राउंड की मतगणना हुई, पूरे लोकसभा में 747 बूथों पर हुए मतदान की कारण मतगणना हुई। नोएडा व दादरी के 21-21 टेबल लगाए गए थे, जेवर विधान सभा के लिए 14 टेबल और खुर्जा व सिकन्द्राबाद में 14-14 टेबल पर मतगणना हुई। मतगणना के दौरान राउंड वाइज सभी पार्टी के एजेन्ट गिनती के दौरान मतों का आंकलन कर रहे थे। मतगणना कक्ष में जिस तरह से मतों का ग्राफ बढ़ रहा था एजेन्टों की

सांसें बढ़ रही थी, सभी के मन में जीत हार की कशमकश चल रही थी।

मीडिया सेन्टर पर टीवी स्क्रीन पर लोगों की टिकी रही नजर

फूलमंडी में बने मतगणना स्थल पर मीडिया सेन्टर में लगे टीवी स्क्रीन पर पूरे देश रुझान आ रहे थे, हर कोई रूझान जानने के लिए उत्सुक रहे और टीवी पर टकटकी लगाए हुए थे। मीडिया सेन्टर में एक तरफ उत्साह था तो वहीं कुछ लोगों के चेहर पर मायूसी भी देखने को मिल रहा था। मतगणना में लगाए कर्मी व सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मी मीडिया सेन्टर में पहुंचकर रुझान लेकर अपने साथियों तक पहुंचा रहे थे। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट पर मतगणना में

भाजपा प्रत्याशी लगातार बढ़त बनाए हुए थे। भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के आगे पीछे कोई प्रत्याशी नजर नहीं आया, लगाता मतगणना के हर चक्र में बढ़त बनाते हुए रिकार्ड मतों में जीत दर्ज की।

मतगणना स्थल के बाहर रुझान जानने में लगे थे पार्टी के समर्थक

मतगणना स्थल पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होने की वजह से किसी भी पार्टी के समर्थक मतगणना स्थल तक नहीं पहुंच सके। जो भी समर्थक मतगणना स्थल पहुंचे थे वह दूर से ही रूझान जानने के प्रयास में रहे। पुलिस को आशंका थी कि समाजवादी पार्टी के समर्थक मतगणना स्थल पर हंगाम कर सकते हैं, उसके लिए पुलिस व पीएसी बल किसी को भी मतगणना स्थल के आस-पास फटकने नहीं दे रही थी। पार्टी के समर्थन दूर से ही रूझान जानने का प्रयास कर रहे थे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रेनो वेस्ट के इटेड़ा गोल चक्कर पर जाम से मिलेगी निजात

■ **यूटर्न का काम शुरू, महीने के अंत तक हो जाएगा चालू**

■ **ग्रेनो वेस्ट में लगने वाले जाम से मुक्ति के लिए कराए गए सर्वे के बाद इस यूटर्न का किया गया निर्माण**

■ **लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले निविदा की प्रक्रिया कर ली गई थी पूरी**

130 रोड पर इटेड़ा गोलचक्कर के पास यूटर्न का निर्माण शुरू कर दिया गया है। आए दिन जाम की समस्या को देखते हुए परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। इस माह के अंत तक यूटर्न चालू कर दिया जाएगा। निर्माण में तेजी लाने के लिए ठेकेदार को दिशा निर्देश दिए गए हैं : आरए गौतम, वरिष्ठ प्रबंधक, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इटेड़ा गोलचक्कर पर लगने वाले जाम से जल्द निजात मिल जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा गोलचक्कर के पास यूटर्न के निर्माण का काम शुरू कर दिया गया है। उम्मीद है कि इस माह के अंत तक यूटर्न चालू कर दिया जाएगा। निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले ही निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी। इसके अलावा कुछ अन्य स्थानों पर यूटर्न की तैयारी चल रही है। दरअसल बीते साल पर्थला फ्लाईओवर खुलने के बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट में 130 मीटर रोड पर स्थित सभी गोलचक्करों पर जाम की स्थिति पैदा हो गई थी। इससे निजात पाने के लिए ट्रैफिक पुलिस, प्राधिकरण की टीम और नेफोवा के सदस्यों ने संयुक्त रूप से सर्वे किया था। इस पर इटेड़ा गोलचक्कर को बंद कर गोलचक्कर के दोनों तरफ यूटर्न का इस्तेमाल कर ट्रैफिक को डायवर्ट करने की सहमति बनी थी। सीईओ के दिशा निर्देश पर यूटर्न का काम शुरू दिया गया है। इटेड़ा गोलचक्कर से एकमूर्ति की तरफ सेक्टर-16बी पेट्रोल पंप के सामने पहले से ही यूटर्न बना हुआ है। प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक गौर चौक चारमूर्ति गोलचक्कर से एकमूर्ति गोलचक्कर और एकमूर्ति गोलचक्कर से चारमूर्ति गोलचक्कर आने जाने वाले वाहनों के रूट पर कोई परिवर्तन नहीं होगा।

क्रॉसिंग रिपब्लिक या शाहबेरी की तरफ से आने वाले सेक्टर-16बी पेट्रोल पंप के सामने बने यूटर्न का इस्तेमाल कर चारमूर्ति गोलचक्कर की तरफ जाएंगे। वहीं एकमूर्ति गोलचक्कर की तरफ से आने वाले वाहन शाहबेरी या क्रॉसिंग रिपब्लिक जाने के लिए इटेड़ा गोलचक्कर के आगे चारमूर्ति की तरफ बने यूटर्न का इस्तेमाल करेंगे।

जीबीयू के समाज कार्य विभाग ने चलाया दान अभियान

ग्रेटर नोएडा, 4 जून (देशबन्धु)। समाज कार्य विभाग के सामाजिक कार्य स्नातक और सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर छात्रों ने जीबीयू परिसर में दान अभियान शुरू किया और दान अभियान के एक हिस्से के रूप में छात्रों ने जीबीयू शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में दान बॉक्स लगाया और परिसर में छात्रों और कर्मचारियों से पुराने कपड़े, चादरें, कंबल और जूते दान करने की अपील की। छात्रों ने दान के लिए अपील करते हुए रचनात्मक चार्ट भी बनाए। दान अभियान को बहुत

अच्छी प्रतिक्रिया मिली और जीबीयू के छात्रों ने बड़ी संख्या में कपड़े, जूते और चादरें दान कीं। एकत्र की गई सामग्री को फिर 4 जून, 2024 को जीबीयू के कुलपति प्रो. रवींद्र कुमार सिन्हा की उपस्थिति में जीबीयू के सफाई, बागवानी और सुरक्षा कर्मचारियों को दान कर दिया गया। दान की गई वस्तुओं को ग्रेटर नोएडा के आस-पास के समुदायों में भी दान किया गया। प्रो. रवींद्र सिन्हा ने छात्रों की नेक पहल की सराहना की और दान अभियान के दौरान मौजूद जीबीयू कर्मचारियों से बातचीत भी की। दान अभियान में डॉ. राहुल कपूर, कार्यक्रम समन्वयक और डॉ. रौनक अहमद सहित समाज कार्य विभाग के संकाय सदस्य भी शामिल हुए। दान अभियान के दौरान सुरक्षा पर्यवेक्षक सतपाल सिंह, बागवानी पर्यवेक्षक विष्णु शर्मा और हाउसकीपिंग पर्यवेक्षक पुष्पेन्द्र ढाका सहित जी.बी.यू. के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम अच्छेजा बुजुर्ग व मिर्जापुर में उप जिलाधिकारी, सदर गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 730/एस0ठी0-एस0डी0एम0/2020 दिनांक 25.11.2020 के द्वारा स्व0 रामचरन पुत्र नवला, नि0 ग्राम मिर्जापुर, तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम निम्न प्रकार दर्ज दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
अच्छेजा बुजुर्ग	751	स्व0 रामचरन पुत्र नवला नि0 ग्राम मिर्जापुर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती कमलेश	पत्नी	60 वर्ष
			श्री दिनेश भाटी	पुत्र	30 वर्ष
			श्री राजकुमार भाटी	पुत्र	44 वर्ष
मिर्जापुर	659म 277म		श्रीमती बबीता	पुत्री विवाहित	35 वर्ष
			श्रीमती साक्षी	पुत्री विवाहित	32 वर्ष
			श्रीमती पूनम	पुत्री विवाहित	28 वर्ष
			श्रीमती पूजा	पुत्री विवाहित	26 वर्ष
			श्रीमती अर्चना	पुत्री विवाहित	23 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों/पारिवारिक सदस्यों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा। तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की 54वीं बोर्ड बैठक दिनांक 14.12.2015 में लिये गये निर्णय के कम में ग्राम कुरैब में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र संख्या 09/एस.टी.-एस.डी.एम./2022 दिनांक 13.09.2022 के अनुसार निम्न प्रकार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

कम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु	विवाहित/अविवाहित
1	चकजलालाबाद	92म	श्री मथुरा प्रसाद पुत्र स्व0 श्री नत्थी निवासी ग्राम चकजलालाबाद परगना व तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर	कपूरी	पत्नी	55 वर्ष	विधवा
				रविन्द्र सिंह	पुत्र	27 वर्ष	विवाहित
				प्रेमलता	पुत्री	34 वर्ष	विवाहित
				पूनम	पुत्री	24 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम अन्तर धनराशि दिये जाने संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।
तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, बुधवार 5 जून 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

लोकतंत्र और संविधान की जीत

मंगलवार, 4 जून 2024 का दिन देश के लोकतंत्र और संविधान के लिए बड़ा मंगलकारी साबित हुआ है। सात चरणों में हुए चुनाव के बाद 4 जून को मतगणना हुई जो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जारी ही है। अब तक यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश में अगली सरकार किसकी बनेगी और प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा। क्योंकि जैसा कि अनुमानित था भाजपानीत एनडीए को इंडिया गठबंधन ने जबरदस्त टक्कर दी। पिछले दो चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली भाजपा की सीटें कम हुई हैं और सबसे खास बात यह है कि जिस उत्तर प्रदेश में भाजपा का मजबूत जनाधार था, वहां भाजपा को बड़ी मात मिली है। श्री मोदी के दिए नारे अबकी बार 4 सौ पार की सच्चाई तो पहले चरण के बाद ही सामने आ गई थी। लेकिन भाजपा फिर भी यह माहौल बनाए हुए थी कि इस बार भी वह आसानी से जीत हासिल कर लेगी और उसके नेतृत्व में एनडीए की सरकार ही बनेगी। सात चरणों के चुनाव पूरे होते ही जो एक्जिट पोल मुख्यधारा के मीडिया यानी तमाम समाचार चैनलों में दिखाए गए, उनमें भी एनडीए की एकतरफा जीत बताई जा रही थी। हालांकि भाजपा और टीवी चैनलों का बनाया माहौल 4 जून को पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। आलम ऐसा था कि एक समाचार चैनल में एक्जिट पोल पेश करने वाले सर्वे एजेंसी के मुखिया 4 सौ पार के अपने दावे को पूरा न होते देख फूट-फूट कर रो पड़े।

इन चुनावों ने देश को कुछ बड़े सबक दिए हैं। जिनमें सबसे अहम सबक यह है कि जनता के विवेक को कम करने की भूल किसी को भी नहीं करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी ने पहले ही अपने तीसरे कार्यकाल का ऐलान कर दिया था, उसके बाद पूरे चुनाव प्रचार में उन्होंने दस साल की उपलब्धियों और भावी नीतियों के बारे में चर्चा न कर मंगलसूत्र, मुस्लिम लीग, भैंस चोरी और मुजरे की बात की। जनता ने इस रवैये को बिल्कुल नकार दिया। भाजपा के कई नेताओं ने संविधान बदलने के लिए 4 सौ से ज्यादा सीटों को जरूरी बताया था। लेकिन इंडिया गठबंधन ने संविधान को बचाने की जरूरत देश को समझाई और जनता ने इसे समझा भी। यही वजह है कि अयोध्या में भाजपा की हार हुई, यानी राम मंदिर बनाने का दांव काम नहीं आया। इंदौर में भाजपा प्रत्याशी ने सीट तो बचा ली, लेकिन जिस तरह नोटा को ऐतिहासिक वोट मिले, उससे भाजपा को यह संदेश भी मिल गया कि तोड़-फोड़ की राजनीति जनता को स्वीकार्य नहीं है। यह इस चुनाव का दूसरा अहम सबक था। तीसरा सबक नकारात्मक और दमनात्मक राजनीति के खिलाफ मिला। चुनाव शुरु होने से पहले ही प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग की कार्रवाईयां विपक्षी दलों और उनके नेताओं पर शुरु हुईं। कांग्रेस के खाते सीज़ किए गए, इलेक्टोरल बॉंड की जानकारी देने में आनाकानी की गई, चंडीगढ़ मेयर चुनाव में सरेआम धांधली कराई गई। जिन नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर जांच चल रही थीं, उनमें से कई को भाजपा या एनडीए में शामिल कर लिया गया। इन सारी बातों से भाजपा के खिलाफ जनता में माहौल बना, जो चुनाव परिणाम में नजर आ रहा है। चुनावों का चौथा सबक भारत की ऐतिहासिक विरासत से खिलवाड़ न करने का मिला। इस देश की खासियत गंगा-जमुनी तहजीब है, जिसे पिछले दस सालों में बार-बार कमजोर करने की कोशिशें हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को परमात्मा का अंश बताने के अजीबोगरीब बयान देकर अपना ओहदा भगवान के समकक्ष करना चाहा, लेकिन इंसान और इंसानियत के महत्व को नहीं समझा। उनके समेत भाजपा के कई नेता खुल कर अल्पसंख्यकों के खिलाफ बयान देते रहे। माधवी लता जैसे प्रत्याशी ने मस्जिद की ओर तीर चलाने का सांकेतिक कृत्य किया। लेकिन जनता ने उन्हें हरा दिया। चुनावों का पांचवा सबक जनता के दुख दर्द से सरकार की दूरी बनाने के नुकसान के रूप में मिला। लॉकडाउन, मणिपुर, महिला पहलवान, किसान आंदोलन, अग्निवीर, पर्चा लीक जैसे अनेक मुद्दे देश में रहे, जिसमें आम जनता अनेक किस्म की दुश्वारियों में फंसी, लेकिन नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार ने इन मुद्दों पर जनता के साथ कभी संवेदनशीलता नहीं दिखाई। लिहाजा अब जनता ने अपना जवाब भाजपा को सुना दिया है।

इन चुनावों में देश की जनता ने सही अर्थों में लोकतंत्र और संविधान को बचाने का काम किया है। राहुल गांधी के शब्दों में कहें तो राजनैतिक विवेक का परिचय दिया है। राहुल गांधी ने इस शब्दावली को खास तौर पर उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए इस्तेमाल किया, क्योंकि भाजपा को सबसे अधिक उम्मीदें इसी राज्य से थीं। हालांकि अब उप्र समेत तमाम राज्यों में समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। दो-दो भारत जोड़ो यात्राएं निकाल कर राहुल गांधी ने देश में एक नये किस्म की राजनैतिक जागरुकता उत्पन्न की थी और उसके बाद विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने इस जागरुकता का और प्रसार किया। गठबंधन के तमाम 28 दलों और उनके नेताओं, कार्यकर्ताओं ने अथक मेहनत करके देश में फिर से ऐसा माहौल बना दिया है, जिसमें जनतंत्र की धड़कनें सुनाई दे रही हैं और तानाशाही प्रवृत्ति की विदाई नजर आ रही है।

इंडिया गठबंधन के नेता बुधवार को बैठक करके भावी रणनीति पर विचार करने वाले हैं। इस बीच देश की प्रशासनिक मशीनरी और सबसे बढ़कर चुनाव आयोग के सामने यह चुनौती है कि वह निष्पक्षता और पारदर्शिता से परिपूर्ण फैसले ले, क्योंकि आखिर में यह किसी एक व्यक्ति, एक दल का सवाल नहीं है, पूरे देश के भविष्य का सवाल है। अटल बिहारी बाजपेयी के शब्दों में सरकारें आती-जाती रहेंगी, यह देश बचा रहना चाहिए।

मोदी के राजनैतिक मॉडल को बड़े पैमाने पर नकारा जनता ने

निर्वाचन आयोग की सुस्ती के चलते मंगलवार की शाम तक लोकसभा चुनाव की सारी सीटों के नतीजे तो नहीं आ पाए, लेकिन जितने परिणाम आ सके और धुंधली सी ही भावी लोकसभा की जैसी तस्वीर बनती नज़र आ रही है वह यह तो अब तक नहीं बता पाई है कि किसकी सरकार बनने जा रही है, लेकिन एक बात जो स्पष्ट हो गयी है वह यह कि देश की जनता ने निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नकारात्मकता एवं उनके द्वारा पिछले एक दशक में लागू राजनैतिक मॉडल को पूर्णत: अस्वीकृत कर दिया है। शाम तक भाजपा प्रणीत एनडीए व कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन की बराबरी की टक्कर जारी थी। कभी किसी के आंकड़े ऊपर जा रहे थे तो कभी किसी के। हो सकता है कि जोड़-तोड़ में माहिर भारतीय जनता पार्टी सरकार बना ले और मोदी तीसरी बार पीएम बनने का अपना सपना भी पूरा कर लें, लेकिन यह निश्चित है कि मोदी बेहद कमजोर प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर सकेंगे। उनके पास पहले दो कार्यकालों जैसा न तो रौब-दाब होगा और न ही वे सरकार व पार्टी के भीतर एकछत्र राज कर पायेंगे। इस लिहाज़ से कहा जा सकता है कि आने वाली राजनीति उन दुर्गुणों से मुक्त हो सकती है जो मोदी लेकर आये थे।

उल्लेखनीय है कि दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के शाम तक आये आंकड़े बहुमत के ईर्द-गिर्द थे। इसका अर्थ यह है कि जिसकी भी सरकार बनेगी वह घटक दलों पर बहुत ज्यादा आश्रित रहेगी। मोदी को अपनी सियासत का वह स्वरूप छोड़ना होगा जो उन्होंने बड़े बहुमत के बल पर गढ़ा था। उनकी व्यक्तिवादी राजनीति भाजपा पर भारी पड़ती नज़र आई है। इस लिहाज से कहें तो पार्टी भी उनके बारे में सोच सकती है कि क्या वह उन्हीं के नेतृत्व में सरकार बनाये या कोई नया चेहरा तलाश किया जाये। खैर, यह भाजपा व उसके सहयोगी दलों के सोचने की बात है परन्तु उन बिन्दुओं पर विचार किया जाना ज़रूरी है जो मोदी निर्मित राजनीति के हिस्से हैं। उनमें पहला तो है निरंकुशता का। याद हो कि 2014 में आये मोदी ने सारी शक्तियां अपने हाथों में ले ली हैं। संसद हो या कार्यपालिका अथवा कोई भी संवैधानिक संस्थाएं- सारी की सारी मोदी ने अपनी मुट्ठियों में कैद कर रखी थीं। जितने भी निर्णय लिये गये, वे सारे मोदी द्वारा या गिने-चुने लोगों के साथ मिलकर लिये गये। जीएसटी से लेकर नोटबन्दी व बुलेट ट्रेन से लेकर सेंट्रल विस्टा तक के फैसले अकेले मोदी ने लिये। संसद को कभी भरोसे में नहीं लिया गया। मंत्रिपरिषद नाममात्र की थी। फोकस मोदी पर ही रहा। समारोहों एवं विज्ञापनों में केवल मोदी ही होते थे। किसे चुनावी टिकट देने हैं और किन्हें नहीं- यह फैसला भी मोदी व उनके खासमखास केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेते रहे। पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मुहर मात्र हैं।

अपने 'कांग्रेस मुक्त भारत' व बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' के सपने को पूरा करने के लिये मोदी-शाह की जोड़ी ने देश भर के उन सभी राज्यों में 'ऑपरेशन लोटस' चलाया जिसके अंतर्गत विरोधी दलों की सरकारों को गिराया गया। इस दशक भर में 400 से अधिक विपक्षी विधायकों, सांसदों व नेताओं को खरीदकर या डरा-धमकाकर भाजपा में शामिल कराया गया। राजनैतिक विरोधियों ही नहीं बल्कि वैचारिक रूप से उनके खिलाफ सभी लोगों को उन्होंने प्रताड़ित किया है। बड़ी संख्या में लेखकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस दौरान जेल का रास्ता दिखाया गया। संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया। इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी। अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की।

डॉ. दीपक पाचपोर

> अपने 'कांग्रेस मुक्त भारत' व बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' के सपने को पूरा करने के लिये मोदी-शाह की जोड़ी ने देश भर के उन सभी राज्यों में 'ऑपरेशन लोटस' चलाया जिसके अंतर्गत विरोधी दलों की सरकारों को गिराया गया। इस दशक भर में 400 से अधिक विपक्षी विधायकों, सांसदों व नेताओं को खरीदकर या डरा-धमकाकर भाजपा में शामिल कराया गया।

मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है। उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे। हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के फेर में मोदी अपने पद की गरिमा से काफी नीचे उतर गये थे। उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र पर 'मुस्लिम लीग की छाया' बतलाई तो वहीं यह झूठ बोला कि 'कांग्रेस की सरकार आई तो वह लोगों से मंगलसूत्र छीन कर कई-कई बच्चों वालों (मुसलमानों) को दे देगी।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन वाले लोगों के घरों में एक्सरे के द्वारा सोना निकाल लेंगे। यहां तक कि दो भैंसें हों तो एक भैंस खोलकर ले जायेंगे।' वे विपक्ष के नेताओं, खासकर कांग्रेस के खिलाफ बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे। नतीजे बताते हैं कि उनकी शब्दावली का उन्हें फायदा तो मिला नहीं, उल्टे भारी नुकसान ही हुआ है। यह भी लोगों ने पूरी तरह से अस्वीकार किया कि उनके पीएम इस कदर अशालीन भाषा का प्रयोग करें।

मोदी की राजनीति पूंजीवाद को बढ़ावा देने की रही है। 60 वर्षों के दौरान भारतीयों द्वारा कड़ी मेहनत कर बनाये गये अनेक सरकारी उपक्रमों को मोदी ने अपने मित्रों को औने-पौने भाव में बेच दिया या ऊपहारों की तरह सौंप दिया। निजीकरण को इस दौरान इस प्रकार से प्रचारित किया मानों उसी के बल पर भारतीयों के घरों में लक्ष्मी बरसेगी। हुआ इसके विपरीत। आज देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग शासकीय राशन (5 किलो) पर जीवित हैं। मोदी ने उन्हें नागरिक से लाभार्थी बनाकर रख दिया। दरअसल यह भी उनकी राजनीति का ही हिस्सा है जिसके पीछे नागरिकों को कमजोर करने का षडयंत्र छिपा हुआ है।

मोदी ने जिस ध्रुवीकरण के बल पर तीसरी बार सत्ता पानी चाही है, हो सकता है कि उन्हें फिर से सरकार बनाने में कामयाबी मिल जाये लेकिन अयोध्या जिस सीट के अंतर्गत आता है, यानी फैजाबाद, वहां से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हार गये। इसी प्रकार से कैराना सीट, जो हिन्दू बहुल है- वहां इकरा हसन ने जीत दर्ज कर बतला दिया है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और गंगा-जमुनी तहज़ीब ही इसकी प्रमुख पहचान है। पिछले कुछ समय से भाजपा यह बतलाने की कोशिश करती रही है कि भारत केवल हिन्दुओं का ही देश है और अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम यहां दूसरे दर्जे के नागरिक बनकर रहेंगे। समान नागरिक संहिता, नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, तीन तलाक व जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति जैसे कदम भाजपा सरकार ने इसी उद्देश्य से उठाये थे। कांग्रेस तथा विरोधी दलों को हिन्दू विरोधी या पाकिस्तानपरस्त बतलाने का गंदा खेल भाजपा द्वारा खूब खेला गया और उसका नेतृत्व मोदी-शाह ने किया।

भाजपा द्वारा 370 व 400 सीटें लाने का उद्देश्य क्या था, यह भी सामने आ चुका था। जो लल्लू सिंह व गोविल पराजित हुए हैं, उनके अलावा भाजपा के ही अनंत हेगड़े और ज्योति मिर्धा जैसों ने साफ किया था कि पार्टी को 400 सीटें इसलिये चाहिये क्योंकि उसे संविधान बदलना है। भाजपा की इस मंशा के खिलाफ भारत का बड़ा हिस्सा खड़ा हो गया। राहुल गांधी व कांग्रेस ने साफ किया कि वे ऐसा होने नहीं देंगे। इस प्रकार से यह चुनाव संविधान व लोकतंत्र बचाने का भी बन गया। लोगों के सामने यह भी साफ हो गया कि इतनी बड़ी संख्या में सीटें पाने के लिये भाजपा सरकार केन्द्रीय जांच एजेंसियों, निर्वाचन आयोग व ईवीएम का दुरुपयोग कर रही है। इसे भी जनता ने नकारा है।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

सहायक नदियों के प्रति सरोकार की जरूरत

■ सुरेश भाई

छोटी-छोटी नदियों से बनी गंगा 2550 किलोमीटर, ब्रह्मपुत्र और सिंधु क्रमश: 916 और 1114 किलोमीटर लंबी हैं। छोटी नदियां अनेक बड़ी नदियों के जल-बहाव को नियंत्रित करती हैं। लगभग सभी बड़ी नदियों के उद्गम ग्लेशियरों से हैं, लेकिन इनके निचले बहाव क्षेत्र में जंगल, तराई, मैदान और बीहड़ क्षेत्रों के बीच से छोटी-छोटी नदियां बड़ी नदियों में मिल रही हैं। छोटी नदियां पारिस्थितिकी तंत्र के कायाकल्प, जल और खाद्य सुरक्षा, आजीविका और समान सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यमुना भारत की बड़ी नदी है जो इलाहाबाद में गंगा में मिल जाती है। यमुना में भी टौंस, हिंडन, चंबल, बेतवा आदि मिलती हैं। रामगंगा, घाघरा, गंडक, कोसी, महानंदा, सोन आदि गंगा की प्रमुख सहायक नदियां हैं। चंबल और बेतवा उप सहायक हैं। पद्मा और ब्रह्मपुत्र बांग्लादेश से निकलती हैं। चंबल में बनास, सिंध, बेतवा, केन मिलती हैं। सोन नदी में जोहिला, गोपद, रिहंद, कन्हार, उत्तरी कोयल मिलती हैं। नर्मदा में अमरावती, मुखी, तवा, बांगर मिलती हैं। गोदावरी में पैनगंगा, वर्धा, बनगंगा, इंद्रावती, साबरी, मंजीरा और कृष्णा में कोमना, तुंगभद्रा, घाटप्रभा, मालप्रभा, मुसी, मनेरू आदि मिलती हैं। कावेरी की सहायक नदियां हरंगी, हेमवती, काविनी, भवानी, अर्कावती, लक्ष्मणतीर्थ, नोट्याल आदि हैं।

> छोटी नदियों को पुनर्जीवित करना है तो हर क्षेत्र की जलवायु के अनुसार अलग-अलग नियोजन की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कटल कहते हैं कि नदियों को बचाने की आपातकालीन स्थिति है। इसलिए देशभर में नदियों के पुनर्जीवन के लिए चिंतित समाज और पर्यावरणविद् आगे आकर अपनी एक-एक नदी को पुनर्जीवित करने लिए कदम बढ़ाएं।

छोटी नदियां भारत में बड़ी संख्या में हैं जो बड़ी नदियों के पोषक के रूप में मानी जाती हैं। छोटी नदियां बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने के साथ-साथ भूजल पुनर्भरण को सक्षम बनाती हैं। मिट्टी की नमी, जैव-विविधता में सुधार करती हैं। सूखे और बाढ़ का सामना करने में मदद करती हैं, लेकिन देश में सूख रही छोटी नदियों का कायाकल्प समुदाय के बिना संभव नहीं है। गौरतलब है कि इन सहायक और छोटी-छोटी नदियों में निरंतर घटती जलराशि चिंता का विषय है। इसका कारण है कि इन नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र में वर्षों से जैव-विविधता का व्यवसायिक दोहन बड़े पैमाने पर हुआ है। खनन और अंधाधुंध भूजल का दोहन हो रहा है। मानवीय जीवन शैली ने नदियों को बेपानी बना दिया है। नदियों की जमीन और जलराशि में अतिक्रमण, शोषण, प्रदूषण के मौजूदा खतरे ने नदियों के पानी को स्नान लायक भी नहीं छोडा है।

ग्लेशियरों के सूखने से हिमपोषित नदियां भी सूख रही हैं। 45 डिग्री से भी अधिक तापमान के कारण छोटी नदियों का पानी लगभग सूख गया है। अप्रैल-जून की भीषण गर्मी से बुंदेलखंड की बहुत सारी नदियां सूख गई हैं जहां पानी के लिए हाहाकार है। पहाड़ी इलाकों में भी देखा जा सकता है जहां गंगा-जमुना की छोटी नदियां और जलस्रोत सूख गए हैं वहां भी लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। ऐसे हालात पैदा होने के कुछ दिनों बाद होने वाली अनियमित और अनियंत्रित बारिश नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्र में अपर्याप्त वनस्पतियों के अभाव में बाढ़ जैसी हालत पैदा करती हैं।

हर साल हिमालय से लेकर मैदानों तक भारी जल सैलाब से अपार जन-धन की हानि हो रही है। बारिश के पानी को रोकने की पारंपरिक शैली को आधुनिक विकास ने रौंद डाला है। जहां तालाब, जौहड जैसी जल संरचनाएं होती थीं, वहां सिंचाई और पेयजल के अलावा भूजल का भंडार भी पोषित होता था। अब उन स्थानों पर बहुमंजिली इमारतें, खनन, सीमेंटेड संरचनाओं ने पूरे जल क्षेत्र की जलवायु पर विपरीत प्रभाव डाल दिया है। भूजल बहुत नीचे चला गया।

इन चुनौतियों का सामना करते हुए आज भी भारत के हजारों गांवों में लोग अपने पारंपरिक प्रबंधन के अनुसार जल की व्यवस्था करते हैं जिससे स्वदेशी ज्ञान और प्रौद्योगिकी से विवेकपूर्ण जल उपयोग को बढ़ावा मिलता है। कुछ सक्रिय समाजसेवियों, पर्यावरणविदों और पानीदार समाज ने मिलकर ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं जहां सूखी, छोटी नदियां फिर से बहने लगी हैं। यह तभी संभव हो पाया है जब स्थानीय समाज के साथ मिलकर नदियों के जल की पूर्व स्थिति और सूखने के कारणों की पड़ताल करके जल वापसी के उपाय पर संवाद हो सका है। कई स्थानों पर उदाहरण है कि लोगों ने सूखती छोटी नदियों के क्षेत्र का सामाजिक और पर्यावरणीय नक्शा तैयार करके एक पानीदार समाज का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अलवर में 'तरुण भारत संघ' एक उदाहरण है जिन्होंने सूखी नदियों को जिंदा कर दिया है। लोग वहां जाकर नदियों के पुनर्जीवन के सामाजिक और पर्यावरणीय तरीके सीख रहे हैं। बुंदेलखंड में 'परमार्थ समाजसेवी संस्थान' ने छोटी नदियों के पुनर्जीवन के लिए जोरदार अभियान चला रखा है। उन्होंने अब तक विलुप्त होती बछेड़ी नदी, कनेरा नदी, बरगी नदी, खूडर नदी, घुरारी नदी के पुनर्जीवन के लिए स्थानीय राज-समाज के साथ मिलकर महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं जो काफी सफल होते दिखाई दे रहे हैं। यहां का समाज अपनी नदियों को बचाने के लिए जागरूक है।

इस सीख को आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश के खजुराहो में इसी साल 'जल जन जोड़ो अभियान' और 'परमार्थ समाजसेवी संस्थान' द्वारा आयोजित एक संवाद में 15 राज्यों से आए 50 नदियों के प्रतिनिधियों ने निर्णय लिया कि 51 नदियों के पुनर्जीवन हेतु यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पानी के काम में लगे राजेंद्र सिंह की अगुवाई में देश भर के जल विशेषज्ञों ने मांग की कि केन्द्र सरकार नदियों के लिए एक स्पष्ट 'नदी नीति' बनाये जिसकी मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। नदियों पर काम करने वाले सभी लोग यह मानते हैं कि छोटी नदियों के जीवित रहने से समुदाय की खाद्य सुरक्षा, उनका सम्मानजनक जीवन और उनके आर्थिक विकास का संरक्षण होता है। इसके साथ ही वे बड़ी नदियों के प्रवाह को बढ़ाने, भूजल का पुनर्भरण करने, जमीन की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार होती हैं।

जलवायु परिवर्तन का सीधा संबंध छोटी नदियों से है। यदि हम छोटी नदियों को जीवित कर लेंगे तो जलवायु परिवर्तन का खतरा कम हो जायेगा, लेकिन छोटी नदियों के पुनर्जीवन का काम समुदाय की अगुवाई के बिना संभव नहीं है। इस अभियान के राष्ट्रीय संयोजक संजय सिंह ने कहा कि- नदियों को पुनर्जीवित करने हेतु निकाली जाने वाली यात्राओं के पहले यह जरूरी है कि संबंधित नदी के बारे में सारे आंकड़े एकत्रित करने के बाद समुदाय के साथ मिलकर संवाद किया जाए। प्रोफेसर विभूति राय कहते हैं कि 20 वर्षों में नदियां सूख जायेंगी। यदि पारंपरिक जल सुरक्षा के उपाय पर ध्यान नहीं दिया गया तो मानव जीवन पर संकट बढ़ जायेगा। नदियों के रिचार्ज का जब तक कोई सामान्य समाधान नहीं होगा तो नदियों को बचाना कठिन होगा।

देश के जल विशेषज्ञों की चिंता है कि जल संरक्षण हो या नदी पुनर्जीवन, सभी पर सरकारें पूरे देश के लिए एक जैसी योजना बनाती हैं। इसलिए यह काम धरातल पर नहीं दिखाई देता। यदि छोटी नदियों को पुनर्जीवित करना है तो हर क्षेत्र की जलवायु के अनुसार अलग-अलग नियोजन की आवश्यकता है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश कटल कहते हैं कि नदियों को बचाने की आपातकालीन स्थिति है। इसलिए देशभर में नदियों के पुनर्जीवन के लिए चिंतित समाज और पर्यावरणविद् आगे आकर अपनी एक-एक नदी को पुनर्जीवित करने लिए कदम बढ़ाएं।

(लेखक 'उत्तराखण्ड नदी बचाओ अभियान' से जुड़े हैं।)

पावन प्रसंग

व्यक्तित्व से जुड़े सफलता के आधार

जीवन में व्यक्ति सफल होना चाहता है और सफलता हर व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार भी है, लेकिन सफलता की अंधी दौड़ में जब इसके सही मायने समझ से नदारद हो जाते हैं तो फिर व्यक्ति को आभासित सफलता के चरम पर भी आंतरिक संतुष्टि एवं प्रसन्नता नहीं मिलती, ऐसे में सफलता पर प्रश्नचिन्ह लग जाते हैं और सफलता के समग्र स्वरूप पर विचार करना आवश्यक हो जाता है, जो व्यक्तित्व के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है।

सफलता के लिए सबसे पहले आता है स्वास्थ्य। बिना स्वास्थ्य के सफलता अधूरी ही मानी जाएगी क्योंकि ऐसे में व्यक्ति जीवन के उस सुख और आनंद से वंचित रहता है जो सफलता को पूर्णता का एहसास होता है। आहार-विहार का संयम, श्रमशील जीवन और संतुलित दिनचर्या इसी के सार को इंद्रियसंयम के रूप में समझा जा सकता है।

सफलता का दूसरा आधार है- मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलन- जो मन की सकारात्मक, संतुलित एवं ध्येयनिष्ठ अवस्था द्वारा निर्धारित होता है और यदि सोच नकारात्मक है, अतिवाद से भरी है तथा अपने ध्येय के प्रति एकनिष्ठ नहीं है तो ऐसी चंचल, अस्थिर एवं विक्षिप्त मन:स्थिति को सफल जीवन के साथ नहीं जोड़ा जा सकता। सफलता के लिए मन की न्यूनतम अपेक्षित रहती है और मानसिक स्वास्थ्य संतुलन का आधार रहता है मन की वैचारिक लयबद्धता। हम दिन भर किन विचारों में रमण कर रहे हैं, कितना हम अपने जीवन ध्येय की ओर बढ़ रहे हैं, मन कितनी आशा एवं उत्साह से भरा हुआ है- यह महत्वपूर्ण हो जाता है। इसकी परिणति जीवन की शांत एवं प्रसन्न अवस्था के रूप में सामने आती है। इसके साथ यह भी जरूरी होता है कि हम जीवन में आ रहे उतार-चढ़ाव, हानि-लाभ, मान-अपमान जैसे द्वंद्वों के बीच कितना जल्दी मन को सम एवं स्थिर कर पाते हैं। राग-द्वेष, के थपेड़ों के बीच हम कितना भावनात्मक संतुलन को साध पाते हैं। इस तरह के मानसिक तन की क्षमता जीवन की सफलता को तय करती है और इस तरह से उपजे आंतरिक संतुलन के साथ जीवन में सफलता का ठोस आधार तैयार होता है और इसका कर्तव्यकर्म से सीधा संबंध रहता है।

समग्र सफलता के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कर्तव्यों का निर्वहन आवश्यक सोपान है। इनके प्रति आलस्य-प्रमाद जीवन में सार्थकता की अनुभूति से व्यक्ति को वंचित रखता है। अपने तन-मन एवं अंतरात्मा के साथ अपने परिवार, समाज, राष्ट्र एवं सकल मानवता के प्रति कर्तव्यों का पालन हो वह राजमार्ग है, जो व्यक्ति को गहरी संतुष्टि एवं सार्थकता का एहसास देता है।

उपरोक्त वर्णित जीवन के सरल, सहज सूत्र सफलता के आधार हैं, जो इसको गहरी एवं ठोस नींव तैयार करते हैं, व्यक्तित्व की प्रक्रिया के साथ ऐसे में जीवन की सफलता का भव्य भवन साकार होता है। इसके अंतर्गत व्यक्ति अपनी योग्यता का वर्णन एवं अपनी प्रतिभा का संवर्द्धन करता है और जब तक व्यक्ति शरीर व मन के आधार पर स्वस्थ नहीं है, संतुलित नहीं तथा अपने कर्तव्यों का सम्यक पालन नहीं कर रहा है तो व्यक्तित्व निर्माण की यह प्रक्रिया सही ढंग से आगे नहीं बढ़ पाती और ऐसे में सफलता अधूरी ही रह जाती है। इन चरणों को पूरा किए बिना तुरत-फुरत में खड़ा किया गया सफलता का भवन बहुत ही नाजुक एवं डांवाडोल होता है, जो प्रतिकूलताओं के थपेड़े खाकर कब धराशायी हो जाए, कहा नहीं जा सकता, जबकि ठोस नींव पर आधारित सफलता ही टिकाऊ होती है। इसमें समय लग सकता है लेकिन इसके साथ उपलब्ध सफलता सही मायने में काबिलेतारीफ होती है तथा स्थायी मूल्य लिए हुए होती है।

उपरोक्त चरण पूरा होने के साथ रचनात्मक उत्कृष्टता की स्थिति स्वाभाविक रूप से पूर्ण होती है। यह बहुत कुछ व्यक्ति के स्वभाव एवं अंतर्निहित होती है। इन चरणों के पूरा होने के साथ व्यक्तित्व के लक्षित आयाम क्रमश: अपनी सिद्धि के साथ पुष्पित-पल्लवित होने लगते हैं और जीवन के बहुरंगी छटा के साथ जीवन को सुरभित करते हैं और इसी के साथ जैसे व्यक्तित्व का पुष्प खिलना प्रारंभ हो जाता है।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

प्रकृति और पर्यावरण का शत्रु स्वयं मानव, पर्यावरण के प्रति चेतनाशून्य

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी आविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सबके सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन का आविष्कार मानव तथा जीव जंतुओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हुआ है। पॉलीथिन ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है क्योंकि पॉलीथिन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ-साथ नष्ट न होने वाला पदार्थ है। भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धुआं पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकीकरण की नीति ने किया है, बड़े-बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसके अलावा घरों, कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ा है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है। शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो गया। हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय 'पर' यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढंका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढंक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है, किंतु जब वायु, जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा, स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है।

पर्यावरण को सुरक्षित न रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अत: प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य होने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी।

संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव,
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

श्रीलंका में मानसूनी बाढ़ से सात लोगों की मौत

कोलम्बो। श्रीलंका में मानसूनी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। देश के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने यह जानकारी दी। राजधानी कोलंबो के बाहर सीतावाका में एक घर में बाढ़ का पानी से से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। कई इलाकों में बिजली की आपूर्ति काट दी गई है और स्कूलों को सोमवार को बंद रखने का आदेश दिया गया है। नौ जिलों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। बीबीसी की सिंहली सेवा ने डीएमसी के निदेशक प्रदीप कोडिप्पिली के हवाले से बताया कि कोलंबो और दक्षिण के अन्य इलाकों में बाढ़ का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। श्री कोडिपिली ने कहा कि कथित तौर पर कई इलाकों में अब तक 400 मिमी से अधिक बारिश हुई है।

इजरायल का दावा, हमास की कैद में 4 और बंधकों की मौत

यरूशलम, 4 जून (एजेंसियां)। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा है कि 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा गाजा पट्टी में ले जाए गए चार अन्य इजरायली बंधकों की मौत हो गई है। साथ ही दावा किया है कि गाजा पर शासन करने वाले समूह के पास अभी भी उनके शव मौजूद हैं। आईडीएफ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने कहा कि इजरायली सेना का अनुमान है कि ये चारों कई महीने पहले खान यूनिस क्षेत्र में एक साथ मारे गए, जब इजरायली सेना वहां अभियान चला रही थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने बताया कि उनकी मृत्यु की पुष्टि खुफिया जानकारी पर आधारित है और स्वास्थ्य मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति ने इसे मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ उनकी मौत की परिस्थितियों की गहन जांच के साथ सभी संभावनाओं की भी जांच कर रहा है।आईडीएफ ने

चारों पीड़ितों की पहचान अमीरम कूपर, चैम पेरी, योरम मेट्ज़गर और नादव पॉपलवेल के रूप में की है। 80 वर्षीय कूपर पेरी और मेट्ज़गर गाजा पट्टी सीमा के पास नीर ओज के निवासी थे और दिसंबर में हमास द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में उन्हें जीवित देखा गया था।वहीं पॉपलवेल (51) नीर ओज के पास नीरिम गांव के निवासी थे। उन्हें आखिरी बार मई की शुरुआत में हमास द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में जीवित देखा गया था।इससे पहले सोमवार को आईडीएफ ने घोषणा की थी कि उसने 36 वर्षीय चिकित्सक डोलेव येहुद का शव उसके गांव नीर ओज में पाया और उसकी पहचान की है। सेना के अनुसार येहुद को सोमवार तक बंधक माना जा रहा था, लेकिन 7 अक्टूबर को ही हमास ने उसे मार दिया था। गाजा पट्टी में वर्तमान में 124 इजरायली बंधक हैं, जिनमें से 43 को इजरायल ने मृत घोषित कर दिया है। बता दें कि इस युद्ध में मरने वाले कुल फिलिस्तीनियों की संख्या 36,000 के पार हो गई है। पिछले साल अक्टूबर से ही इजरायल और हमास के बीच गाजा पट्टी में युद्ध चल रहा है।

वेस्ट बैंक में इजराइली सेना ने की दो फिलिस्तीनियों की हत्या

रामल्लाह। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को वेस्ट बैंक के शहर तुलकरम में इजराइली सेना की गोलीबारी में दो फिलिस्तीनी मारे गए। मंत्रालय ने कहा कि मृतकों की पहचान अब्देल फत्ताह जबरा और अहमद रजब के रूप में हुई है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्र ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि जबरा और रजब दोनों शहर के शरणार्थी शिविर में रहते थे। उनके शवों को इजराइली सेना ने अपने कब्जे में ले लिया है। सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इजराइली सेना ने शहर के पश्चिम में एक सैन्य चौकी पर वाहनों पर गोलीबारी की। इससे मौके पर एंबुलेंस पहुंचने में बाधा उत्पन्न हुई। इजराइल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि इजराइली सेना ने तुलकरम क्षेत्र में गोलीबारी के दौरान दो बंदूकधारियों को मार गिराया, जब वे इजराइली आवासीय क्षेत्र की ओर गोली चलाने के उद्देश्य से सुरक्षा बाड़ के पास पहुंचे।

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गयी। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने अपनी रिपोर्ट कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

तीन सौ से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटा

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आया है। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहता था, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आया। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

सुडोकू 6576

			1	7	3			
					2	3	5	
3							7	
		2	8				1	
6	4						2	9
	8				4	7		
	7							6
	5	8	6					
			4	1	8			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6576

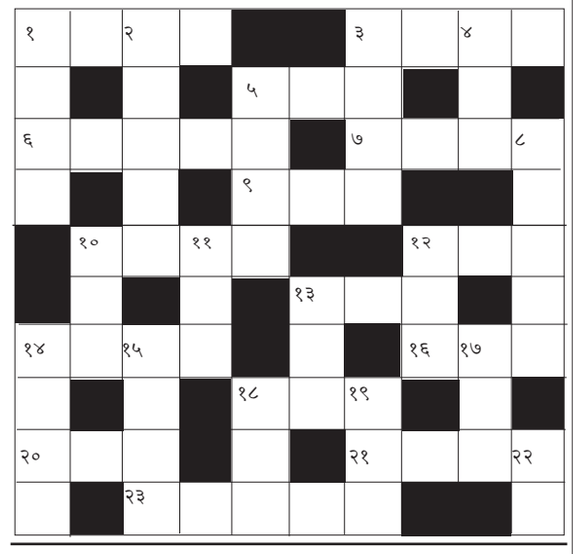

बायें से दायें:-

१.जीवन का अवलंब या सहारा, पति, प्रियतम
३. हलचल, घबराहट, उथल-पुथल
५. भद्दा, विशाल, भयंकर, दुर्गम
६. समय का बोध कराने वाला
७. कुटंब
९. माथा, मस्तक
१०. समीपता
१२. उपकरण, आला, कोई काम करने का साधन (उर्दू)
१३. उस ओर का, दूसरी ओर का
१४. सेविका, दासी
१६. चारों दिशाओं में से एक
१८. उच्च कुल में उत्पन्न
२०. सालाना
२१. जंगल में पैदा होने वाला
२३. दयालु, उदारमना (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. सवेरे का समय
२. अविच्छिन्न रूप होने या चलने वाला
३ अनबन, मनमुटाव
४. फसाद, दंगा, (उर्दू)
५. बेचैनी, व्याकुलता
८. कामदेव
१०. जो किसी से न डरे
११. पतली शाखा, डाली
१२. संतान
१३. ऐसी समस्या जो शीघ्र हल न किया जा, बुझौवल
१४. नवयुवक (उर्दू)
१५. राजा या शासन को दिया जाने वाला कर
१७. सीता
१८. फूल, पुष्प
१९. नया, नवीन
२२. वृक्ष, पेड़

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : बुधवार 5 जून , 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 13

राशिफल

मेष - परिवार और कार्य के क्षेत्र में समझौतापूर्ण व्यवहार से संघर्ष टाल सकेंगे। वाणी पर नियंत्रण नहीं होने से किसी के साथ वाद-विवाद या झगड़ा होने की आशंका रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। मन की उदासी से नकारात्मक विचार आएंगे।

वृषभ - विचारों की दृढ़ता के साथ आप सावधानीपूर्वक काम करेंगे। व्यवस्थित रूप से आर्थिक विषयों का आयोजन कर सकेंगे। अपनी रचनात्मकता को निखार सकेंगे। वस्त्र, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और मनोरंजन के पीछे धन खर्च होगा।

मिथुन - आपकी वाणी या व्यवहार से आज किसी के साथ गलतफहमी पैदा कर सकते हैं। परिजनों तथा सगे- संबंधियों के साथ खूब संभलकर रहना पड़ेगा। बीमारी या दुर्घटना का योग है, सावधानी बरतें। मान प्रतिष्ठा को हानि पहुंचेगी।

कर्क - आर्थिक आयोजनों और नए कार्य की शुरूआत करने के लिए उत्तम दिन है। व्यापार- धंधे में लाभ, नौकरी में पदोन्नति और आय के स्रोत में वृद्धि होने से आप आनंद और संतोष की भावना का अनुभव करेंगे।

सिंह - नौकरी तथा व्यवसाय के क्षेत्र में लाभदायक और सफल दिन है। आपके कार्यक्षेत्र में आप वर्चस्व और प्रभाव जमा सकेंगे। भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ मनोबल से आपका काम सरलतापूर्वक पूरा होगा।

कन्या - आपका आज का दिन धार्मिक प्रवृत्तियों में व्यतीत होगा। किसी तीर्थ स्थान की यात्रा के संयोग बनेंगे। विदेश गमन के लिए अवसर निर्मित होंगे। भाई-बंधुओं से लाभ होगा। ऑफिस में अधिकारियों से वाद-विवाद ना करें।

तुला - आकस्मिक धन लाभ का दिन है। आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने के लिए उत्तम दिन है। फिर भी नए काम शुरू न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ेगा। गुप्त शत्रु आपका अहित करने का प्रयास करेंगे। दोस्तों से सचेत रहें।

वृश्चिक - दैनिक घटना चक्र की प्रवृत्तियों में आज परिवर्तन आएगा। आज आप मौज-मस्ती और मनोरंजन की दुनिया में घूमने के मूड में होंगे। इसमें मित्रों, परिजनों का साथ मिलेगा। सार्वजनिक जीवन में आपकी मान- प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु - आर्थिक और व्यापारिक आयोजन करने के लिए आज का दिन शुभ है। कार्य सरलतापूर्वक सफल होंगे। परोपकार की भावना आज बलवती रहेगी। आपका दिन आमोद-प्रमोद में व्यतीत होगा।

मकर - आपका आज का दिन मिश्र फलदायी साबित होगा। बौद्धिक कार्यों और व्यवसाय में नई विचारधारा अमल में लाएंगे। परिणाम स्वरूप शारीरिक थकान और ऊबन रहेगी। संतान को लेकर चिंता होगी।

कुंभ - नकारात्मक विचारों से मन में हताशा जन्म लेगी। इस समय मानसिक उद्वेग और क्रोध की भावना अनुभव होगी। खर्च बढ़ेगा। वाणी पर संयम न रहने के कारण परिवार में मनमुटाव और झगड़े होने की संभावना है।

मीन - आपका आज का दिन सुख-शांति से व्यतीत होगा। व्यापारियों को भागीदारी के लिए उत्तम समय है। दांपत्य जीवन में निकटता का अनुभव होगा। मित्रों तथा स्वजनों के साथ मुलाकात होगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1659- मुगल शासक औरंगजेब आधिकारिक रूप से दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
1944- रोम मित्र सेनाओं के कब्जे में। द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी, इटली और जापान की नाज़ी तिकड़ी वाले देशों की राजधानियों में से मित्र सेनाओं के कब्ज़े में आने वाला रोम पहला शहर था।
1953- डेनमार्क में आज ही के दिन नया संविधान लागू हुआ।
1967- इजरायल ने मिस्र पर हमला कर उसके करीब चार सौ लड़ाकू विमान नष्ट कर दिए।
1968- अमरीका के शहर लॉस एंजलिस के एक होटल में मशहूर अमरीकी सांसद रॉबर्ट कैनडी पर जानलेवा हमला। हमलावर को तत्काल पकड़ लिया गया और उसे उम्रकैद की सजा हुई। वह फिलिस्तीनी मूल का था और उसका कहना था कि उसने अपने देश के लिए यह कदम उठाया।
1972- संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए पांच जून साल 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा की। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, 1974 को मनाया गया।
1984- पंजाब के अमृतसर में सिखों के धर्म स्थल स्वर्ण मंदिर में भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू-स्टार को अंजाम दिया।
1990- सोवियत संघ के आखिरी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
2002- भारत की सीमा पर साझा गश्त के प्रस्ताव को पाकिस्तान ने खारिज किया।
2005- ताइवन ने पहली क्रूज मिसाल का सफल परीक्षण किया।
2013- अमेरिकी जासूस स्नोडेन ने खुलासा किया कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी लाखों लोगों के फोन रिकॉर्ड जुटा रही है।

चीन की 'अतिक्षमता' के बारे में आलोचना निराधार है : जर्मन विशेषज्ञ

बीजिंग, 4 जून (एजेंसियां)। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड मैनेजमेंट के प्रोफेसर होर्स्ट लोएचेल ने हाल ही में अखबार फ्रैंकफ़र्टर ऑलगेमाइन ज़ितुंग में एक टिप्पणी प्रकाशित की, जिसमें कहा गया कि चीन में तथाकथित अतिक्षमता एक गलत प्रस्ताव है, व्यापार संरक्षणवाद का पालन करना यूरोपीय उद्योगों के विकास के लिए फायदेमंद नहीं है। यूरोपीय संघ को अपने उद्यमों और बाजारों की प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार को मजबूत करना चाहिए।

टिप्पणी में कहा गया कि साल 2023 में, जर्मन निर्यात जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40 प्रतिशत था, जिसे आयात करने वाले देशों के लिए एक गंभीर अतिक्षमता भी माना जाएगा। लेकिन, वास्तव में, मजबूत निर्यात जर्मनी की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रतिबिंब है और इसके आर्थिक विकास को बढ़ावा

■ चीन की तुलना में, जर्मनी के निर्यात का उसके कुल आर्थिक उत्पादन में बड़ा हिस्सा है, जिसका अर्थ है कि जर्मनी का आर्थिक विकास निर्यात पर अधिक निर्भर है : प्रोफेसर लोएचेल

देता है, जर्मनी के पास इस पर गर्व करने का कारण है। प्रोफेसर लोएचेल का मानना है कि चीन की तुलना में, जर्मनी के निर्यात का उसके कुल आर्थिक उत्पादन में बड़ा हिस्सा है, जिसका अर्थ है कि जर्मनी का आर्थिक विकास निर्यात पर अधिक निर्भर है। इसे देखते हुए, हमें अतिक्षमता के लिए दूसरों की आलोचना करते समय बेहद सतर्क रहना चाहिए। लेख में यह भी कहा गया कि बाज़ार अर्थव्यवस्था की दृष्टि से देखा जाए, तो चीन की अतिक्षमता की आलोचना अनुचित है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार कीमत और गुणवत्ता में तुलनात्मक लाभ है, किसी भी कंपनी या उपभोक्ता को विदेशी उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। किसी विशेष उत्पाद की खरीद आर्थिक स्तर पर तर्कसंगत सोच से अधिक होती है। अपने लेख में प्रोफेसर लोएचेल ने कहा कि यह एक निर्विवाद तथ्य है कि यूरोप की प्रतिस्पर्धात्मकता इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में चीन से पीछे है। लेकिन, चीन की अतिक्षमता के बारे में शिकायत करना बाजार अर्थव्यवस्था के तहत कोई समाधान योजना नहीं है।

तुर्की में प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा, 4 जून (एजेंसियां)। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को मध्य तुर्की के काइसेरी प्रांत में सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हमारे वायु सेना कमांड का एक एसएफ-260डी प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण/परीक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमांड से उड़ा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय गवर्नरेट के अनुसार, विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अरपा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम चीन-अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण : विशेषज्ञ

बीजिंग, 4 जून (एजेंसियां)। चीन ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि चीन अगले पांच वर्षों में 50 हजार अमेरिकी युवाओं को आदान-प्रदान और अध्ययन के लिए चीन आने के लिए आमंत्रित करने को तैयार है। अमेरिकी युवाओं का समूह चीन आ रहे हैं। चीन के कुआंगचो इंटरनेशनल सिस्टर सिटी यूनिवर्सिटीज एलायंस के सचिवालय के कार्यकारी निदेशक और कुआंगचो विश्वविद्यालय के अमेरिकी विशेषज्ञ स्टीव फर्र ने हाल ही में चाइना डेली में एक लेख लिखा है। इसमें कहा गया है कि युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना चीन-अमेरिका संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। लेख बताता है कि इस वर्ष चीन और अमेरिका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 45वीं वर्षगांठ है। इस पृष्ठभूमि में, 14वीं चीन-अमेरिका पर्यटन नेतृत्व शिखर सम्मेलन हाल ही में चीन के शीआन शहर में आयोजित हुआ।

सेना में विदेशी नागरिकों की भर्ती करेगा ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा, 4 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार ने घोषणा की है कि जो विदेशी कम से कम 12 महीने तक देश में रह चुके हैं, वे अगले साल से देश की सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के पात्र होंगे। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री और उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस और रक्षा कार्मिक मंत्री मैट कीओग ने मंगलवार को कैनबरा में इस पहल की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) के विस्तार में मदद मिलेगी। विस्तारित पात्रता मानदंडों के तहत, न्यूजीलैंड के वे लोग जो ऑस्ट्रेलिया के स्थायी निवासी हैं और कम से कम 12 महीने से देश में रह रहे हैं, वे इसी साल 1 जुलाई से एडीएफ में शामिल हो सकेंगे। अगले साल से समान मानदंडों को पूरा करने वाले अन्य सभी देशों के नागरिक एडीएफ में सेवा करने के पात्र हो जाएंगे। शर्त यह होगी कि आवेदकों ने पिछले दो साल में किसी विदेशी सेना में सेवा न की हो और वे एडीएफ में प्रवेश के

■ अगले साल से समान मानदंडों को पूरा करने वाले अन्य सभी देशों के नागरिक एडीएफ में सेवा करने के पात्र हो जाएंगे

मानकों और सुरक्षा आवश्यकताओं के अधीन होंगे। कीओग ने मार्लेस के साथ एक संयुक्त बयान में कहा कि पात्रता का विस्तार करने से सेना में जवानों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। अप्रैल में मार्लेस द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति के अनुसार, 2020-21 और 2022-23 के बीच भर्ती लक्ष्यों का 80 प्रतिशत हासिल करने के बाद एडीएफ में वर्तमान में 4,400 जवानों की कमी है।

वर्ग पहेली-6575

१ अ	द्धं	२ वा	र्षि	३ क		४ अ	सं	५ ब	द्ध
व		म		६ र	तौं	धी		ह	
७ गु	ना	ह		क		८ न	ट	रा	९ ज
ण		स्ति		१० म	ध्य	स्थ			न्मो
	११ वि	क	१२ रा	ल			१३ वी	भ	त्स
	फ		जी		१४ भं	डा	रा		व
१५ क	ल	१६ र	व		ज		१७ न	१८ या	
र		ण		१९ क	न	२० क		च	
२१ ब	ढ	ना		स		२३ ठि	ठ	क	२४ ना
द्ध		२४ द	क्षि	णा	य	न			ना

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दौरा *इस्लामाबाद की कमजोर अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए चीन की ओर देख रहा है*

पाक प्रधानमंत्री पांच दिनों की यात्रा पर चीन रवाना

इस्लामाबाद, 4 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पांच दिनों की अपनी चीन की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। शहबाज शरीफ अधिक ऋण, बुनियादी ढांचा सौदों और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए चीन की यात्रा पर निकले हैं। पीएम शहबाज शरीफ अपनी पांच दिवसीय यात्रा में बीजिंग में शीर्ष नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होंगे। इसके साथ ही वह बीजिंग, शीआन और शेनझेन का दौरा करेंगे।

पाकिस्तान अधिक निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर करने और सीपीईसी के तहत विलंबित परियोजनाओं को गति देने और इस्लामाबाद की कमजोर अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए चीन की ओर देख रहा है। सीपीईसी चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का एक प्रमुख घटक है। 62 बिलियन डॉलर की इस परियोजना को औपचारिक रूप से 2015 में लॉन्च किया गया था। इसे नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा गेम चेंजर बताया जा रहा था। इस परियोजना में प्रमुख ग्वादर पोर्ट बिजली संयंत्र और पूरे पाकिस्तान में सड़क नेटवर्क शामिल है। शहबाज शरीफ की चीन की यात्रा का प्रमुख लक्ष्य अपनी देश की रुकी हुई परियोजनाओं में तेजी लाना और निवेश तलाशना है। पाकिस्तान विदेश

■ 62 बिलियन डॉलर की इस परियोजना को औपचारिक रूप से 2015 में लॉन्च किया गया था

कार्यालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, प्रधानमंत्री इस यात्रा में तेल और गैस, ऊर्जा, आईसीटी और उभरती प्रौद्योगिकियों में काम करने वाली अग्रणी चीनी कंपनियों के कॉर्पोरेट अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। शेनझेन में वे दोनों देशों के प्रमुख व्यवसायियों, उद्यमियों और निवेशकों के साथ चीन-पाकिस्तान व्यापार मंच को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया, दोनों देश ऑल-वेदर स्ट्रेटेजिक कोऑपरेटिव पार्टनरशिप को मजबूत करने, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को उन्नत करने, व्यापार और निवेश को आगे बढ़ाने, सुरक्षा और रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और शिक्षा में सहयोग बढ़ाने, सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने पर बात करेंगे। इससे पाकिस्तान-चीन दोस्ती का भविष्य तय होगा। प्रधानमंत्री की चीन यात्रा से एक दिन पहले चीनी विद्युत संयंत्रों को एकमुश्त भुगतान सुनिश्चित किया गया, जिसका उद्देश्य चीनी कंपनियों का बकाया कम करना था, ताकि गतिरोध दूर किया जा सके और 600 मिलियन डॉलर के वाणिज्यिक ऋण के साथ-साथ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अधिक वित्तपोषण प्राप्त करने की बेहतर स्थिति में पहुंचा जा सके।

दुनिया को जानें

चीन-क्यूबा सहयोग का एक मॉडल बन गए हैं : चीनी विदेश मंत्रालय

बीजिंग। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने एक नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज पैरिला चीनी लोगों के पुराने और अच्छे मित्र हैं। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज़-कैनेल के विशेष दूत के रूप में उनकी चीन यात्रा ने चीन और क्यूबा के बीच उच्च स्तर के राजनीतिक आपसी विश्वास और विशेष मैत्रीपूर्ण संबंधों को उजागर किया। चीन इस यात्रा को बहुत महत्व देता है। चीनी नेता और विभिन्न सक्षम विभागों के प्रमुख चीन-क्यूबा संबंधों और आम हित के मुद्दों पर गहन विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए विशेष दूत ब्रूनो रोड्रिग्ज पैरिला से मिलेंगे। चीन और क्यूबा अच्छे दोस्त, अच्छे साथी और अच्छे भाई हैं। हाल के वर्षों में, दोनों राष्ट्राध्यक्षों के रणनीतिक मार्गदर्शन में, चीन-क्यूबा संबंध उच्च स्तर पर संचालित हुए हैं और समाजवादी देशों के बीच एकता, सहयोग और विकासशील देशों के बीच ईमानदारी से पारस्परिक सहायता का एक मॉडल बन गए हैं। चीन को उम्मीद है कि वह इस यात्रा के माध्यम से क्यूबा के साथ रणनीतिक संचार को और मजबूत करेगा, दोनों राष्ट्राध्यक्षों द्वारा पहुंची महत्वपूर्ण सहमति को लागू करेगा।

प्रादेशिकी

टीएचडीसी इंडिया को प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' किया प्रदान

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर. के. विश्नोई ने अवगत कराया कि संगठन को 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' के प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रमाणन ग्रेट प्लेस टू वर्क, इंडिया द्वारा जारी किया गया है जो सकारात्मक और समावेशी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ता प्रदान करता है। मानव संसाधन प्रयासों और समावेशी कार्य संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, श्री विश्नोई ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि गहन मूल्यांकन मापदंडों पर आधारित इस अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अनुकरणीय मानव संसाधन प्रयासों और कार्य संस्कृति को मान्यता दी है। उन्होंने कहा कि जल विद्युत के दोहन की प्रक्रिया में आने वाली सभी असाधारण चुनौतियों का समाधान खोजने के साथ ही टीएचडीसी के सभी कर्मचारी सकारात्मक और सहयोगात्मक वातावरण को बढ़ावा देने में निरंतर अटूट समर्पण और अद्वितीय उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहे हैं।

अधर में लटका शासन का तबादला आदेश

देहरादून, 4 जून (देशबन्धु)। पंचायती राज विभाग इन दिनों ऐसे कई फैसलों को लेकर सुर्खियों में है, जिन्हें नियम कानून के विपरीत माना जा रहा है। ताजा मामला अधर

■ सचिव के फैसले से हैरान पंचायतीराज महकमा

में लटके उन ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के तबादले से जुड़ा है, जिन्हें शासन ने बिना निदेशालय की जानकारी के ही स्थानांतरित कर दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि पंचायती राज विभाग में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी जिला कैडर के पद हैं और स्थानांतरण आदेश में इन्हें एक जिले से दूसरे जिले में तैनाती दे दी गई। उधर इस आदेश के जारी होने के बाद पंचायती राज विभाग में अधिकारियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। हालांकि पंचायतीराज सचिव हरिश्चंद्र

सेमवाल के इस आदेश के बाद निदेशक पंचायतीराज निधि यादव ने स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को निदेशालय में अटैच करने के आदेश जारी किए हैं।

पहले पंचायतीराज सचिव हरिश्चंद्र सेमवाल के ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को दूसरे जिलों में स्थानांतरित करना और फिर निदेशक निधि यादव द्वारा इस आदेश को नियम विरुद्ध बताते हुए इस पर रोक लगाना शासन और निदेशालय के बीच की खींचतान को बढ़ा रहा है। हालांकि जो तथ्य निदेशालय स्तर पर रखे गए हैं, उससे सचिव पंचायती राज हरिश्चंद्र सेमवाल के तबादले से जुड़े आदेश नियमों से उलट दिखाई दे रहे हैं। निदेशालय स्तर पर लिखे गए पत्र से स्पष्ट है कि शासन के इस निर्णय से न केवल नियमों का उल्लंघन हुआ है, बल्कि इससे जिला स्तर पर संबंधित पद में रोस्टर भी प्रभावित होगा। इतना ही नहीं कुछ जिलों में स्वीकृत पद के सापेक्ष तैनात अधिकारियों की संख्या भी अधिक हो जाएगी। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए निदेशालय पंचायती राज ने शासन के आदेश पर एक बार फिर विचार करने के लिए कहा है। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि पंचायती राज सचिव ने ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के ताबड़तोड़ तबादले आचार संहिता लगने से ठीक पहले किए। पंचायती राज सचिव हरिश्चंद्र सेमवाल द्वारा किए गए इन तबादलों के पीछे की वजह को जानने के लिए सचिव के कार्यालय में भी उनसे मिलने पहुंची, लेकिन उनसे मुलाकात नही हो पाई।

वहीं, दूसरी तरफ शासन स्तर पर जिला कैडर के अधिकारियों को दूसरे जिले में स्थानांतरित करने के बाद सूची में शामिल अधिकारी भी असमंजस में आ गए हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता लागू है, लेकिन 6 जून को आचार संहिता समाप्त होने के बाद इसपर कोई बड़ा फैसला होना संभव है।

हिमाचल की सुक्खू सरकार सुरक्षित,चार सीटों पर कांग्रेस विजयी

शिमला, 4 जून (एजेंसियां)। हिमाचल में कांग्रेस ने छह विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में चार सीटों पर जीत कर राज्य में अपनी पैठ मजबूत कर ली। वहीं विपक्षी भारतीय जनता पार्टी महज दो सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई है और सत्ताधारी कांग्रेस सरकार को गिराने व अस्थिर करने का पैंतरा धरा का धरा रह गया। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के गृह जिला ऊना में कांग्रेस को सभी दो सीटों जबकि मुख्यमंत्री सुक्खू के गृह जिला हमीरपुर में एक सीट मिली है। जनजातीय जिला लाहौल स्पीति की सीट भी कांग्रेस के खाते में गई है। वहीं भाजपा बड़सर और धर्मशाला में जीत दर्ज कर पाई है। चुनाव आयोग ने छह विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनावों में चार कांग्रेस प्रत्याशी व दो भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को विजय घोषित किया है। उपचुनाव के नतीजों में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी विपक्षी भाजपा पर भारी साबित हुई है। मतदाताओं ने कांग्र स से भाजपा में शामिल छह पूर्व विधायकों में से चार को उपचुनाव में नकार दिया है। लाहौल स्पीति, सुजानपुर कुटलैहड़ और गगरेट विधानसभा सीटों पर कांग्रेस ने परचम लहराया। वहीं धर्मशाला और बड़सर में भाजपा को जीत मिली। कांग्रेस के रणजीत सिंह राणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के राजेन्द्र राणा को 2440 मतों से हराया। रणजीत राणा को 29529 मत मिले, जबकि भाजपा के राजेन्द्र राणा 27089 मत हासिल किए। इस सीट पर अन्य चार प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। लाहौल-स्पीति से कांग्रेस ने एक बार फिर अपना परचम लहराया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने टिकट बंटवारे पर फोड़ा ठींकरा

देहरादून, 4 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी ने हिंदू-मुस्लिम और हिंसा का सहारा लेते हुए चुनाव लड़ने की कोशिश की। मणिपुर राज्य सीधा उदाहरण है, जहां भारतीय जनता पार्टी ने दंगों का फायदा उठाया और लोकसभा चुनाव में इसका लाभ लिया। जहां तक बात उत्तराखंड में पांच लोकसभा सीटों की है तो यहां भी भारतीय जनता पार्टी ने वोटों के ध्रुवीकरण के जरिए चुनाव को जीतने की कोशिश की। हालांकि, इसके बावजूद भी कांग्रेस ने पहले के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है और जीत हार के अंतर को कम करने में भी सफलता पाई है। करन माहरा ने कहा कि जो रुझान आ रहे हैं, उससे यह साफ है कि कांग्रेस ने अच्छा चुनाव लड़ा है। उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर हार को लेकर कहा कि वह इस बात को मानते हैं कि प्रदेश में और बेहतर प्रत्याशी के रूप में बड़े चेहरों को टिकट दिया जा सकता था। यदि कांग्रेस यशपाल आर्य, हरीश रावत और प्रीतम सिंह को टिकट देती तो वह आश्वस्त हैं कि इन तीनों सीटों पर कांग्रेस को जीत हासिल होती। इतना ही नहीं, गढ़वाल लोकसभा सीट पर भी इन चेहरों के उतरने से कांग्रेस प्रत्याशी को फायदा मिलता। करन माहरा ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड, बेरोजगारी जैसे बेहद गंभीर मुद्दों पर चुनाव लड़ा। लेकिन भाजपा ने हिंदू-मुस्लिम के तुष्टिकरण का रास्ता अपनाया। ऐसे में पढ़े-लिखे बुद्धिजीवियों ने कांग्रेस का साथ दिया है।

■ उत्तराखंड में कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड, बेरोजगारी जैसे बेहद गंभीर मुद्दों पर चुनाव लड़ा : करन माहरा

सार संक्षेप

चूना पत्थर खदान के पास खाई में गिरी पिकअप, चालक जख्मी

नाहन। हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर में उपमंडल से करीब तीन किलोमीटर दूर दुर्गा चूना पत्थर खादान के समीप पिकअप के खाई में गिरने से चालक को हल्की चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब पांच बजे पिकअप के खाई में गिरने से चालक को हल्की चोटें आई हैं। यह हादसा खुले मोड़ पर उस समय पेश आया जब पिकअप रेणुका जी से संगड़ाह की तरफ आ रही थी। चालक को उपचार के लिए संगड़ाह अस्पताल लाया गया है। मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार चालक के सिर, बाजू व टांगों में हल्की चोटें आई हैं। चालक को प्राथमिक उपचार देने के बाद घर भेज दिया जाएगा। तीस वर्षीय चालक अरुण कुमार पुत्र लायक राम शिमला जिला की कुपवी तहसील के मझोली गांव का रहने वाला है। संगड़ाह के पुलिस उपाधीक्षक मुकेश डडवाल ने बताया कि हादसे के कारणों को लेकर तहकीकात जारी है।

सुक्खू को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए : बिंदल

शिमला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को हिमाचल में लोक सभा की चारों सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। इसको लेकर पूरे हिमाचल प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं में अद्भुत जोश देखने को मिला। कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर और शिमला में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी रैलियां निकाली गई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारों से हिमाचल गूंज उठा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने शिमला मुख्यालय में रहे जहां सुबह से उन्होंने चुनावी खाके पर नजर गड़ाए रखी थी और पूरे प्रदेश के आंकड़ों को एकत्रित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कहा कि भाजपा कांगड़ा संसदीय सीट 251895, मंडी 73482, हमीरपुर 178056 और शिमला 90548 के अंतर से जीती। उन्होंने कहा की देश की जनता ने पीएम मोदी के नेतृत्व को पूरा आशीर्वाद दिया है, एनडीए को जनता ने पूर्ण बहुमत दिया है।

लाखों की चरस सहित दो गिरफ्तार

टिहरी। पहाड़ों से चरस तस्करी कर ला रहे दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक किलो चरस व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार थाना देवप्रयाग पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थों की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बछेली खाल में बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हें घेर कर रोका गया।

सुडोकू 6576 का हल

5	2	9	1	7	3	6	4	8
8	6	7	9	4	2	3	5	1
3	1	4	5	8	6	9	7	2
7	9	2	8	6	5	4	1	3
6	4	5	7	3	1	8	2	9
1	8	3	2	9	4	7	6	5
4	7	1	3	5	9	2	8	6
9	5	8	6	2	7	1	3	4
2	3	6	4	1	8	5	9	7

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ सीट पर अजय टम्टा ने लगाई जीत की हैट्रिक, प्रदीप टम्टा को हराया

देहरादून, 4 जून (देशबन्धु)। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर रुझान भाजपा के पक्ष आ चुके हैं। पांचों सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी लगभग जीत दर्ज कर रहे हैं। कुमाऊं मंडल की दोनों अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ और नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट पर भाजपा प्रत्याशियों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की है। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोकसभा सीट पर अजय टम्टा ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप टम्टा को करीब 2 लाख वोटों के अंतर से हराया है। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ सीट पर अजय टम्टा ने जीत हासिल करने के साथ ही जीत की हैट्रिक लगा ली है। इससे पहले अजय टम्टा 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी जीत हासिल कर चुके हैं। दोनों ही चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के प्रदीप टम्टा को ही पटखनी दी। उस दौरान भी अजय टम्टा के जीत का अंतर काफी रहा था। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा प्रत्याशी अजय टम्टा ने प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं छोड़ी। अल्मोड़ा सीट पर अजय टम्टा चुनावी खर्च करने में सबसे आगे रहे। उन्होंने निगरानी समिति को दिए गए चुनावी खर्च के ब्यूरो के मुताबिक, इस चुनाव में 76 लाख 98 हजार 843 रुपए खर्च किए। जबकि कांग्रेस के प्रदीप टम्टा ने 51 लाख 76 हजार 957 रुपए खर्च किए।

अजय टम्टा का राजनीतिक सफर

अजय टम्टा छात्र जीवन से ही एबीवीपी से जुड़ गए थे। साल 1996 में अजय टम्टा पहली बार जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए। इसके बाद 1997 में अजय टम्टा अल्मोड़ा के जिला पंचायत अध्यक्ष बने। अजय टम्टा देश में सबसे कम उम्र के जिला पंचायत अध्यक्ष बने थे। 2007 में अजय टम्टा ने पहली बार सोमेश्वर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा। यहां से जीतकर अजय टम्टा विधायक बने। जिसके बाद अजय टम्टा को खंडूड़ी सरकार में राज्यमंत्री बनाया गया। 2008 में ही अजय टम्टा राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। 2010 में भाजपा ने अजय टम्टा को पार्टी के अनुसूचित जाति, जनजाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया। 2011 में अजय टम्टा को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। इसके बाद 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उन्हें चुनावी मैदान में उतारा। इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कांग्रेस के प्रदीप टम्टा ने हराया। इसके बाद टम्टा ने 2012 में सोमेश्वर विस सीट से फिर से विधानसभा चुनाव लड़ा। जहां वे जीतकर विधायक के तौर पर विधानसभा पहुंचे।

अजय भट्ट के सिर फिर नैनीताल उधमसिंह नगर लोकसभा का ताज

देहरादून। उत्तराखंड की नैनीताल लोकसभा सीट पर बीजेपी कैंडिडेट अजय भट्ट ने बंपर जीत दर्ज की है। अजय भट्ट ने कांग्रेस कैंडिडेट प्रकाश जोशी को बुरी तरह से हराया। जीत के बाद अजय भट्ट ने कार्यकर्ताओं के साथ जनता का आभार जताया है। अजय भट्ट ने इस जीत को पीएम मोदी के नेतृत्व की जीत बताया है। अजय भट्ट ने कहा देश की कहा नैनीताल जनपद की जनता का प्यार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिला है। अजय भट्ट बीजेपी के वरिष्ठ नेता है। वे मोदी सरकार में रक्षा राज्य मंत्री रह चुके हैं। अजय भट्ट उत्तराखंड बीजेपी में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। उनका राजनीतिक रूप से भाजपा में एक लंबा सफर रहा है। अजय भट्ट मूल रूप से अल्मोड़ा जिले के रानीखेत क्षेत्र से आते हैं, अजय भट्ट का शैक्षणिक योग्यता देखें तो उन्होंने अल्मोड़ा कॉलेज से बी ए एलएलबी किया है। कानून की पढ़ाई करने के साथ ही उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के सफर को शुरू किया। साल 1985 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की युवा इकाई को ज्वाइन किया। भारतीय जनता युवा मोर्चा में राजनीति की शुरुआत करते हुए युवाओं का प्रतिनिधित्व करना शुरू किया और जल्द ही वह उत्तर प्रदेश इकाई की वर्किंग कमेटी के सदस्य भी बन गए। इसके बाद भाजपा में संगठन के तौर पर उन्होंने अल्मोड़ा जिले के संगठन मंत्री के रूप में भी काम किया। जबकि इसी साल 1985 में उन्हें भाजपा राज्य कार्यकारिणी का सदस्य भी बना दिया गया। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान भी अजय भट्ट ने महत्वपूर्ण और सक्रिय भूमिका को अदा किया। इसके बाद 1996 में उन्होंने विधानसभा का चुनाव लड़ जीत हासिल की। राज्य स्थापना के बाद हुए विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत हासिल कर विधानसभा का सदस्य बनने में कामयाबी हासिल की। इसके बाद साल 2012 के विधानसभा चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे, इस दौरान सरकार कांग्रेस की बनी लिहाजा वह नेता प्रतिपक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुने गए।

टिहरी लोकसभा सीट पर हिट रहा भाजपा का 'राजशाही' फार्मूला

देहरादून। उत्तराखंड की टिहरी लोकसभा सीट पर भी बीजेपी ने जीत दर्ज की है। टिहरी लोकसभा सीट पर हुए त्रिकोणीय मुकाबले में बीजेपी कैंडिडेट माला राज्यलक्ष्मी शाह ने जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ माला राज्यलक्ष्मी शाह ने अपने विजय रथ को जारी रखा है। टिहरी लोकसभा सीट पर माला राज्यलक्ष्मी शाह ने कांग्रेस के जोत सिंह गुनसोला को हराया। इस सीट पर निर्दलीय बॉबी पंवार भी टक्कर में थे। टिहरी सीट पर हुए रोचक मुकाबले में आखिर एक बार फिर से माला राज्यलक्ष्मी शाह ने खुद को साबित किया।

बता दें माला राज्यलक्ष्मी शाह राजशाही परिवार से आती हैं। वे टिहरी राजघराने की बहू हैं। माला राज्य लक्ष्मी शाह कद्दावर नेता मानवेन्द्र शाह की बहू हैं। राजा मानवेन्द्र शाह 9 बार सांसद रहे। संभवत सबसे लंबे समय तक सांसद रहे। माला राज्य लक्ष्मी उत्तराखंड की पहली महिला सांसद हैं। 2012 में अपने सांसद ससुर मानवेन्द्र शाह के निधन के बाद पहली दफा उपचुनाव में जीती थी। पहली बार उन्होंने उप चुनाव में विजय बहुगुणा के पुत्र साकेत बहुगुणा को हराया। माला राज्य लक्ष्मी शाह 2012 से लगतार 3 बार की सांसद हैं ।

गढ़वाल लोकसभा सीट पर बलूनी ने कांग्रेस के गोदियाल को दी शिकस्त

देहरादून, 4 जून (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तराखंड की सबसे हॉट पौड़ी लोकसभा सीट पर बीजेपी का कमल खिल गया है। पौड़ी लोकसभा सीट पर बीजेपी कैंडिडेट अनिल बलूनी जीत गए हैं। अनिल बलूनी ने कांग्रेस के गणेश गोदियाल को हराया है। बता दें गढ़वाल लोकसभा सीट अनिल बलूनी के लिए टफ दिख रही थी। कांग्रेस कैंडिडेट गणेश गोदियाल ने सोशल मीडिया से लेकर रैलियों में जमकर बलूनी के खिलाफ माहौल बनाया। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि अनिल बलूनी ये सीट हार जाएंगे, मगर आखिर में अनिल बलूनी ने पौड़ी लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की। बता दें अनिल बलूनी उत्तराखंड से राज्यसभा सांसद रहे चुके हैं।

जंगल की आग में झुलसी महिला ने तोड़ा दम, परिजनों में शोक की लहर

श्रीनगर, 4 जून (देशबन्धु)। देवप्रयाग क्षेत्र की क्वीली पालकोट पट्टी के गोदाण गांव में जंगल की आग से झुलसी नव विवाहिता की मौत हो गई है। इस संबंध में पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। वहीं, पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों ने समय पर एंबुलेंस सेवा न मिलने और स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। बता दें कि करीब 21 वर्षीय पूजा आग से झुलस गई थी, जिससे परिजन उसे आनन-फानन में सीएचसी बागी लेकर गए। डॉक्टरों ने पूजा (पीड़िता) का प्राथमिक उपचार करने के बाद ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया, लेकिन जिस अस्पताल की एंबुलेंस से उसे ले जाया जा रहा था, वह शिवमूर्ति के समीप खराब हो गई, जबकि दूसरी एंबुलेंस भी साकनीधार में खराब हो गई। इसके बाद पौड़ी क्षेत्र की ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर आ रही 108 एंबुलेंस ने पूजा को साकनीधार से कौड़ियाला तक पहुंचाया। चौथी एंबुलेंस ने पूजा को एम्स अस्पताल पहुंचा, लेकिन एम्स पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बगसारी के उपप्रधान मनोहर रणाकोटी और कुर्न गांव (पूजा का मायका) की प्रधान पुष्पा रावत ने कहा कि पूजा को एम्स ले जाने के लिए चार एंबुलेंस का सहारा लिया गया। एक ही एबुलेंस समय पर उसे एम्स पहुंचा देती तो, उसकी जान बच सकती थी। पूछताछ में पता चला है कि पूजा अपनी ननद के साथ आग बुझा रही थी, तभी ये हादसा हुआ है। टिहरी गढ़वाल के सीएमओ डॉ। मनु जैन ने बताया कि चार एंबुलेंस बदले जाने और महिला के आग में जलने की घटना संज्ञान में नहीं है।

फेसबुक पेज पर धामी के हुए एक करोड़ फॉलोअर्स

देहरादून, 4 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया में लोकप्रियता की नई मिसाल कायम की है। उत्तराखंड में जहां पक्ष और विपक्ष के नेताओं में मुख्यमंत्री धामी टॉप पर हैं, वहीं देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बाद फॉलोअर्स में देश के बड़े नेताओं में शुमार हो गए हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में देशभर में स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी मिलने, बड़े और कड़े फैसलों से मुख्यमंत्री धामी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। खासकर युवाओं में मुख्यमंत्री धामी का खूब क्रेज दिख रहा है। सोशल मीडिया के फेसबुक प्लेटफार्म पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के रिकॉर्ड 1 करोड़ (10 मिलियन) फॉलोवर्स हो गए हैं। उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देशभर में सभी मुख्यमंत्रियों और पक्ष-विपक्ष के नेताओं में मुख्यमंत्री धामी की सोशल मीडिया में जबरदस्त लोकप्रियता बढ़ी है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत देश के सभी मुख्यमंत्रियों में धामी की लोकप्रियता का ग्राफ सबसे ऊपर है। उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, त्रिवेंद्र सिंह रावत से लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल समेत बड़े नेताओं में मुख्यमंत्री धामी के फालोवर्स कई गुना ज्यादा हैं। इसी तरह देश में कांग्रेस युवराज राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत अन्य बड़े नेताओं में मुख्यमंत्री धामी की फैन फॉलोइंग कई गुना ज्यादा है। बहरहाल, इस बार लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री धामी को देशभर में स्टार प्रचारक की जिम्मेदारी मिलने से उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा है। इसके अलावा राज्य में कड़े और बड़े फैसलों के चलते भी मुख्यमंत्री धामी देशभर में पसंदीदा नेता बने हैं। मुख्यमंत्री धामी के न केवल फेसबुक पेज पर, बल्कि इंस्टाग्राम, ट्वीटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी धमक लगातार बढ़ रही है।

■ लोस चुनाव के दौरान देशभर में पार्टी के स्टार प्रचारक से युवा धामी को पसंद कर रहे विभिन्न प्रदेशों के लोग
■ धामी राज्य में टॉप तो देश में पक्ष विपक्ष के कई बड़े नेताओं से ज्यादा बढ़ी फालोवर्स की संख्या

तीर्थ यात्रियों को स्वच्छ वातावरण में कराए जा रहे बाबा के दर्शन

■ नगर पंचायत एवं सुलभ ने चलाया धाम में संयुक्त रूप से अभियान
■ केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों में निरंतर चल रहा सफाई अभियान

रुद्रप्रयाग, 4 जून (देशबन्धु)। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में बाबा केदार के दर्शन कराए जा रहे हैं, जिससे बाबा के भक्तों में भी खुशी देखने को मिल रही है। जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहवार के निर्देश पर हर दिन धाम से लेकर यात्रा पड़ावों में जिला पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं सुलभ इंटरनेशनल के सफाई कर्मचारी जुटे हुए हैं।

नगर पंचायत केदारनाथ के अधिशासी अधिकारी चंद्रशेखर चौधरी ने बताया कि धाम में नगर पंचायत एवं सुलभ इंटरनेशनल के पर्यावरण मित्रों ने संयुक्त रूप से मंदाकिनी पुल से होते हुए हिमलोक टैंट कालोनी एवं ललित बाबा आश्रम तक स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि सफाई अभियान के दौरान लगभग 40 किलो प्लास्टिक कूड़ा एकत्र किया गया तथा एकत्रित किए गए कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है।

सुलभ इंटरनेशल के इंचार्ज धनंजय पाठक ने बताया कि सुलभ इंटरनेशनल के पर्यावरण मित्रों की ओर से सीतापुर पार्किंग से लेकर केदारनाथ धाम तक यात्रा मार्ग की निरंतर साफ-सफाई की जा रही है। इसके साथ ही केदारनाथ धाम, सीतापुर, सोनप्रयाग एवं यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों में स्थापित सुलभ शौचालयों को भी हर दिन साफ किया जा रहा है। इसके अलावा यात्रा मार्ग में घोड़े-खच्चरों के लिए बनाई गई चरहियों की भी सफाई की जा रही है। कार्यकारी अधिकारी जिला पंचायत सोहन सिंह कठैत ने बताया कि जिला पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों सहित यात्रा मार्ग के विभिन्न स्थानों में निरंतर साफ-सफाई की जा रही है।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुमार कुरील ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न यात्रा मार्गों में पर्यावरण मित्रों द्वारा निरंतर साफ-सफाई की जा रही है। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत तिलवाड़ा वासुदेव डंगवाल ने बताया कि पर्यावरण मित्रों द्वारा तिलवाड़ा क्षेत्रांतर्गत निरंतर साफ-सफाई की जा रही है। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अगस्त्यमुनि कैलाश पटवाल ने बताया कि नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के पर्यावरण मित्रों द्वारा नियमित साफ-सफाई व्यवस्था कराई जा रही है।

प्रादेशिकी

रामपुर के किले पर फिर लहराया समाजवादी पाटी का परचम

रामपुर, 4 जून (एजेंसियां)। दो साल पहले लोकसभा के उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) के हाथ से छिटके रामपुर संसदीय क्षेत्र को पार्टी प्रत्याशी आजम मोहिबुल्लाह ने विजय पताका लहरायी है। उन्होने 87 हजार मतों के बड़े अंतर से भारतीय जनता पार्टी के घनश्याम लोधी को हराया। सपा प्रत्याशी आजम मोहिब्बुल्लाह नदवी को कुल चार लाख 81 हजार 503 वोट मिले। मोहिब्बुल्लाह नदवी को रामपुर लोकसभा क्षेत्र में करीब 17 लाख मतदाता हैं। जिले में 55.75 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिले में नौ लाख 66 हजार 384 मतदाताओं ने मतदान किया था। वर्ष 2022 में हुए उपचुनाव में भाजपा के घनश्याम सिंह लोधी ने जीत दर्ज की थी। उपचुनाव में घनश्याम सिंह लोधी ने 42 हजार 192 वोटों से जीत हासिल की थी।

किसान, नौजवान व कार्यकताओं की नाराजगी बनी भाजपा की हार का कारण

■ रतिभान त्रिपाठी

लखनऊ, 4 जून (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी यूं ही पराजय का सामना नहीं करना पड़ा। पार्टी की अपनी रणनीतिक चूक के साथ कई ऐसे महत्वपूर्ण विषय

■ संविधान बदलने और लोकतंत्र खतरे में जैसे विपक्ष के नैरेटिव को भाजपा काट नहीं पाई

■ प्रदेश में चंद्रशेखर के रूप में नए दलित नेतृत्व का उभार, मायावती हाशिए पर

थे जिन्हें सरकार भी संभाल नहीं पाई। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने भाजपा नेतृत्व और सरकार की खामियों को आधार बनाकर इस कदर हल्ला मचाया कि मतदाताओं को उसकी बात अपील कर गई और वह राज्य की आधे से अधिक सीटें छीनकर महत्वपूर्ण भूमिका में आ गया। भाजपा की यह पराजय उसके राजनीतिक भविष्य के लिए अच्छी नहीं कही जा सकती है। अनुप्रिया पटेल को छोड़कर उत्तर प्रदेश के सारे के सारे केंद्रीय मंत्री चुनाव हार गए। मेनका गांधी जैसी दिग्गज नेता तक को पराजय का सामना करना पड़ा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जितने कम वोटों से जीते हैं उसे इतने बड़े नेता का एक तरह से जैसे तैसे जीत जाना ही कहा जा सकता है। समाजवादी पार्टी की ऐसी आंधी चली कि उत्तर प्रदेश के अनेक भाजपा उम्मीदवार उसी में उड़ गए। पिछले दो लोकसभा चुनाव से लगातार प्रचंड बहुमत हासिल करने वाली भाजपा अबकी समाजवादी पार्टी से भी पीछे हो गई। भाजपानीत राजग के हिस्से में सिर्फ 36 सीटें और कांग्रेसनीत इंडिया ब्लाक के हिस्से में 43 सीटें आई हैं। राजनीतिक प्रेक्षक कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में टिकटों का ग़लत बंटवारा भाजपा की हार का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। भाजपा के दो दर्जन से अधिक सांसदों के खिलाफ एंटीइंकम्बेंसी बताई गई थी। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को इसका फीडबैक भी दिया गया था लेकिन वहां नीचे वालों की बात सुनी नहीं गई। इसके अलावा दो तीन कारण और भी गिनाए जा रहे हैं। एक तो किसानों की नाराज़गी और दूसरे युवाओं की नाराज़गी भी बड़ा कारण मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

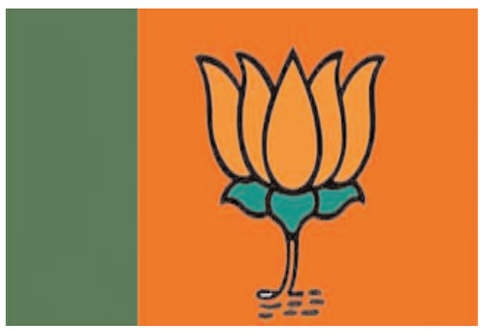

ने उत्तर प्रदेश में आवारा जानवरों की समस्या पर अपनी बात रखते हुए कहा था कि अगले दिसंबर यानी सात आठ महीने बाद सड़कों और खेतों में आवारा जानवर नहीं दिखेंगे पर ऐसा हो नहीं सका। किसान अपनी फसलें चौपट होने से नाराज़ थे। युवाओं की नाराज़गी का मुख्य कारण नौकरियों से जुड़ा है। उनकी नौकरियों पर ग्रहण सा लगा हुआ था। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था तो सुधरी हुई है लेकिन नौकरियों के पेपरलीक और उनके आउट मामले में कानून का डर कायम नहीं हो सका। यह नाराजगी चुनाव में भाजपा को भारी पड़ गई। भाजपा की हार का एक और कारण उसके विधायक और कार्यकर्ता भी बताए जाते हैं जिनकी प्रशासन कुछ सुनता ही नहीं था। कोई विधायक या नेता अफसरों के पास जाते थे तो उनकी सुने बिना ही बहाने बनाकर उन्हें टरका दिया जाता था। वह अपनी शिकायत करें तो किससे, न ऊपर का नेतृत्व सुनता था और न ही मंत्री। कहते हैं जैसे ही चार सौ पार का नारा दिया, विधायकों, कार्यकर्ताओं ने कुछ कहा तो नहीं लेकिन मन ही मन ठान लिया कि ठीक है, जब आप अपने दम पर जीत ही रहे हैं तो जीत लीजिए। एक विधायक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि जब हमारी कोई सुन ही नहीं रहा तो इसे हम अपन सरकार कैसे कहें। राजनीतिक गलियारों में अपनी पकड़ रखने वालों का मानना है कि विपक्ष ने उत्तर प्रदेश में भाजपा और इसकी सरकारों को लेकर जो नैरेटिव तैयार किया, भाजपा इसकी काट नहीं तैयार कर पाई। भाजपा आई तो ये

पिछड़ों व दलितों के मन में जगह नहीं बना पाई

पिछड़ी जातियों में कुर्मी, कुशवाहा समेत ऐसे ही वर्गों को साधकर चुनाव में एक बड़ा संदेश दिया। टिकट वितरण में ऐसी सावधानी तो भाजपा ने भी बरती लेकिन उसकी बात संभवतः पिछड़ों और दलितों के मन में जगह नहीं बना पाई। पिछले दो चुनावों में जिन दलित जातियों ने बसपा के अलावा अगर किसी अन्य पार्टी को वोट दिया था तो वह भाजपा थी लेकिन ऐसा लगता है कि इस बार के चुनाव में बसपा से नाराज़ दलित वोट भाजपा के बजाए सपा को मिल गया। जो बसपा पिछले चुनाव में दस सीटों पर जीती थी, उसका उत्तर प्रदेश से सफाया हो गया। बसपा के मुकाबिल आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर ने नगीना से चुनाव जीत कर यह दिखा दिया कि वही भविष्य के उभरते हुए दलित नेता हैं, मायावती हाशिए पर जा चुकी हैं। उनका युग अब खत्म हो चला है।

संविधान बदल देंगे या लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। इन सारी बातों का जवाब भाजपाई दे नहीं पाए। अयोध्या के सांसद रहे लल्लू सिंह ने खुद ये कहा कि हम चार सौ पार इसलिए चाह रहे हैं कि हम संविधान बदल दें। लल्लू सिंह की इस बात को कांग्रेस और समूचा विपक्ष इस कदर ले उड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य शीर्ष नेताओं की बारंबार सफाई देने पर भी जनता ने उसे अनसुना कर दिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव अपनी सभाओं में यह कहते हुए सुने गए कि अगर अबकी बार भाजपा जीती तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। यह बात भी लोगों के मन में घर कर गई। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन करके मुस्लिम समुदाय को अपने पक्ष में लामबंद कर लिया और टिकट वितरण में पूरी सावधानी भी बरती। पिछड़ों का सामाजिक समीकरण साधने के लिए अपने परिवार के पांच सदस्यों के अलावा अन्य किसी यादव को टिकट नहीं दिया।

बागपत में रालोद के डॉ. राजकुमार सांगवान जीते

बागपत, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बागपत लोकसभा सीट पर रालोद भाजपा गठबंधन प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान ने अपने प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी को करीब डेढ़ लाख मतों से पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जिला निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बागपत लोकसभा की बागपत बड़ौत व छपरौली विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना आज सुबह 8 बजे खेकड़ा के लख्मी चंद पटवारी कॉलेज में शुरू हुई। मतगणना की शुरुआत से ही भाजपा रालोद गठबंधन प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान शुरुआत से ही अपने प्रतिद्वंदियों पर बढ़त बनाये हुए थे। जिससे प्रत्येक राउंड के पश्चात उनकी जीत का आंकड़ा बढ़ता चला गया। 30वे राऊंड की मतगणना के पश्चात भाजपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान 485765 मत लेकर प्रथम स्थान पर, सपा प्रत्याशी पंडित अमरपाल शर्मा 328487 मत लेकर दूसरे स्थान पर तथा बसपा के प्रवीण बैंसला 91740 मत लेकर तीसरे स्थान पर रहे। 30वे राउंड की मतगणना के पश्चात् डॉ राजकुमार सांगवान और उनके प्रतिद्वन्दी के बीच 157278 मतों का अंतर रहा। सिंह ने बताया कि बागपत लोकसभा क्षेत्र में कुल 928628 मत पड़े थे जिनमें से डॉ राजकुमार सांगवान को 485765 मत मिले। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा को 157278 मतों से हराया।

मवाना ओवरहेड टैंक जल निगम के गले की फांस बना

मवाना, 4 जून (देशबन्धु)। मवाना कौल-मुबारिकपुर मार्ग पर निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक का मामला जल निगम के गले की धांस बन गया है। अभी तक तहसील रिकार्ड के अनुसार यह ओवरहेड टैंक रास्ते की भूमि पर बनाया जा रहा है। एसडीएम ने ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य रूकवा दिया गया है। भारतीय किसान यूनियन के एनसीआर महासचिव नरेश चौधरी कल बुधवार को ने एसडीएम से की। उन्होंने चेताया कि कई गांवों को जाने वाले रास्ते पर ओवरहेड टैंक नहीं बनने दिया जायेगा। दूसरी ओर जल निगम के अफ्सर इस मामले में नगर पालिका मवाना के भूमि के रिकार्ड की जांच कर चुके हैं। अमृत 2.0 (अटल मिशन फॉर रिजूवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) योजना के तहत शहरी क्षेत्र के हर घर को नल यानी पानी कनेक्शन देने की तैयारियां हैं। इस योजना के तहत मवाना नगर को पांच जोन में बांटा गया है। पहले जोन में ढिकौली कालोनी के प्राइमरी स्कूल में दो हजार किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक व टयूबवेल, जोन दो में मवाना नगर में ढिकौली गेट के पास नगर पालिका की भूमि पर ओवरहेड टैंक व टयूबवेल, जोन तीन में नगर पालिका आवास परिसर में बनी पुराने ओवरहेड टैंक की मरम्मत व अन्य कार्य होने हैं। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश जल निगम के अफ्सरों के अनुसार इसी योजना में पांचों ओवरहेड टैंकों को भरपूर मात्रा में पानी की उपलब्धता कराने को 15 नये नलकूप बनाये जा रहे हैं। नगर में 138 किमी.नई पाइप लाइन बिछाई जा रही है, जिस कारण पूरे मवाना को खोद डाला गया। मवाना कौल-मुबारिकपुर रोड पर पुनर्गठन पेयजल योजना के तहत पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक व अधिशासी अधिकारी राजीव जैन ने 14 जनवरी 2023 को इस ओवरहेड टैंक के निर्माण का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया था। यहां पर 2500 किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक बनाया जाना था। नगर पालिका मवाना का भूमि रिकार्ड के अनुसार खसरा न. 1581 पालिका का है, जिसका क्षेत्रफल 0.168 हेक्टेयर है, जबकि रास्ते का खसरा 1582 है, जिसका क्षेत्रफल 0.986 हेक्टेयर है। इससे साफ जाहिर होता है कि रास्ते का क्षेत्रफल ज्यादा है और ओवरहेड टैंक के निर्माण रास्ते की भूमि पर किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन के एनसीआर महासचिव नरेश चौधरी ने बताया कि ओवरहेड टैंक का निर्माण कराने वाले ठेकेदार ने उनकी लखनऊ अफ्सरों से शिकायत करने की धमकी दी है, कहा कि आम लोगों के लिए बनाया जा रहा ओवरहेड टैंक के निर्माण में रोड़ा अटका रहे है।

रास्ते की जमीन पर बन रहा है ओवरहेड टैंक

सार संक्षेप

विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्ति हेतु कराए आवेदनः जिला न्यायाधीश

मेरठ। जिला न्यायाधीश रजत सिंह जैन ने बताया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के पत्रांक के द्वारा जनपद न्यायालय में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मेरठ के एक पद पर नियुक्ति हेतु ऐसे अभ्यर्थीयो से जो अन्तर्गत धारा-13 सीआरपीसी के द्वारा विहित योग्यता रखते हो आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र का प्रारूप उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर पिछले पांच वर्षों की चरित्र पंजिका के साथ जनपद न्यायालय मेरठ के प्रशासनिक कार्यालय में 31 जुलाई तक प्राप्त करा सकते है। नियत दिनांक के पश्चात् कोई भी आवेदन ग्रहण नहीं किया जायेगा।

भाजपा प्रत्याशी मुकेश 2678 मतों से रहे विजयी

फर्रुखाबाद। लोकसभा 40 चुनाव में कड़े संघर्ष के बाद भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत 487 963 मत मिले जबकि निकटतम प्रत्याशी इंडिया गठबंधन के डॉक्टर नवल किशोर को 485285 मत मिले। भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत ने तीसरी बार विजयी हुए। सपा प्रत्याशी के समर्थ को मतगणना में धांधली आरोप लगाकर जमकर नारेबाजी की पुलिस ने मतगणना स्थल के बाहर खड़े सपा समर्थकों पर लाठियां भांजी।

इत्र नगरी में सपा की महक

कन्नौज। इत्र नगरी के रूप में विख्यात उत्तर प्रदेश की कन्नौज संसदीय सीट पर सपा उम्मीदवार अखिलेश यादव को रिकार्ड मतों से जीत हासिल हुई है। उन्होंने मौजूदा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार सुब्रत पाठक को करीब एक लाख 70 हजार मतों से करारी शिकस्त दी है।

सूचना

मैंने अपने पुत्र नदीम उर्फ पप्पू के दिनांक 24.11.2021 को किया बेदखलनामा समाप्त कर लिया है। भविष्य में वह मेरी चल व अचल सम्पत्ति में बराबर का हिस्सेदार होगा।

-जफरयाब पुत्र मौ. तकी, निवासी-श्यामपुर रोड मौ. इस्लामाबाद, थाना कितौर, जिला मेरठ।

सूचना

मैंने अपना नाम ISTAKAR से बदलकर ISTKAR CHAUDHARY पुत्र MOMIN रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

-मोहल्ला जमिदारान, मुसलमानान, गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़ 245 205।

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMD SHEJAD से बदलकर MOHAMMD SHAHZAD ANSARI कर लिया है। अत: भविष्य में मुझे MOHAMMD SHAHZAD ANSARI के नाम से ही जाना जाए।

-मोहम्मद शहजाद अन्सारी पुत्र शफीक अहमद निवासी- 437 मोहल्ला कल्याण सिंह, थाना मवाना, मेरठ।

झांसी से भाजपा उम्मीदवार ने हासिल की जीत

झांसी, 4 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की झांसी संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अनुराग शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप जैन आदित्य को 1,02,438 मतों से हराकर बड़ी जीत हासिल की। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार को 6,89,438 मत प्राप्त हुए जबकि इंडिया गठबंधन उम्मीदवार को 5,87000 मत प्राप्त हुए । इस तरह भाजपा उम्मीदवार ने यह सीट एकलाख दो हजार438 के अंतर से जीत ली। इस सीट पर बसपर उम्मीदवार रवि प्रकाश को मात्र 63106 मत ही हासिल हो सके। इसके अलावा 15290 मत नोटा को पड़े। जीत के बाद मतगणना स्थल भोजला मंडी पर जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने विजयी भाजपा प्रत्याशी अनुराग शर्मा को विजय प्रमाणपत्र सौंपा। इस सीट पर भाजपा और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के बीच कड़ा मुकाबला हुआ लेकिन शुरूआती रूझानों से ही श्री शर्मा गठबंधन के उम्मीदवार पर बढ़त बनाये रहे और पूरे चक्रों की मतगणना के दौरान एक भी चक्र में इस ट्रेंड में कोई बदलाव नहीं आया।

अग्निशमन दल ने स्थानों का किया चयन

मवाना, 4 जून (देशबन्धु)। मवाना नगर में मुख्य सुभाष बाजार में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाने के लिए पांच फायर हाइडेंट लगाने के लिए स्थान चयनित कर लिये गये है। पांच फायर हाइडेंट लगने से बाजार में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाया जा सकेगा। संकरी गलियां होने के कारण फ्यर ब्रिगेड की गाड़ी अंदर नहीं आ सकती है। मवाना नगर में बने बाजार सुभाष बाजार, दयानंद बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, डा.मानवेन्द्र की दुकान से अंदर का बाजार संकरे रास्तों पर है। रास्ते संकरे होने के कारण आग लगने वाल घटनाओं पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड की टीम असहाय महसूस करती है। बाजार की गलियों में अक्सर आग लगती रहती है। ऐसी दशा में फायर ब्रिगेड की जो गाड़ी अंदर बाजार में जाकर आग बुझा सकती है, उसके पानी भरने की क्षमता मात्र 300 लीटर ही हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए संयुक्त व्यापारी एसोसिएशन मवाना के

■ बाजार में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाया जा सकेगा

पदाधिकारियों ने वर्ष 2019 से कई सालों तक तहसील दिवस, नगर पालिका समाधान दिवस पर लिखित शिकायत की। तत्कालीन उपजिलाधिकारी मवाना अंकुर श्रीवास्तव ने व्यापारियों, फायर ब्रिगेड के अधिकारियों एवम नगर पालिका मवाना की एक संयुक्त टीम बनाकर मवाना में बाजारों का सर्वे कर फायर हाइड्रेंट लगाने के लिए 12 जगह चिन्हित की थी। संयुक्त व्यापारी एसोसिएशन मवाना के लगातार प्रयास करने के बाद नगर पालिका मवाना द्वारा फायर हाइड्रेंट के लिए टेंडर छोड़ा गया, जिसमें से कुछ जगह फायर हाइड्रेंट लग गए हैं और कुछ जगह बाकी है। फायर ब्रिगेड की टीम ने इस मामले में 27 मार्च 24 को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को पत्र लिखा कि बाजारों में आग से बचाव के लिए फायर हाइडेंट लगाने के लिए स्थानों का चयन कर लिया जाये। इस समय नगर में पानी की पाइप लाइन बिछाई जा रही है। इस पर कार्रवई करते हुए मंगलवार सुबह फ्यर ब्रिगेड की टीम ने नगर पालिका के चेयरमैन अखिल कौशिक के सहयोग से पांच स्थानों पर फायर हाइडेंट लगाने के लिए चयन कर लिया है।

सपा ने भाजपा से छीनी बांदा सीट

बांदा, 4 जून (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश बांदा संसदीय क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल ने भाजपा के आरके पटेल को 71 हजार 210 वोटो से पराजित कर उनसे सीट छीन ली। सपा की कृष्णादेवी पटेल को 4,06567 मत मिले वहीं भाजपाके आर के पटेल के खाते में तीन लाख 35 हजार 357 मत आए। बसपा के मयंक द्विवेदी दो लाख 45 हजार 745 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। इस क्षेत्र में आजादी के बाद किसी महिला प्रत्याशी ने दोबारा जीत दर्ज की है। इसके पूर्व वर्ष 1962 में सावित्री निगम ने पहली बार विजय श्री प्राप्त कर सीट जीती थी। बांदा संसदीय क्षेत्र में पिछले दो चुनाव में यह सीट भाजपा के खाते में रही है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भैरव प्रसाद मिश्र और वर्ष 2019 के सम्पन्न चुनाव में आर के पटेल भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते थे।

इटावा में भाजपा के कठेरिया को मिली शिकस्त

इटावा, 4 जून (एजेंसियां)। यादव परिवार के गृह जिले इटावा में समाजवादी पार्टी (सपा) ने विजय पताका लहरायी है। सपा उम्मीदवार जितेंद्र दोहरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो रामशंकर कठेरिया को 58 हजार 419 मतों से हराया है। जितेंद्र दोहरे को 490747 मत मिले जब की प्रो रामशंकर कठेरिया को 432328 मत हासिल हुए है। जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश राय ने रात आठ बजे के करीब सपा उम्मीदवार जितेंद्र दोहरे को जीत का प्रमाण पत्र

प्रदान कर दिया है। मूल रूप से बसपा की पृष्ठभूमि से जुड़े जितेंद्र दोहरे ने साल 2020 में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। जितेंद्र दोहरे बसपा के महामंत्री के साथ साथ जिला अध्यक्ष भी रह चुके है। पहली दफा संसदीय चुनाव में उतरे जितेंद्र दोहरे की जीत में समाजवादी पार्टी के पीडीए फार्मूले का बड़ा योगदान माना जा रहा है। बसपा की पृष्ठभूमि से जुड़े हुए जितेंद्र दोहरे ने इटावा संसदीय सीट पर भारतीय जनता पार्टी की हैट्रिक में ब्रेक लगा दिया है। भारतीय जनता पार्टी ऐसा मान करके चल रही थी कि 2014, 2019 के बाद 2024 में भी उसकी पार्टी की ही जीत होगी लेकिन इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार जितेंद्र दोहरे की रणनीति के आगे भाजपा की प्लानिंग पूरी तरह से फेल हो गई। इस सीट पर करीब डेढ़ दशक पहले साल 2009 में समाजवादी पार्टी के प्रेमदास कठेरिया ने जीत हासिल की।

फिरोजाबाद में सपा की `अक्षय' जीत

फिरोजाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की फिरोजाबाद संसदीय सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को तगड़ा झटका देते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार अक्षय यादव ने जीत हासिल की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भारतीय जनता पार्टी के ठाकुर विश्वदीप सिंह को 89 हजार 312 मतों से परास्त किया है। पहले चक्र से लेकर आखिरी चक्र तक सपा उम्मीदवार अक्षय यादव आगे रहे हैं और जब प्रमाण पत्र की बारी आई तब तक अक्षय यादव आगे ही रहे हैं।

अक्षय को पांच लाख 43 हजार 37 वोट मिले जबकि भाजपाके विश्वदीप को चार लाख 53 हजार 725 मत मिले।

सपा के देवेश शाक्य से हारे भाजपा के राजवीर

एटा, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की एटा संसदीय सीट पर समाजवादी पार्टी (सपा) उम्मीदवार देवेश शाक्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गढ़ पर सेंध लगाते हुये मौजूदा सांसद एवं प्रत्याशी राजवीर सिंह 'राजू' को रोमांचक मुकाबले में शिकस्त झेलने पर मजबूर कर दिया। देवेश शाक्य ने जीत के बाद एटा और कासगंज की जानता का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि ये जीत मेरी नहीं है एटा और कासगंज की जनता की जीत है। शाक्य ने एटा लोकसभा से दो बार लगातार सांसद रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह को हराया है जो लगातार दो बार एटा लोकसभा सीट के सांसद थे और इनकी पकड़ और राजनीतिक रसूख बहुत अच्छा था। एटा लोकसभा से चुनाव जीतने पर देवेश शाक्य ने राजवीर सिंह के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और राजवीर सिंह ने उनको जीत की बधाई दी। देवेश शाक्य ने राजवीर सिंह को लगभग 28000 से अधिक मतों से पराजित किया। उन्होंने कहा ये जीत मेरी नही है ये एटा और कासगंज की जनता की जीत है। जब उनसे पूँछा गया कि जीतने के बाद उनकी क्या प्राथमिकताएं होंगीं तो उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद एटा लोकसभा के विकास के लिए एक मेनिफेस्टों बनाया था उसी मेनिफेस्टों के अनुरूप कार्य करूंगा।

मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट पर 10, 585 वोटों से जीते भाजपा प्रत्याशी अरूण गोविल

■ जीत के बाद सभी लोगों का किया धन्यवाद

■ दूसरे स्थान पर रही गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा

■ सपा ने स्लो काउंटिंग का लगाया आरोप

मेरठ, 4 जून (देशबन्धु)। मंगलवार को देशभर में लाकसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा की गई। इसी के साथ-साथ मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट के नतीजे भी सामने आए। यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरुण गोविल ने जीत दर्ज की। दूसरे नंबर पर गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा व बसपा के देवव्रत्त त्यागी तीसरे नंबर पर रहे। अरूण गोविल को 5 लाख 46 हजार 469 मत मिले। वहीं सुनीता वर्मा को 5 लाख 35 हजार 884 वोट और देवव्रत्त त्यागी को 87 हजार 25 वोट मिले। अरूण गोविल ने कुल 10,585 वोटो से जीत दर्ज की। उधर समाजवादी पार्टी द्वारा ट्वीटर यानि एक्स पर पोस्ट कर स्लो काउंटिंग का आरोप लगाया गया। इससे पहले कांग्रेस ने भी स्लो काउंटिंग को लेकर शिकायत की थी। वोटो की गिनती सरदार

विधानसभा	भाजपा अरूण गोविल	बसपा देववृत्त त्यागी	गठबंधन सुनीता वर्मा
किठौर	93578	21392	110315
मेरठ कैन्ट	161892	14492	65779
मेरठ शहर	75374	2898	113289
मेरठ दक्षिण	119881	22463	140354
हापुड़	93650	25448	105272

वल्लभ भाई पटेल कृषि विवि में की गई। यहां मेरठ शहर, मेरठ दक्षिण, मेरठ कैंट और किठौर विधानसभा के मतों को गिना गया। सरधना विधानसभा का मतगणना रिजल्ट मुजफ्फरनगर लोकसभा भेजा गया। इसी तरह सिवालखास का बागपत और हस्तिनापुर का काउंटिंग रिजल्ट बिजनौर भेजा गया। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट में आने वाली हापुड़ विधानसभा के मतों की गिनती हापुड़ जिले में हुई। वहां से आरओ द्वारा परिणाम भेजे गए। सबसे पहले पोस्टल बैलेट पेपर्स गिने उसके बाद ईवीएम पर गिनती शुरू की गई। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी राजेन्द्र अग्रवाल को 5.86 लाख वोट मिले थे वहीं बसपा प्रत्याशी याकूब कुरैशी को 5.81 लाश वोट तो कांग्रेस के हरेन्द्र अग्रवाल को 34 हजार वोट मिले थे। यहां भी वोट का अंतर कम रहा था और बसपा प्रत्याशी याकूब कुरैशी को 4700 वोटो से हार का सामना करना पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनाव में ये अंतर बराबर जैसा रहा और करीब 10 हजार के अंतर से गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा को हार मिली। परिणाम के बाद भाजपा प्रत्याशी अरूण गोविल ने जिलाधिकारी दीपक मीणा से जीत का सर्टिफिकेट प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र की जनता का अभार व्यक्त किया। उनके साथ पूर्व सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, उर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेन्द्र तोमर, एमएलसी धमेन्द्र भारद्वाज, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, मेयर हरिकांत अहलूवालिया भी मौजूद रहे।

मशीन खराब, धीमी मतगढ़ना से जताया संदेह

मेरठ। मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही गठबंधन प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पति पूर्व विधायक योगेश वर्मा ने मतगणना स्थल पर काउंटिंग के दौरान कुछ मशीन विभिन्न स्थानों की खराब होने की बात कही । हालांकि इस दौरान उन्होंने जीत का अंतर करीब चार-पांच हजार का होने की बात कहते हुए इसके रिकवरी होने की भी संभावना जताई। सुनीत वर्मा की मामूली अंतर से हार को जनता का आदेश माना और कहा कि राजनीति में जनता ही सबसे ऊपर होती है और उसके फैसले का सम्मान करना हर राजनेता का फर्ज है। उन्होंने मेरठ की जनता का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि जनता सुनीता वर्मा को जो बड़ी संख्या में वोट दिया उसके लिये वह आभारी हैं। अपने कार्यकर्ताओं की मेहनत को सराहते हुए कहा कि उनकी मेहनत का ही नतीजा है कि इंडिया गठबंधन की सपा पार्टी को उत्तर प्रदेश में वापसी का मौका मिला है।

200 मीटर दूर रही मतगणना स्थल की वाहन पार्किंग

मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाकर रखा गया था। मतगणना के दौरान जो लोग वहां पहुंचे उनके वाहन 200 मीटर दूर खड़े किए गए और पैदल चलकर वह मतगणना स्थल तक पहुंचे। मतगणना के इनर सर्किल में सिर्फ प्रत्याशी और उनके इलेक्शन एजेंट व ड्यूटी में लगे अधिकारियों को ही जाने की अनुमति दी गई। मतगणना स्थल से लेकर सड़क तक पुलिस का पहरा रहा। 1500 पुलिसकर्मियों के अलावा पीएसी और पैरा मिलिट्री फोर्स की दो-दो कंपनी तैनात रही।

दो दशक बाद दोबारा चुनाव जीतने वाले लोकसभा अध्यक्ष बने बिरला

वर्ष 1999 के बाद कोई भी लोकसभा अध्यक्ष दोबारा चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचने में सफल नहीं रहा

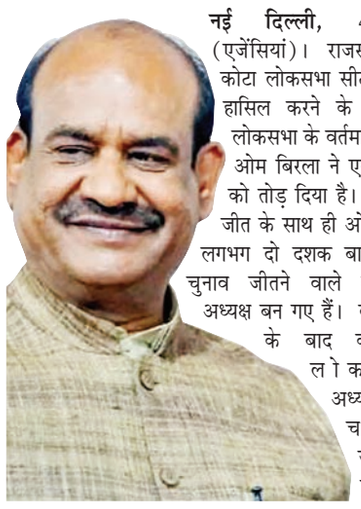

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा लोकसभा सीट से जीत हासिल करने के साथ ही लोकसभा के वर्तमान अध्यक्ष ओम बिरला ने एक मिथक को तोड़ दिया है। कोटा की जीत के साथ ही ओम बिरला लगभग दो दशक बाद दोबारा चुनाव जीतने वाले लोकसभा अध्यक्ष बन गए हैं। वर्ष 1999 के बाद कोई भी लोकसभा अध्यक्ष दोबारा चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचने में सफल नहीं रहा है। लेकिन, बिरला ने जीत की हैट्रिक बनाते हुए यह मिथक तोड़ दिया है। वर्ष 1999 में देश में अटल बिहारी वाजपेयी की एनडीए सरकार बनने के बाद टीडीपी सांसद जीएमसी बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष बने थे। लेकिन, 3 मार्च, 2002 को हेलिकॉप्टर हादसे में उनका निधन हो गया। जीएमसी बालयोगी के निधन के बाद अटल वाजपेयी की सरकार में शिवसेना सांसद मनोहर जोशी को स्पीकर चुना गया। लेकिन, इसके बाद 2004 में हुए लोकसभा के चुनाव में मनोहर जोशी हार गए। वर्ष 2004 में यूपीए गठबंधन की मनमोहन सरकार में सीपीएम सांसद सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष बने। लेकिन, 2009 में उन्हें फिर से लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका ही नहीं मिला। 2009 में फिर से यूपीए सरकार बनने के बाद मीरा कुमार लोकसभा की स्पीकर बनीं। लेकिन, 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2014 में हुए लोकसभा चुनाव के बाद नरेंद्र मोदी देश के पीएम बने और भाजपा सांसद सुमित्रा महाजन लोकसभा की स्पीकर बनीं।

फतेहपुर से साध्वी निरंजन ज्योति हारी

फतेहपुर। फतेहपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति को समाजवादी पार्टी उम्मीदवार नरेश उत्तम पटेल से करारी हार का सामना करना पड़ा है। साध्वी निरंजन ज्योति को नरेश उत्तम पटेल ने 44 हजार 34 मतों से हरा दिया है। हार के बाद साध्वी निरंजन ज्योति का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि मैंने केंद्रीय मंत्री और सांसद रहते हुए क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा काम करवाया है। मेरे सांसद न रहते हुए भी प्रदेश में विकास का काम नहीं रुकेगा। केंद्र में हमारी सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की ओर से जो भी विकास का काम होगा, वो इस क्षेत्र में लाया जाएगा। मेरी पार्टी के कार्यकर्ता साथ जुटे रहे। भाजपा नेतृत्व, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का आभार जताती हूं। पार्टी ने मुझे उम्मीदों से ज्यादा दिया। फतेहपुर से हमारा जुड़ाव हमेशा बना रहेगा। साध्वी निरंजन ज्योति ने चुनाव जीतने वाले सपा उम्मीदवार नरेश उत्तम पटेल को बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद करती हूं कि चुने गए जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास के काम को आगे बढ़ाएंगे। अंदर खाने विरोध करने वाले भाजपा नेताओं के बारे में उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मोदी जी की मुहिम में रोड़े अटकाए हैं, उनको चिन्हित कर ऊपर बात करूंगी।

बंगाल और भारत के लोगों ने भाजपा की रीढ़ तोड़ दी : ममता बनर्जी

कोलकाता, 4 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 29 पर जीत की ओर बढ़ रही है। इसके बाद सीएम ममता बनर्जी ने दावा किया कि भारत के लोगों, खासकर पश्चिम बंगाल के लोगों ने भाजपा की रीढ़ तोड़ दी है। सीएम के अनुसार, अगर भाजपा को अपने सहयोगियों की मदद के बिना बहुमत मिल जाता तो देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। मुख्यमंत्री ने कहा, 'एनडीए अब हार चुका है। कुछ अन्य पार्टियां अभी भी भाजपा को समर्थन देने पर विचार कर रही होंगी। लेकिन मैं उनसे ऐसा न करने का अनुरोध करूंगी। मुझे लगता है कि मोदी का जादू खत्म हो चुका है और उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, इसलिए आने वाले दिन पार्टी के लिए कठिन होंगे। सीएम बनर्जी ने कहा कि उन्होंने हम पर पहले ही काफी ज्यादतियां कर दी हैं, जिसके लिए हम उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। मुझे लगता है कि इंडिया गठबंधन के अन्य सहयोगी भी उन्हें माफ नहीं करेंगे।' बहरामपुर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी की हार का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह वास्तव में भाजपा की ओर से काम कर रहे थे। बहरामपुर के लोगों ने उन्हें खारिज कर दिया है, ठीक उसी तरह जैसे राज्य के लोगों ने भाजपा को खारिज कर दिया है। सीएम ने एग्जिट पोल के उन अनुमानों का मजाक उड़ाया जिनमें भाजपा की भारी जीत का अनुमान लगाया गया था। ऐसे अनुमान लगाने वालों का मकसद देश के लोगों का मनोबल तोड़ना है।

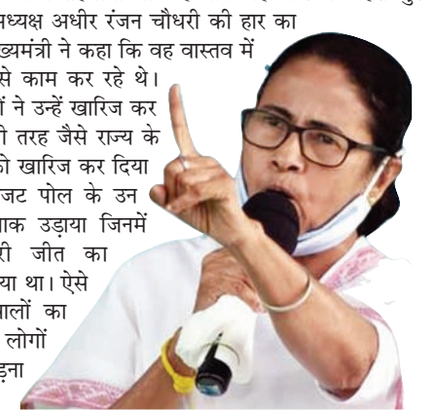

हार के बाद स्मृति ईरानी ने कहा, हम विश्लेषण करेंगे, अमेठी की जनता का आभार

अमेठी। अमेठी में मिली हार के बाद बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने एक प्रेस कांस जहां उन्होंने अपनी पराजय को जनता का निर्णय मानकर सहर्ष स्वीकार किया, वहीं पांच वर्षों तक जनता की सेवा करने के लिए मिले अवसर के प्रति भी आभार प्रकट किया। स्मृति ईरानी ने कहा, मुझे लगता है कि यह जनता का आभार व्यक्त करने का समय है और जो जीते हैं, उन्हें बधाई देने का दिन है। संगठन का स्वभाव विश्लेषण करने का है। हम विश्लेषण करेंगे। लेकिन, जनप्रतिनिधि और पार्टी नेता होने के नाम पर मेरा भी बहुत बड़ा सौभाग्य रहा कि मुझे जनता की सेवा का मौका मिला। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने हर क्षेत्र में, हर गांव में, लोगों के बीच जाकर काम किया। इस क्षेत्र को मैंने अपने जीवन के 10 वर्ष दिए। हार या जीत के बाद भी मेरा इस क्षेत्र की जनता से जुड़ाव रहा और यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा पल है।' वहीं स्मृति ईरानी ने सीएम योगी आदित्यनाथ का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करता हूं। इन्होंने पांच वर्ष के अल्प समय में 30 वर्षों के काम को पूरा किया। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह से हमने गांव-गांव जाकर जनता की सेवा की। उसी प्रकार से जनता की सेवा होती रहेगी।

जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

अमरावती, 4 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने विधानसभा चुनाव में अपनी हार के बाद मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को बताया कि जगन मोहन रेड्डी ने राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर को अपना इस्तीफा भेज दिया है।' राज्यपाल उन्हें अपने नये सीएम के शपथ लेने तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कह सकते हैं। जगन मोहन रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ ही मिनट बाद अपना इस्तीफा भेज दिया। उन्होंने कहा कि नतीजे पार्टी के लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं थे। उन्होंने हैरानी जताई कि करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाने वाली कई कल्याणकारी योजनाएं लागू करने के बावजूद वाईएसआर कांग्रेस को हार का सामना क्यों करना पड़ा? हार स्वीकार करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने साहस के साथ फिर से उठ खड़े होने की शपथ ली। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जनता के लिए लड़ाई जारी रखेगी। 175 सीटों वाली विधानसभा में टीडीपी को 134, पवन कल्याण की जनसेना को 21 और बीजेपी को 8 सीटें मिली हैं। जबकि वाईएसआरसीपी को केवल 12 सीटों से संतोष करना पड़ा है। एनडीए का त्रिपक्षीय गठबंधन 25 लोकसभा सीटों में से 21 पर भी आगे चल रहा है। जगन मोहन रेड्डी ने नई सरकार को शुभकामनाएं दीं।

झारखंड में इस बार सात नए व सात पुराने चेहरों ने जीत दर्ज की

भाजपा के निशिकांत दुबे लगातार चौथी बार जीते

रांची, 4 जून (एजेंसियां)। झारखंड की जनता ने 18वीं लोकसभा में राज्य से सात नए और सात पुराने चेहरों को जिताया है। पुराने चेहरों में एक ने जीत का चौका लगाया है, जबकि तीन ने हैट्रिक लगाई है। जबकि की तीन ने दूसरी बार जीत दर्ज की है। राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर मतों की गिनती पूरी हो गई है, लेकिन ज्यादातर सीटों पर चुनाव आयोग की औपचारिक घोषणा का इंतजार है। जिन सात सांसदों ने इस बार फिर लोकसभा में पहुंचने में सफलता हासिल की है, उनमें गोड्डा से भाजपा के निशिकांत दुबे ने लगातार चौथी बार जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस के प्रदीप यादव को एक लाख एक हजार 813 वोटों से हराया है। पलामू से भाजपा के सांसद वीडी राम, जमशेदपुर से इसी पार्टी के विद्युत वरण महतो और राजमहल से झामुमो के विजय कुमार हांसदा ने जीत की हैट्रिक लगाई है। रांची से भाजपा के संजय सेठ, कोडरमा से अन्नपूर्णा देवी और गिरिडीह से आजसू पार्टी के चंद्रप्रकाश चौधरी लगातार दूसरी बार संसद पहुंचने में सफल रहे हैं। संसद में जो सात नए चेहरे झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, उनमें सिंहभूम सीट से झामुमो की जोबा मांझी, दुमका से इसी पार्टी के नलिन सोरेन, लोहरदगा से कांग्रेस के सुखदेव भगत, खूंटी से इसी पार्टी के कालीचरण सिंह, हजारीबाग से भाजपा के मनीष जायसवाल, चतरा से इसी पार्टी के कालीचरण सिंह और धनबाद से ढुल्लू महतो शामिल हैं। राज्य से 2019 की तरह इस बार भी दो महिलाओं अन्नपूर्णा देवी और जोबा मांझी को संसद पहुंचने का मौका मिला है। इस बार चुनावी मैदान में राज्य के कुल 12 विधायक थे। इनमें से चार को संसद पहुंचने में सफलता मिल है।

समाजवादी पार्टी से एक ही परिवार के 5 सांसद लोकसभा में आ सकते हैं नजर!

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के परिणाम पर सबकी निगाहें टिकी हुई थी। अभी नतीजों और रुझानों को देखें तो समाजवादी पार्टी ने यहां भाजपा की सीटों में बड़ी सेंध लगाई है। 2019 के मुकाबले भाजपा को इस बार यहां ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। समाजवादी पार्टी ने एक सीट जीत ली है। वहीं, 36 सीटों पर आगे चल रही है। समाजवादी पार्टी की तरफ से मैनपुरी से डिंपल यादव ने जीत दर्ज कर ली है। वह स्वर्गीय मुलायम सिंह (नेता जी) की बहू और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी हैं। उन्होंने भाजपा के जयवीर सिंह को 2,21,639 वोटों के बड़े अंतर से शिकस्त दी है। बता दें कि इस बार जो आसार नजर आ रहे हैं, उसके अनुसार सपा की तरफ से स्वर्गीय मुलायम सिंह (नेता जी) के परिवार से ही 5 लोग संसद में नजर आ सकते हैं। मैनपुरी से डिंपल यादव की जीत के बाद लोगों की नजर फिरोजाबाद से राम गोपाल यादव के बेटे और सपा के उम्मीदवार अक्षय यादव पर टिकी है जो अभी वहां से बढ़त बनाए हुए हैं। इसके साथ ही बदायूं से आदित्य यादव, जो शिवपाल सिंह यादव के सुपुत्र हैं, वह आगे चल रहे हैं। साथ ही कन्नौज सीट से यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सुप्रीमो होने के साथ स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव (नेता जी) के बेटे अखिलेश यादव आगे चल रहे हैं।

ये इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकता की जीत है : अखिलेश यादव

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा का उम्दा प्रदर्शन करने पर पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ये इंडिया गठबंधन और पीडीए की एकता की जीत है। अखिलेश यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, 'जनता को प्रणाम, जनमत को सलाम! उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता ने देश को एक बार फिर से नयी राह दिखायी है, नयी आस जगायी है। ये संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण बचाने की और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करवाने की जीत है।

पीएम मोदी और नीतीश की जोड़ी के सामने नहीं चल सकी तेजस्वी की 'सियासी चाल'

पटना, 4 जून (एजेंसियां)। बिहार की 40 लोकसभा सीटों को लेकर अब स्थिति साफ हो गई है। अब तक जो स्थिति सामने आई है, उसमें महागठबंधन पिछड़ता नजर आ रहा है, जबकि भाजपा से कम सीटों पर लड़ने के बावजूद जदयू अधिक सीट जीतने जा रही है। वैसे, महागठबंधन को भी पिछले चुनाव से अधिक सीटें मिलती दिख रही हैं। हालांकि गठबंधन की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी के सामने राजद के लालू यादव और तेजस्वी यादव की 'सियासी चा' नहीं चल सकी। एनडीए में शामिल जदयू पहली बार भाजपा से कम सीटों पर चुनाव लड़ी थी। भाजपा ने इस चुनाव में 17 सीटों पर जबकि जदयू 16 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक, भाजपा जहां चार सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है जबकि 8 सीटों पर आगे है, वहीं दूसरी तरफ जदयू के तीन प्रत्याशी विजयी हुए हैं और नौ सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा एक सीट पर जीत दर्ज कर चुकी है तथा लोजपा (रामविलास) एक सीट जीत चुकी है और चार सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। महागठबंधन नौ सीटों पर आगे है या इसके प्रत्याशी जीत दर्ज कर चुके हैं। जिसमें राजद चार, कांग्रेस तीन और वामपंथी दलों के दो प्रत्याशी हैं। ऐसी स्थिति में स्पष्ट है कि बढ़त को भी अगर परिणाम माने तो एनडीए 30 और महागठबंधन के नौ और निर्दलीय एक सीट पर जीत सकते हैं। परिणाम को देखें तो स्पष्ट है कि सोशल इंजीनियरिंग में माहिर रहे जदयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जोड़ी राजद के अध्यक्ष लालू यादव और तेजस्वी पर भारी पड़े। तेजस्वी यादव ने इस चुनाव में भले ही 251 आमसभा कर सबसे ज्यादा सभा करने का रिकॉर्ड बनाया हो, लेकिन मतदाताओं को वो रिझा नहीं पाए। मतदाताओं ने एनडीए के प्रत्याशियों पर अधिक विश्वास जताया। तेजस्वी इस चुनाव में अपना जादू नहीं चला सके। उल्लेखनीय है कि पिछले चुनाव में 2019 के चुनाव में भाजपा और जदयू 17-17 सीटों पर अपने अपने प्रत्याशी उतारे थे।

असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद सीट बरकरार रखी, माधवी लता को रिकॉर्ड अंतर से हराया

हैदराबाद, 4 जून (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद लोकसभा सीट बरकरार रखी है। वह 3.38 लाख से ज्यादा वोटों के रिकॉर्ड अंतर से विजयी हुए हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा उम्मीदवार माधवी लता को 3,38,087 वोटों से हराकर लगातार पांचवीं बार जीत दर्ज की। ओवैसी को 6,61,981 वोट मिले, जबकि माधवी लता को 3,23,894 वोट मिले। कांग्रेस के मोहम्मद वलीउल्लाह समीर 62,962 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के गद्दाम श्रीनिवास यादव को 18,641 वोट मिले। एआईएमआईएम का गढ़ माने जाने वाले इस लोकसभा क्षेत्र में ओवैसी की जीत का अंतर अब तक का सबसे बड़ा अंतर है। पार्टी 1984 के बाद से यहां से कभी चुनाव नहीं हारी है। असदुद्दीन ओवैसी ने 2019 में भाजपा के भगवंत राव के खिलाफ 2,82,187 वोटों के अंतर से सीट जीती थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी माधवी लता के समर्थन में चुनाव प्रचार किया था। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने भी इस निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो किया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद, सिकंदराबाद और आसपास के निर्वाचन क्षेत्रों के भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित किया था। अप्रैल में प्रधानमंत्री मोदी ने माधवी लता की तारीफ की थी।

चंद्रशेखर 'रावण' की जीत बसपा के लिए अच्छा संदेश नहीं!

स्वतंत्र उम्मीदवार को नोटा से भी कम मत हुआ हासिल

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जिस सीट पर सबसे ज्यादा लोगों की निगाहें टिकी हुई थी, वह नगीना लोकसभा सीट थी। इस सीट पर भाजपा के ओम कुमार का सीधा मुकाबला आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के उम्मीदवार चंद्रशेखर 'रावण' से था। वैसे आपको बता दें कि यह सीट इंडी अलायंस के सहयोगी दल समाजवादी पार्टी के हिस्से में आई थी और सपा ने इस पर अपनी पार्टी से मनोज कुमार को उम्मीदवार बनाया था। वहीं, इस सीट पर बसपा ने भी सुरेंद्र पाल सिंह को रावण से मुकाबले के लिए उतारा था।

इसी सीट पर जोगेंद्र और संजीव कुमार दो स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर मैदान में थे। यहां इन दोनों स्वतंत्र उम्मीदवार को नोटा से भी कम वोट हासिल हुए। जबकि, मायावती की पार्टी बसपा का उम्मीदवार चौथे और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार तीसरे नंबर पर रहे। चंद्रशेखर रावण ने भाजपा के ओम कुमार को कड़ी टक्कर देते हुए इस सीट पर 1,51,473 से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। आपको बता दें कि इस सीट को लेकर सबसे दिलचस्प बात यह रही है कि इस सीट पर चंद्रशेखर रावण ने ना तो विपक्ष के इंडी गठबंधन के साथ लड़ना स्वीकार किया और ना ही बसपा के साथ वह मैदान में उतरने के लिए तैयार हुए।

1962 के बाद पहली बार कोई सरकार तीसरी बार वापस आ रही है, जनता-जनार्दन का आभार: मोदी

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली जीत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीत बताते हुए कहा है कि ये विजय, भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है, ये विकसित भारत के प्रण की जीत है, ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है, ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह भावुक पल है। उनकी माताजी के देहांत के बाद यह उनका पहला चुनाव था। लेकिन, देश की करोडों माताओं ने उन्हें मां की कमी नहीं खलने दी। विरोधी दल मिलकर भी उतनी सीटें नहीं जीत पाए, जितनी सीटें भाजपा अकेले जीती है। तीसरे कार्यकाल में देश नए फैसलों का एक अध्याय लिखेगा और यह मोदी की गारंटी है। भाजपा के केंद्रीय कार्यालय विस्तार में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बड़ा मंगल है और इस पावन दिन लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बननी तय है। पीएम मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मिली जीत का महत्व बताते हुए कहा कि वर्ष 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार वापस आ रही है। उन्होंने जनादेश के लिए देश की जनता-जनार्दन का आभार जताते हुए कहा कि वे जनता-जनार्दन के बहुत आभारी हैं, जिन्होंने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। वे इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए देशवासियों को नमन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश में सही तरीके से चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग का अभिनंदन किया।

ये विजय, भारत के संविधान पर अटूट निष्ठा की जीत है, ये विकसित भारत के प्रण की जीत है, ये सबका साथ-सबका विकास, इस मंत्र की जीत है, ये 140 करोड़ भारतीयों की जीत है: मोदी

उन्होंने ओडिशा में भाजपा की राज्य सरकार बनने, केरल और तमिलनाडु में जीत मिलने, चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश में और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए गठबंधन को मिली जीत सहित देश के कई राज्यों में विपक्ष का सूपड़ा साफ होने की बात कहते हुए जनता-जनार्दन को नमन किया। साथ ही कड़ी मेहनत करने के लिए भाजपा और एनडीए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी कहा। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तीसरी बार एनडीए सरकार बनाने के लिए देशवासियों और देश के करोड़ों मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि चाहे चुनाव की बेला हो, देश का नेतृत्व करने की बात हो और देश को समस्याओं से निकालने की बात हो, पीएम मोदी ने हमेशा देश और देश की जनता को आगे बढ़ाने का काम किया है। जबकि, विपक्ष ने हमेशा नकारात्मक राजनीति की और लगातार तीसरी बार हार के बाद विरोधी दलों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन एकजुट है और एनडीए के कार्यकर्ता उनके नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मेहनत करने को तैयार हैं।

श्रीनगर सीट पर नेकां के रुहुल्ला ने पीडीपी के पारा को हराया

श्रीनगर, 4 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता आगा सैयद रूहुल्ला ने मंगलवार को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के उम्मीदवार वहीद पारा को 1,88,416 वोटों के अंतर से हराकर प्रतिष्ठित श्रीनगर संसदीय सीट पर विजयी प्राप्त की। रूहुल्ला को 3,56,866 मत मिले जबकि पारा को 1,68,450 और अपनी पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद अशरफ मीर को 65954 मत मिले। श्रीनगर लोकसभा सीट से व्यापक जीत प्राप्त होने के बाद, रूहल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अब यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि वह लोगों की आवाज को संसद और शेष भारत के लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि इस जनादेश के लिए और मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं श्रीनगर, पुलवामा, गांदरबल, शोपियां और बडगाम की जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मैं विनम्र हूं और मैं उस जिम्मेदारी से अवगत हूं जो यह जनादेश अपने साथ लेकर आया है। आपने लोकतांत्रिक बात की है और 5 अगस्त, 2019 के फैसलों के खिलाफ मतदान किया है। यहां से आगे आपकी आवाज को संसद और शेष भारत के लोगों तक पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी है। आप भी आश्वस्त रहें कि आपके गरिमा और अधिकारों की वापसी के लिए आपकी भावनाओं और संघर्ष का मैं पूरी ईमानदारी से प्रतिनिधित्व करूंगा। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी पीडीपी के युवा नेता वहीद पारा को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि प्रिय वहीद, हमारी आवाज़ को लोकतांत्रिक तरीके से सुनाने की प्रक्रिया में आपकी भागीदारी के लिए धन्यवाद। यह एक अच्छी प्रतियोगिता थी और मैं इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपके भावी राजनीतिक प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इससे पहले मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रूहुल्ला ने कहा कि संसद में उनका पहला मुद्दा 5 अगस्त, 2019 को छीन लिए गए अधिकारों को वापस लाने का होगा।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

टाटा स्टील	1.80 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.32 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.07 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.96 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	0.92 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

नेस्ले इंडिया	2.08 प्रतिशत
टीसीएस	1.77 प्रतिशत
मारुति	1.51 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.37 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	0.82 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

2023-24 में देश का अनाज उत्पादन पांच साल के औसत से 211 लाख टन अधिक

- **मंत्रालय ने 2023-24 में अनियमित मानसून को अनाज उत्पादन में गिरावट का कारण बताया**
- **उत्पादन पांच साल के औसत से अधिक, देश के कृषि क्षेत्र में लचीलापन को दर्शाता है**

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 2023-24 में 3,288.52 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले पांच वर्षों (2018-19 से 2022-23) के औसत खाद्यान्न उत्पादन 3,077.52 लाख टन से 211 लाख टन अधिक है। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को तीसरे अग्रिम अनुमान में बताया कि हालांकि 2022-23 की तुलना उत्पादन में मामूली कमी आई है। मंत्रालय ने 2023-24 में अनियमित मानसून को अनाज उत्पादन में गिरावट का कारण बताया है जिससे कुछ फसलें प्रभावित हुई थीं। हालांकि, विशेषज्ञों के अनुसार, यह तथ्य कि कुल उत्पादन पांच साल के औसत से अधिक है, देश के कृषि क्षेत्र में लचीलापन दर्शाता है। तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में कुल चावल उत्पादन 1,367.00 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह 1,357.55 लाख टन था। गेहूं का उत्पादन 1,129.25 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के इसी आंकड़े की तुलना में 23.71 लाख टन अधिक है।

श्री अन्न (बाजरा) का उत्पादन 174.08 लाख टन होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 87 हजार टन की मामूली वृद्धि को दर्शाता है। पोषक/मोटे अनाज का उत्पादन 547.34 लाख टन अनुमानित है, जो पांच साल के औसत उत्पादन की तुलना में 46.24 लाख टन अधिक है। वर्ष के दौरान दलहनों का उत्पादन बढ़ा है। तुअर का उत्पादन 33.85 लाख टन अनुमानित है, जो 2022-23 में 33.12 लाख टन की तुलना में 0.73 लाख टन अधिक है। मसूर का उत्पादन 17.54 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 15.59 लाख टन की तुलना में 1.95 लाख टन अधिक है। सोयाबीन का उत्पादन 130.54 लाख टन, और रेपसीड तथा सरसों का उत्पादन 131.61 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 5.18 लाख टन अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, कपास का उत्पादन 325.22 लाख गांठ (प्रत्येक 170 किलोग्राम) और गन्ने का उत्पादन 4425.22 लाख टन होने का अनुमान है।

कोयला उत्पादन में मई में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। देश में कोयला उत्पादन मई माह में पिछले वर्ष की इसी माह की तुलना में 10.15 प्रतिशत ऊंचा रहा। इस दौरान और कोयला खदानों से भेजे गए कोयले की मात्रा सालाना आधार पर 10.35 प्रतिशत ऊंची रही। कोयला मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार मई में 839.1 लाख टन कोयले का उत्पादन हुआ। जबिक मई 2023 में यह उत्पादन 761.8 टन रहा था। यह सालाना आधार पर उत्पादन में 10.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। विज्ञप्ति के अनुसार इस अवधि के दौरान, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 644 लाख टन (अनंतिम) कोयला उत्पादन किया गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 599 लाख 30 हजार टन उत्पादन की तुलना में 7.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मई 2024 में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं का कोयला उत्पादन 137.8 लाख टन (अनंतिम) रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.76 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी तरह, मई 2024 के लिए देश भर की कोयला खदानों से प्रेषित कोयला 908.4 लाख टन रहा। जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 10.35 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष इस दौरान कोयला प्रेषण

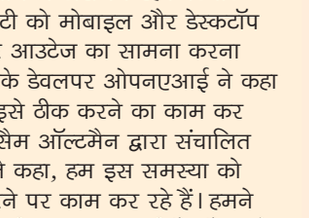

823.2 लाख किया गया था। मई 2024 के दौरान सीआईएल ने 690.8 लाख टन (अनंतिम) कोयला प्रेषण किया था जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 636.7 लाख टन प्रेषण की तुलना में 8.50 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। आलोच्य माह में कैप्टिव और अन्य संस्थाओं द्वारा भेजे गए कोयले की मात्रा 160 लाख टन (अनंतिम) थी जो सालाना आधार पर 29.33 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई के अंत में कोयला कंपनियों के पास कोयला का कुल स्टॉक 964.8 लाख टन था जिसमें सीआईएल का स्टॉक 830 लाख टन कोयला बताया जा रहा है।

सरकार के समर्थन के कारण ईवी सेक्टर में अगले 5 साल में वृद्धि की काफी संभावनाए

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां) सरकार के बढ़ते समर्थन के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और ग्राहकों की बढ़ती जागरूकता के कारण ईवी सेक्टर में अगले पांच वर्ष काफी बढ़ोतरी की संभावना है। सेक्टर के एक्सपर्ट की ओर से ये जानकारी दी गई। बाउंस इनफिनिटी के सह-संस्थापक और सीओओ, अनिल गिरी की ओर से कहा गया कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा कई नीतियां लागू की गई हैं। अर्थव्यवस्था में स्थिरता आने के कारण बिजनेस भी अच्छे से ऑपरेट कर पा रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत करते हुए अगली सरकार को लेकर गिरी ने कहा कि हम अगली सरकार से नीतियों में निरंतरता की उम्मीद रखते हैं।

इससे बिजनेस में विश्वास बढ़ेगा और वे अधिक निवेश कर पाएंगे। फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट के मुताबिक, 22.4 प्रतिशत के सीएजीआर के हिसाब से भारत का ईवी बाजार 2030 तक 117.78 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है, जो कि 2024 में 23.38 अरब डॉलर का था। जिप इलेक्ट्रिक के सीईओ और सह-संस्थापक आकाश गुप्ता का कहना है कि पिछले वर्षों में टेक्नोलॉजी के योगदान के कारण भारत का आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदला है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई पीएलआई जैसी स्कीम जारी रहनी चाहिए। इससे भारत में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

एयरटेल का टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्लान

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। दूरसंचार सेवा प्रदाता एयरटेल ने आज टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों के लिए विशेष पैक पेश किए। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि निर्बाध और निरंतर मैच देखने के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए, एयरटेल अपने प्रीपेड, पोस्टपेड, इंटरनेशनल रोमिंग, होम ब्रॉडबैंड और एयरटेल डिजिटल टीवी उपयोगकर्ताओं के लिए भारत में दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के आधिकारिक स्ट्रीमिंग पार्टनर डिज्नी प्लस हॉटस्टार की तीन महीने की सदस्यता प्रदान कर रहा है। टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए प्रीपेड प्लान 499 रुपए से शुरू होते हैं और 28 दिनों के लिए हाई-स्पीड 3जीबी डेटा के साथ-साथ डिज्नी प्लस हॉटस्टार के तीन महीने के सब्सक्रिप्शन के साथ आते हैं। इस प्लान में एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्ले पर 20 से ज्यादा ओटीटी को मुफ्त में अनलॉक किया जाता है। 839 रुपये में 84 दिनों की योजना भी उपलब्ध है जो प्रतिदिन 2जीबी डेटा के साथ समान लाभ प्रदान करती है। 3359 रुपये की वार्षिक योजना में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की एक साल की बंडल सदस्यता है, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म तक पहुँच और प्रतिदिन 2.5 जीबी डेटा भी शामिल है।

पोस्टपेड प्लान में एक साल का डिज्नी प्लस हॉटस्टार सब्सक्रिप्शन, साथ ही एक्सस्ट्रीम ऐप पर 20 से अधिक ओटीटी प्लेटफॉर्म तक पहुंच, अनलिमिटेड 5जी डेटा और पारिवारिक ऐड-ऑन लाभ भी शामिल है। लाइव मैच देखने के लिए अमेरिका और कनाडा की यात्रा करने वाले प्रशंसकों के लिए, कंपनी ने इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेशनल रोमिंग पैक को सरल बनाया है, ताकि प्रशंसक 133 रुपये प्रतिदिन की कम कीमत पर लाइव मैच स्ट्रीम कर सकें और इंटरनेशनल रोमिंग का आनंद ले सकें, जिससे इन-कंट्री सिम की तुलना में भी यह देखने में किफायती हो जाता है। इसके अलावा, एयरटेल डिजिटल टीवी पर, क्रिकेट के दीवाने अब भारत की पहली 4के सेवा का आनंद ले सकते हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े टी20 क्रिकेट सीजन में और भी अधिक शानदार और लुभावने अनुभव को लेकर आती है।

सार संक्षेप

ओपनएआई के चैटजीपीटी में आउटेज, ठीक करने पर चल रहा है काम

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-चैटबॉट चैटजीपीटी में मंगलवार को आई रुकावट के बाद भारत सहित विश्व भर में कई उपयोगकर्ता सेवा तक पहुंच बनाने में असमर्थ रहे। चैटबॉट चैटजीपीटी को मोबाइल और डेस्कटॉप दोनों पर आउटेज का सामना करना पड़। इसके डेवलपर ओपनएआई ने कहा कि वह इसे ठीक करने का काम कर रहा है। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित कंपनी ने कहा, हम इस समस्या को ठीक करने पर काम कर रहे हैं। हमने समस्या की पहचान कर ली है और उसे अब ठीक करने का प्रयास कर रहे हैं। चैटबॉट चैटजीपीटी के साप्ताहिक आधार पर 100 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं। चैटबॉट चैटजीपीटी के कई उपयोगकर्ता एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समस्याओं के बारे में पोस्ट कर रहे हैं। एआई सेवा के एक उपयोगकर्ता ने पोस्ट किया, 'चैटबॉट चैटजीपीटी कंप्यूटर और मोबाइल फोन दोनों पर ही काम नहीं कर रहा है।' एक अन्य ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'चैटबॉट चैटजीपीटी डाउन है और मैं वास्तव में कुछ नहीं सोच पा रहा हूं, मैं तब तक यहीं बैठूंगा जब तक यह फिर से उपलब्ध नहीं हो जाता।' इस बीच चैटजीपीटी निर्माता ने ऑल्टमैन (सीईओ), ब्रेट टेलर (अध्यक्ष) एडम डी एंजेलो और निकोल सेलिगमैन के नेतृत्व में एक सुरक्षा समिति का गठन किया है। पहला कार्य ओपनएआई की प्रक्रियाओं और सुरक्षा उपायों का मूल्यांकन और आगे विकास करना होगा।

मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में गिरावट मई में पीएमआई 57.5 रही

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। भारत की मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों की वृद्धि दर में लगातार दूसरे महीने गिरावट देखने को मिली है और मई में यह तीन महीने के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी सोमवार को एक निजी कंपनी की रिपोर्ट में दी गई। एचएसबीसी इंडिया की मैन्युफैक्चरिंग परचेसिंग इंडेक्स गिरकर 57.5 रह गई है, जो कि अप्रैल में 58.8 अंक पर थी। सर्वे में बताया गया कि पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना है। बता दें, जब भी पीएमआई 50 के ऊपर होता है, तो दिखाता है कि गतिविधियों में तेजी आ रही है। वहीं, जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है। इसका उल्टा होता है। एचएसबीसी की वैश्विक अर्थशास्त्री मैत्रेयी दास ने कहा 'मई में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी रही है, हालांकि नए ऑर्डर और उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विस्तार की गति धीमी रही। पैनलिस्टों ने मई में काम के कम घंटों के लिए हीटवेव को एक कारण बताया है,

- **पीएमआई के आंकड़े में गिरावट की वजह गर्मी के कारण काम के घंटे का कम और लागत में इजाफा होना**

जिसका उत्पादन की मात्रा उत्पादन पर असर हो सकता है।' दास ने कहा कि इसके विपरीत, नए निर्यात ऑर्डर 13 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़े हैं।

सर्वे में बताया गया है कि नए ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई है, हालांकि ये पिछले तीन महीनों में सबसे कम है। मजबूत मांग, मार्केटिंग प्रयासों में वृद्धि और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के कारण ऑर्डर की संख्या में इजाफा हुआ है।

मई में निर्यात में तेजी वृद्धि हुई है। ये 13 वर्षों में सबसे अधिक थी। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स में भी सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है। इसकी वजह आर्थिक गतिविधियां का अच्छा होना और मांग बने रहना है। वहीं, मई की बिक्री की स्थिति भी अच्छी बनी हुई है और जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान अधिक होने के कारण नौकरी के अधिक अवसर पैदा हुए हैं। हालांकि, कच्चे माल की लागत बढ़ने और ढुलाई महंगी होने के कारण सभी उत्पादनकर्ताओं के लिए लागत बढ़ गई है। सर्वे में महंगाई को लेकर कहा गया कि लंबी अवधि के औसत के मुकाबले महंगाई की दर कम है। लागत बढ़ने के कारण कंपनियों ने मई में अपने उत्पादों के दाम में इजाफा किया है।

बच्चों के डेटा प्राइवेसी के नियमों के उल्लंघन को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ ईयू में शिकायत दर्ज

लंदन, 4 जून (एजेंसियां)। निजी अधिकारों की रक्षा करने वाली संस्था नोयब की ओर से मंगलवार को ऑस्ट्रिया की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी के पास माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ बच्चों के डेटा प्राइवेसी के नियमों का उल्लंघन को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। गैर-लाभकारी संस्था ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कहा कि कंपनी के प्रोडक्ट '365 एजुकेशन' की सेवाएं बच्चों के डेटा प्रोटेक्शन अधिकारों का उल्लंघन करती है। नोयब की ओर से कहा गया कि जब लोग अपने जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जीडीपीआर) अधिकारों का उपयोग करना चाहते हैं तो माइक्रोसॉफ्ट की ओर से कहा गया कि स्कूल डेटा के 'कंट्रोलर' हैं। आगे कहा कि स्कूलों का कहना है कि उनके पास स्कूल के डेटा का कंट्रोल नहीं है। शिकायत में माइक्रोसॉफ्ट पर आरोप लगाया गया है कि कंपनी जीडीपीआर के तहत आने वाली कानूनी जिम्मेदारियां स्कूल पर डाल रही है, जो कि बच्चों को शिक्षा देने का काम काम करते हैं। गैर-लाभकारी संस्था ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के पास जाने वाली रिक्वेस्ट का कोई जवाब नहीं दिया जाता है। वहीं, डेटा का न मौजूद होने के कारण स्कूल इनका अनुपालन नहीं कर पा रहे हैं। नोयब के डेटा प्रोटेक्शन वकील, मार्तजे डे ग्राफ का कहना है कि आओ और जाओ की एप्रोच पर माइक्रोसॉफ्ट जीडीपीआर से जुड़ी अपनी सभी

- **कंपनी के प्रोडक्ट '365 एजुकेशन' की सेवाएं बच्चों के डेटा प्रोटेक्शन अधिकारों का उल्लंघन करती है: संस्था नोयब**

जिम्मेदारियों को स्कूल पर डाल रही है। आगे कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के पास सॉफ्टवेयर में डेटा प्रोसेसिंग से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां थी। जब अधिकारों के उपयोग की बात आती है तो कंपनी अपनी जिम्मेदारी स्कूल पर डाल रही है। स्कूल के पास अनुपालन करने के लिए पारदर्शी जानकारी नहीं है। माइक्रोसॉफ्ट के 365 एजुकेशन में पर्सनल डेटा के प्रोसेसिंग को लेकर अस्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई गई है, जिसे एक अच्छा वकील पढ़ और समझ नहीं सकता है। बच्चों या उनके माता-पिता के लिए माइक्रोसॉफ्ट की सीमा से डेटा कलेक्शन बाहर लाना लगभग असंभव है।

जॉब पोर्टल्स पर नौकरी पोस्टिंग में दिखी 22 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। भारत में जॉब पोर्टल्स पर नौकरियों की पोस्टिंग में पिछले साल 22 प्रतिशत का इजाफा हुआ। मंगलवार को आई रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है। नौकरी दिलाने वाली कंपनी सीआईईएल एचआर की रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2022 में जॉब पोस्टिंग की संख्या 7,143 थी, जो कि फरवरी 2024 में बढ़कर 8,746 हो गई। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि 65 प्रतिशत भारतीय स्टार्टअप अगले छह महीने में नई नौकरियां निकालने की योजना बना रहे हैं। ये जानकारी 70 स्टार्टअप में काम कर रहे 1,30,896 कर्मचारियों के डेटा के आधार पर रिपोर्ट में दी गई है। पिछले साल स्टार्टअप इकोसिस्टम को आर्थिक अस्थिरता और निवेशकों के सावधान रवैये के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इस वजह से फंडिंग के साथ नई नौकरियों के अवसर भी कम पैदा हुए थे। रिपोर्ट में बताया गया कि भविष्य को लेकर ज्यादातर कर्मचारी आश्वस्त हैं। अगले छह महीने में नई नौकरियां पैदा होंगी। सभी इंडस्ट्री में ऑटोमेशन और डिजिटाइजेशन बढ़ने के कारण सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट स्किल की मांग सबसे ज्यादा बढ़ रही है। इसके बाद सेल्स में सबसे ज्यादा नौकरियां बढ़ रही हैं।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 83 रिंगिट उतरकर 4070 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.39 सेंट की तेजी लेकर 46.11 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 900वें बैंकिंग आउटलेट का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बैंक के 900वें आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की। यह मील का पत्थर व्यापक विस्तार का हिस्सा है, जिसमें आज बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में 7 नए आउटलेट खोले गए हैं। इसके साथ ही, अब बैंक झारखंड में 81 बैंकिंग आउटलेट्स और पूरे देश में कुल 903 आउटलेट्स का संचालन करता है। ये ब्रांच खुंटी, रांची, झारखंड में है। रांची के ग्राहक बैंक के विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इनमें बचत खाता, चालू खाता, फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट और विभिन्न ऋण उत्पाद जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, क्रेडिट, बीमा, और निवेश उत्पाद शामिल हैं। बैंक की विस्तृत अवसंरचना, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क समग्र ग्राहक सेवा प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ गोविंद सिंह ने कहा कि आज हमारे लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि हमने झारखंड के खुंटी, रांची में बैंक के 900वें बैंकिंग आउटलेट का उद्घाटन किया। झारखंड हमारे लिए एक महत्वपूर्ण राज्य है, और बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में हमारे 7 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन इन क्षेत्रों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। हमारे नए बैंकिंग आउटलेट्स न केवल स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देंगे बल्कि इन उद्यमियों और व्यक्तियों की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के लिए आवश्यक संसाधन भी प्रदान करेंगे।

- **यह मील का पत्थर व्यापक विस्तार का हिस्सा है, जिसमें आज बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में 7 नए आउटलेट खोले गए हैं। इसके साथ ही, अब बैंक झारखंड में 81 बैंकिंग आउटलेट्स और पूरे देश में कुल 903 आउटलेट्स का संचालन करता है: उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक**

रोटरी क्लब देगा बेरोजगारों को स्कील प्रशिक्षण

उदयपुर, 4 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में रोटरी क्लब उदयपुर द्वारा शहर के बेरोजगारों को स्कील प्रशिक्षण देने के लिये देने के लिये वोकेशनल सर्विस सेन्टर की

स्थापना की जायेगी। क्लब अध्यक्ष गिरीश मेहता ने आज यहां आयोजित बोर्ड की बैठक में उक्त आशय की जानकारी देते हुये बताया कि सर्वसम्मति से बैठक में रोटरी टाया वोकेशनल सर्विस सेन्टर की स्थापना करनें का निर्णय लिया गया, जिसकी इसी माह स्थापना की जायेगी। श्री मेहता ने बताया कि इस सेन्टर में जरूरतमंद एवं हुनरमंद छात्र-छात्रों एवं युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिये एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये मशीन,कम्प्यूटर,सिलाई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स आदि के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जायेगा।

खेल जगत

प्रियांशु राजावत ने एचएस प्रणॉय को हराया, लक्ष्य सेन ने दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता। लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। आज यहां पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा।

पहली चुनौती में आयरलैंड को मात देने उतरेगा भारत

रोहित आयरलैंड के खिलाफ खेलने उतरते ही रच देंगे इतिहास

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 4 जून (देशबन्धु)। भारत के कप्तान सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा न्यूयॉर्क में बुधवार को जब आयरलैंड के खिलाफ ग्रुप ए में अपने पहले मैच में खेलने उतरेंगे तो वह रिकॉर्ड लगातार नौवें आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप में

■ भारत के चीफ कोच के रूप में द्रविड़ का यह आखिरी टूर्नामेंट है

खेलने उतरने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन इतिहास रच देंगे। भारत 2007 में पहले संस्करण में खिताब जीतने के सात बरस बाद 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में दूसरी बार फाइनल में पहुंच श्रीलंका से , 2016 में अपने घर में सेमीफाइनल में पहुंच अंतत: तब चैंपियन बनी वेस्ट इंडीज से आठ विकेट से हार गया था। 2022 में रोहित शर्मा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया में भी सेमीफाइनल मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से दस विकेट से करारी हार झेलने वाली भारतीय टीम के शीर्ष सात में पांच खिलाड़ी मौजूदा संस्करण में शिरकत कर रही टीम में हैं। चोट के चलते पिछले संस्करण से बाहर रहने वाले ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के उपलब्ध होने से अब भारत के पास ज्यादा विकल्प होने से उसके हौसले बुलंद हैं। भयंकर कार दुर्घटना के बाद 'दूसरा जन्म पा फिट हो पहले अभ्यास में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का अर्द्धशतक जड़ना, ऑलराउंडर हार्दिक पांडया के बल्ले के साथ गेंद से रंगत पाना और शिवम दुबे कर दो विकेट चटका बांग्लादेश के खिलाफ भारत की जीत में अहम रोल निभाना उसके लिए आयरलैंड के मैच से पहले शुभ संकेत है। बेशक भारत मजबूत है, बावजूद इसके आयरलैंड के खिलाफ अपने टीम संयोजन खासतौर पर कप्तान रोहित शर्मा के सलामी जोड़ीदार और बतौर ऑलराउंडर शिवम दुबे और अक्षर पटेल में कोई एक या फिर दोनों को लेकर खासा मंथन करना पड़ेगा। भारत ने 2022 और 2023 में अपनी 'दूसरे दर्जे' की टीम के आयरलैंड से उससे घर में दोनों टी-20 सीरीज 2-0 के समान अंतर से जीतने के साथ उससे अपने पिछले पांच में लगातार चार मैच जीते हैं। भारत द्वारा आयरलैंड के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखने की उम्मीद है लेकिन बावजूद उसके न्यूयॉर्क की 'ड्रॉप इन पिच' पर चौकस जरूर रहना होगा क्योंकि इसके मिजाज को भांपना मुश्किल है। रोहित के साथ अभ्यास मैच में पारी का आगाज करने वाले संजू सैमसन के नाकाम रहने और ऋषभ के तीसरे नंबर पर अर्द्धशतक जड़ने से उन्हीं के बतौर विकेटकीपर आयरलैंड के खिलाफ उतरने की उम्मीद है। भारत के चीफ कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का यह आखिरी टूर्नामेंट है और वह कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर बीते बरस ऑस्ट्रेलिया के हाथों इंग्लैड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल और वन डे विश्व कप में अपने घर में लगातार दस जीत के साथ फाइनल में पहुंचने पर ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली मिली हार की कसक को वेस्ट इंडीज में टी-20 विश्व कप जीत पूरा करना चाहेंगे। राहुल द्रविड़ ने साफ कर दिया है

■ अब वह उम्र के जिस पड़ाव पर हैं उसके मद्देनजर उनके लिए अब भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ कोच की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं है और वह इसीलिए अब यह आगे इसे नहीं संभालना चाहते हैं : राहुल द्रविड़

अब वह उम्र के जिस पड़ाव पर हैं उसके मद्देनजर उनके लिए अब भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ कोच की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं है और वह इसीलिए अब यह आगे इसे नहीं संभालना चाहते हैं। टीम इंडिया अपने चीफ कोच को इस टी-20 विश्व कप में विदाई खिताब जीत के साथ देने में कसर नहीं छोड़ेगी। पांच टी-20 विश्व कप में खेल, दो बार सबसे ज्यादा रन बना मैन ऑफ द' टूर्नामेंट रहे भारत के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली इसके इतिहास में कुल 27 मैचों 1141 रन बना सबसे आगे हैं जबकि रोहित शर्मा 36 मैचों में 9 अर्द्धशतक के साथ कुल 973 रन बना चौथे स्थान पर है। सोने पर सुहागा यह है कि विराट कोहली ने 2024 के आईपीएल में 15 मैचों में पारी का आगाज करते हुए एक शतक और पांच अर्द्धशतक सहित कुल 741 रन बना शीर्ष पर रहे ही उन्होंने खासतौर पर स्पिनरों से निपटने के लिए अपने तूणीर में 'स्लॉग स्वीप' को जोड़कर यह भरोसा दिलाया है कि अमेरिका और वेस्ट इंडीज की अपेक्षाकृत अब धीमी बताई जा रही पिचों पर सही वक्त पर गियर बदल कर भारत को बड़ा स्कोर खड़ा करने के साथ उसके पार पहुंचाने का भी दम रखते हैं। विराट और रोहित पारी शुरु करते हैं तो फिर 360 डिग्री यानी समग्र बल्लेबाज सूर्य कुमार तीसरे, शिवम दुबे चौथे, ऋषभ पंत पांचवें, उपकप्तान हार्दिक पांडया छठे, फिट हो वापसी करने वाले रवींद्र जडेजा सातवें के बल्लेबाजी करने उतरने से भारत के पास खासी मजबूत बल्लेबाजी है।

गावस्कर की विश्वकप प्लेइंग-11 में विराट ओपनर

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप के पहले मैच में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को सलामी जोड़ी के रूप में चुना है। सुनील गावस्कर ने 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 का चयन किया। हाल ही में संपन्न

आईपीएल में कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए ओपनिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने एक शतक और पांच अर्द्धशतक सहित 741 रन बनाए। उनके हालिया फॉर्म को ध्यान में रखते हुए, कई लोगों ने टी20 विश्व कप में उनके शीर्ष पर पहुंचने की बात कही है। दिलचस्प बात यह है कि सुनील गावस्कर ने अपनी अंतिम 11 में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को शामिल नहीं किया और बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए ऑलराउंडर शिवम दुबे का समर्थन किया। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि मुझे वास्तव में टीमों का चयन करना पसंद नहीं है क्योंकि आप कभी भी सभी को संतुष्ट नहीं कर सकते हैं, हमेशा कोई न कोई ऐसा पसंदीदा खिलाड़ी होगा जिसे नहीं चुना जाएगा, लेकिन आयरलैंड के खिलाफ मैच के लिए मैंने प्लेइंग-11 चुनी है।

रोहित शर्मा और विराट कोहली ओपनिंग करेंगे, साथ ही तीसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल, चौथे पर सूर्यकुमार यादव, पांचवें पर ऋषभ पंत और छठे नंबर पर हार्दिक पांड्या होंगे। पूर्व भारतीय कप्तान ने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के साथ एकमात्र स्पिनर के रूप में कुलदीप यादव को चुना। उन्होंने कहा कि सातवें नंबर पर रवींद्र जडेजा होंगे, आठवें नंबर पर शिवम दुबे, नौवें नंबर पर कुलदीप यादव, दसवें नंबर पर जसप्रीत बुमराह और 11वें नंबर पर मोहम्मद सिराज होंगे।

आयरलैंड के खिलाफ गावस्कर की संभावित प्लेइंग-11

रोहित शर्मा (कपन), विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

प्राग्नानंदा ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और अपसेट किया

स्टावेंजर (नॉर्वे), 4 जून (एजेंसियां)। भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर प्राग्नानंदा ने सोमवार को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और बड़ा उलटफेर किया। यह टूर्नामेंट में उच्च रैंक वाले खिलाड़ियों के खिलाफ प्राग्नानंदा की तीसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारुआना को हराया था। नॉर्वे शतरंज ने इस मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जीएम प्राग्नानंदा ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और विश्व नंबर 2 फैबियानो कारूआना को उनके क्लासिकल गेम में हराया और अब उन्होंने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को उनके आर्मगेडन गेम में हराया। अन्य क्लासिकल बाजियों में, मैग्नस कार्लसन को हिकारू नाकामुरा के खिलाफ अपना आर्मगेडन गेम गंवाना पड़ा। दूसरी ओर, फैबियानो कारुआना और अलीरेजा फिरोजा ने अपना आर्मगेडन गेम ड्रॉ किया। सातवें राउंड के बाद, कार्लसन 13 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं नाकामुरा 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि प्राग्नानंदा 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। प्राग्नानंदा 8वें राउंड में लीडर कार्लसन से भिड़ेंगे। इस बीच, वैशाली को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि वह हमवतन कोनेरू हम्पी से हार गईं वैशाली 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

आईसीसी टी-20 विश्वकप का प्रसारण दूरदर्शन पर भी

नई दिल्ली, 3 जून (एजेंसियां)। डीडी स्पोर्ट्स (दूरदर्शन) को आईसीसी टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 मैच के ब्रॉडकास्टिंग राइट मिल गए हैं। हालांकि, डीडी स्पोर्ट्स पर भारत के मैचों का लाइव टेलीकास्ट केवल डीडी फ्री डिश और अन्य डिजिटल टेरेस्ट्रियल टेलीविज़न यूजर्स (डीटीटी) के लिए उपलब्ध होगा।

■ डीडी स्पोर्ट्स को आईसीसी टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 मैच के ब्रॉडकास्टिंग राइट मिल गए हैं

प्रसार भारती ने घोषणा की है कि वह डीडी फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप का प्रसारण करेगा। दूरदर्शन टी20 विश्व कप की हाई प्रोफाइल कवरेज के बाद कई प्रमुख वैश्विक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का भी प्रसारण करने के लिए तैयार है। इसमें पेरिस ओलंपिक खेल 2024 (26 जुलाई-11 अगस्त 2024), पेरिस पैरालंपिक खेल (28 अगस्त- 8 सितंबर 2024), भारत बनाम जिम्बाब्वे (6 जुलाई-14 जुलाई 2024), भारत बनाम श्रीलंका (27 जुलाई-7 अगस्त 2024) के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला और फ्रेंच ओपन 2024 (8 और 9 जून 2024), विंबलडन 2024 (13 और 14 जुलाई 2024) का महिला और पुरुष फाइनल शामिल हैं। यह घोषणा प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान की। इस बातचीत के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने प्रसार भारती के चेयरमैन नवनीत कुमार सहगल, प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी समेत कई दिग्गज शामिल थे। इस दौरान टी-20 विश्व कप के लिए सुखविंदर सिंह द्वारा गाया गया विशेष गीत जज्बा और टी-20 इवेंट का प्रोमो भी लॉन्च किया गया। पिछले वर्ष के दौरान, डीडी स्पोर्ट्स ने देश भर में फैले कई खेल आयोजनों का प्रसारण किया। इसमें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया यूथ गेम्स, गोवा में राष्ट्रीय खेल, नई दिल्ली में खेलो इंडिया पैरा गेम्स का उद्घाटन संस्करण और गुलमर्ग और लेह में खेलो इंडिया विंटर गेम्स शामिल थे। डीडी स्पोर्ट्स पर इसके प्रसारण के अलावा, इन खेलों का फीड देश के प्रमुख निजी चैनलों जैसे स्टार स्पोर्ट्स, जियो सिनेमा और सोनी नेटवर्क के साथ साझा किया गया था। दूरदर्शन की टीम ने चीन में हांगझोऊ एशियाई खेलों के क्रिकेट मैचों का विश्व फीड तैयार किया, इसमें पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट मैच शामिल थे। डीडी टीम द्वारा ग्राउंड जीरो से तैयार किए गए विश्व फीड का प्रसारण एशिया के कई देशों में किया गया।

अगस्त, 2023 में भारतीय क्रिकेट टीम के वेस्टइंडीज दौरे के लिए दूरदर्शन के पास सभी प्लेटफॉर्म के लिए टेलीविजन अधिकार थे। अंग्रेजी और हिंदी में कमेंट्री के अलावा, श्रृंखला में खेले गए सीमित ओवरों के मैचों का फ़ीड भोजपुरी, तमिल, तेलुगु, बंगाली और कन्नड़ जैसी क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध था और उन्हें दूरदर्शन नेटवर्क के विभिन्न क्षेत्रीय चैनलों पर प्रसारित किया गया था। दूरदर्शन ने डीडी स्पोर्ट्स पर टेलीकास्ट के लिए एनबीए और पीजीटीए जैसी वैश्विक खेल संस्थाओं के साथ भी समझौता किया है।

फजलहक फारूकी का 'पंजा', अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

जॉर्जटाउन (गुयाना), 4 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 का 5वां मैच युगांडा और अफगानिस्तान के बीच खेला गया। अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में बल्ले और गेंद से दमदार खेल दिखाते हुए युगांडा को बुरी तरह हराया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी युगांडा ने हर मोर्चे पर निराशाजनक प्रदर्शन किया। वहीं, अफगानिस्तान ने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्व कप में जीत के साथ शुरुआत की। अफगानिस्तान ने इब्राहिम जादरान (46 गेंदों पर 70 रन) और रहमानुल्लाह गुरबाज़ (42 गेंदों पर 76 रन) के बीच 154 रनों की शानदार ओपनिंग साझेदारी की बदौलत 183/5 का मजबूत स्कोर बनाया।

अफगानिस्तान ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में बल्ले और गेंद से दमदार खेल दिखाते हुए युगांडा को बुरी तरह हराया

अफगानिस्तान के 184 रन के जवाब में युगांडा टीम की बल्लेबाजों पूरी तरह से फ्लॉप हो गई।हालांकि, इससे पहले शुरुआत में संघर्ष कर रहे युगांडा के गेंदबाजों ने डेथ ओवरों में वापसी की। लेकिन उनके बल्लेबाजों ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए। इस चुनौतीपूर्ण टोटल का बचाव करते हुए अफगानिस्तान के लिए फजल हक फारूकी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से जीत की नींव रखी। तेज तर्रार गेंदबाज फारूकी ने युगांडा टीम के बल्लेबाजों क्रम की कमर तोड़ दी और अपने स्पैल में मात्र 9 रन देकर पांच विकेट चटकाए। फारूकी का यह प्रदर्शन टी-20 विश्व कप में अफगानिस्तान के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।

टी-20 विश्व कप में आत्मविश्वास से उतरने के लिए तैयार कमिंस

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी 20 विश्व कप में उतरते समय आत्मविश्वास से भरपूर हैं और उनका मानना है कि उनका खेल इस समय सर्वश्रेष्ठ पर है। इंडियन प्रीमियर लीग में सफल प्रदर्शन के बाद कमिंस बारबाडोस में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ गए हैं और विश्व कप में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। आईपीएल नीलामी से पहले नवम्बर में कमिंस ने स्पष्ट कर दिया था कि वह टूर्नामेंट को अपनी क्षमता दिखाने और ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप टीम में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए इस्तेमाल करना चाहते हैं।

कमिंस ने सोमवार को अपनी टी20 गेंदबाजी के बारे में क्रिकेट.कॉम.एयू को बताया,

शायद पिछले 10 वर्षों से मेरे पास यह सबसे अच्छा समय है। हमने (आईपीएल में) लगातार 17 मैच खेले। अंतर्राष्ट्रीय टी20 टेस्ट श्रृंखला के बाद होते हैं, और आपको यॉर्कर या धीमी गेंद मारने की कोशिश करनी होती है, और फिर टेस्ट श्रृंखला में वापस जाना होता है। उन्होंने कहा कि तो बस खेल की गति हासिल करना और उन कुछ गेंदों को क्रियान्वित करना जिनकी आपको अन्य प्रारूपों की तुलना में टी20 क्रिकेट में अधिक आवश्यकता है, मैं वास्तव में अच्छी स्थिति में महसूस करता हूं। कमिंस ने एक ही प्रारूप पर टिके रहने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसके बारे में उनका मानना है कि यह गेंदबाजी के सामरिक पक्ष में बहुत बड़ा अंतर लाता है। विशेष रूप से बहुत सी टी20 गेंदबाजी में यह सोचना होता है कि कब और कौन सी गेंद फेंकनी है, और मुझे लगता है कि सीज़न के दौरान आप बहुत जल्दी सीख जाते हैं कि क्या काम कर रहा है और क्या नहीं। भले ही यह पहले मैच में काम नहीं करता है, और आपको लगता है कि यह हर मैच में कभी काम नहीं करेगा, लेकिन आप जानते हैं कि यदि आप टूर्नामेंट के दौरान ज़ूम आउट करते हैं तो यह आपके लिए काम करेगा।

ईशा म्यूनिख विश्व कप में छठे स्थान पर

नई दिल्ली, 4 जून (एजेंसियां)। ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में छठे स्थान पर रहीं, जबकि भारत की अपने पहले पदक की तलाश अब भी जारी रही। ईशा ने फाइनल में 20 अंक बनाए, जबकि फ्रांस की कैमिली जेड्रेजेवस्की ने जर्मनी की डोरेन वेनकेम्प पर जीत हासिल की, क्योंकि दोनों ने दो शूट-ऑफ के बाद विजेता को अलग किया।

शॉट्स की नियमित 10-सीरीज के बाद दोनों 40 अंकों के साथ बराबरी पर थे। मौजूदा फाइनल विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारत का यह लगातार दूसरा छठा स्थान था, इससे पहले सोमवार को रमिता ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में ऐसा ही स्थान हासिल किया था।

चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर है। 19 साल की ईशा एक शार्प शूटर है जो बेहद सटीकता से निशाना लगाती है। यह युवा निशानेबाज भारत की सबसे बेहतरीन और होनहार निशानेबाजों में गिनी जाती है। ईशा सिंह का जन्म 1 जनवरी 2005 को हुआ था। वह एक भारतीय शौकिया निशानेबाज हैं।

इगा स्वियाटेक का सेमीफाइनल में गॉफ से मुकाबला

पेरिस, 4 जून (एजेंसियां)। इगा स्वियाटेक ने मार्केटा वोंद्रोसोवा को मात्र 62 मिनट में 6-0, 6-2 से रौंद कर फ्रेंच ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। तीन बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन ने अपना क्लास दिखाते हुए पांचवीं सीड चेक खिलाड़ी को मंगलवार को लगातार सेटों में ध्वस्त कर दिया। शुरुआत से ही स्वियाटेक ने अपना दबदबा कायम कर लिया। उन्होंने दूसरे गेम में वोंद्रोसोवा की सर्विस तोड़ी और मैच की दिशा तय की। चौथे गेम में कुछ संघर्ष हुआ, जिसमें स्वियाटेक ने अंत में बैकहैंड विनर लगाते हुए डबल-ब्रेक हासिल कर लिया। विंबलडन चैंपियन वोंद्रोसोवा के प्रयास हर मोड़ पर विफल रहे। बैंगनी रंग की स्कर्ट पहने हुए स्वियाटेक ने वोंद्रोसोवा को पछाड़ते हुए तीसरे ब्रेक के साथ पहला सेट केवल 28 मिनट में समाप्त कर दिया। स्वियाटेक का अगला मुकाबला कोको गॉफ से है, जिन्होंने पहले क्वार्टर फाइनल में ओंस जाबौर को हराकर शानदार वापसी की थी। स्वियाटेक, जिन्होंने फ्रंट-फुट दृष्टिकोण के साथ वोंद्रोसोवा के खिलाफ मैच में शुरू से ही हावी थी। उनका रिटर्न गेम भी उतना ही दमदार था और उन्होंने वोंद्रोसोवा की सर्विस आसानी से तोड़ दी। स्वियाटेक ने शून्य के स्कोर पर पहला सेट समाप्त कर दिया। उन्होंने इस गति को दूसरे सेट में भी जारी रखा, आराम से सर्विस बरकरार रखी और अपने जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक खेले। वोंद्रोसोवा ने 1-1 से अपनी सर्विस बरकरार रखी और एक ब्रेक प्वाइंट भी गंवा दिया, क्योंकि स्वियाटेक ने एकाग्रता में क्षणिक चूक दिखाई। हालाँकि, स्वियाटेक ने जल्द ही अपना विध्वंसक रूप वापस पा लिया और वोंद्रोसोवा की एक और ज़बरदस्ती गलती के कारण मैच को एक घंटे और दो मिनट में समाप्त कर दिया। स्विएटेक ने 25 विनर्स के साथ मैच समाप्त किया, जबकि वोंद्रोसोवा ने 18 बेजां भूलें कीं। अपने प्रदर्शन पर विचार करते हुए स्वियाटेक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि सब कुछ काम कर गया। मुझे लगता है कि मैं पिछले राउंड की तुलना में बेहतर सर्विस कर रही थी।

■ स्वियाटेक का अगला मुकाबला कोको गॉफ से है,
■ वोंद्रोसोवा ने 1-1 से अपनी सर्विस बरकरार रखी और एक ब्रेक प्वाइंट भी गंवा दिया,

ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि सब कुछ काम कर गया। मुझे लगता है कि मैं पिछले राउंड की तुलना में बेहतर सर्विस कर रही थी जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है : इगा स्वियाटेक

सार संक्षेप

आशुतोष के चार गोल से ईमी ने विक्ट्री को हराया

नई दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से डीएसए ए डिवीजन लीग में ईमी हीरोज ने विक्ट्री एफसी को 6-0 से रौंद दिया। ऐन गंबोई और राहुल ने एक-एक गोल किये।वहीं एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हरा कर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पिछले कुछ मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करने वाली विक्ट्री को पहली जीत की तलाश है। आज खेले गए मुकाबले में मजबूत प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध विक्ट्री की रक्षा पंक्ति दूसरे हाफ में टूट गई जिसका फायदा उठा कर थपलियाल ने तिकड़ी सहित चार गोल दाग दिए। चार मैचों में चौथी हार के साथ विक्ट्री अपने ग्रुप में निचले पाएदान पर पहुंच गई है।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरीगैसी लाइव फिडे रेटिंग में टॉप-5 में

नई दिल्ली। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरीगैसी फ्रेंच टीम चैस चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत लाइव फिडे रेटिंग तालिका में शीर्ष-5 में पहुंच गए हैं और लाइव रेटिंग में शीर्ष रैंक वाले भारतीय बन गए हैं। अर्जुन, जिनकी ईएलओ रेटिंग 2769.7 है, ने अपनी संख्या में 8.7 अंक जोड़े हैं और वह नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नाकामूरा और फाबियानो कारुआना और रूस के इयान नेपोमनियाची से पीछे हैं। वह इस सप्ताह के शुरू में संक्षिप्त समय के लिए 2771.2 की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर रहे थे और विश्वनाथन आनंद के बाद से ऐसा करने वाले पहले भारतीय हैं। मेट्ज़ फिशर शतरंज क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक खेले गए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल की है, जिसमें हमवतन पी हरिकृष्णा और जर्मनी के विटाली कुनिन पर जीत शामिल है। प्रतियोगिता में अभी दो राउंड बाकी हैं।

स्वितोलिना को हराकर रिबाकिना क्वार्टरफाइनल में

पेरिस। चौथी सीड एलेना रिबाकिना ने 15 वीं सीड एलिना स्वितोलिना को मात्र 69 मिनट में 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। रिबाकिना का अगला मुकाबला 12 वीं सीड जैस्मिन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने एलिना अवनेस्यान को 4-6, 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम आठ में जगह बनाई। रिबाकिना का ओवरआल यह पांचवां ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है और पिछले वर्ष विम्बलडन के बाद यह पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। रिबाकिना का 2024 में यह कुल नौंवां क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने तीन डब्लूटीए दूर खिताब जीते हैं और उनका ओवरआल रिकॉर्ड 34-5 पहुंच गया है।